भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

5 मार्च - 11 मार्च 2025

jagrukjanta.net

सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं को 11वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

फाल्गुन, पक्ष - शुक्ल, तिथि - षष्ठी, संवत 2081 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-11, अंक-1, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

भजनलाल सरकार सरकारी स्कूलों में नवीन शिक्षा सत्र से बड़ा फेरबदल करने की तैयारी में, शिक्षा विभाग पहनाएगा अमलीजामा

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में लागू होगा शिक्षक ड्रेस कोड!

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। अगर सब कुछ सही रहा तो नवीन शिक्षा सत्र से राजकीय स्कूलों में शिक्षक ड्रेस कोड में नजर आएंगे। क्योंकि राज्य सरकार प्रदेश के स्कूलों में ड्रेस कोड लागू करने जा रहा है। जिसको लेकर तैयारियां भी प्रारंभ हो गई हैं। यदि यह नियम लागू हुआ तो ड्रेस कोड लागू करने वाला राजस्थान असम और महाराष्ट्र के बाद देश का तीसरा राज्य बन जाएगा। राज्य के स्कूलों में पॉजीटिव माहौल बनाने के लिए भजनलाल सरकार अब सरकारी स्कूलों में बड़ा बदलाव करने की तैयारी कर रही है। सब ठीक हुआ तो जल्द ही सरकारी स्कूलों में शिक्षक ड्रेस कोड में दिखाई देंगे। इसको लेकर राजस्थान सरकार कवायद में जुटी हुई है। शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का भी मानना है कि ड्रेस कोड लागू होने से विद्यालयों में अनुशासन में सुधार तो होगा ही बल्कि शिक्षक और विद्यार्थी के बीच विश्वास और प्रेरणादायक माहौल भी तैयार होगा।

शिक्षा मंत्री दे चुके हैं संकेत

स्कूलों में शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड लागू करने के संकेत खुद शिक्षा मंत्री मदन दिलावर दे चुके हैं। उन्होंने एक समारोह में कहा था कि स्कूल में बेहतर एजुकेशन माहौल बनाने के लिए पॉजिटिव सोच होनी चाहिए। इसके लिए उन्होंने भी स्कूली टीचर्स को सादे कपड़ों में स्कूल आने की नसीहत दी थी। उनका मानना है कि इससे बच्चों के मन में पॉजिटिव इफेक्ट पड़ता है। तब से ही राज्य में शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड के कायस लगाए जाने लगे थेए जो अब पूर्ण होता हुआ दिख रहा है।

असम-महाराष्ट्र में ड्रेस कोड लागू

देश के पूर्वी राज्य असम में अगस्त 2023 में शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड लागू किया गया था। इस दौरान पुरुष शिक्षकों को फॉर्मल शर्ट, ट्राउजर, धोती या पायजामा पहनना अनिवार्य किया गया। वहीं महिला शिक्षकों को साड़ी, सलवार-सूट या पारंपरिक वस्त्र पहनने की अनुमति दी गई। देश के सबसे बड़े राज्यों में से महाराष्ट्र में पिछले वर्ष 2024 में ही ड्रेस कोड लागू किया गया। यहां शिक्षकों को टी-शर्ट, जींस और डिजाइनर कपड़े पहनने की अनुमति नहीं है। बल्कि महिला शिक्षकों को साड़ी या सलवार-कुर्ता और पुरुष शिक्षकों को फॉर्मल शर्ट और पैंट पहनने को कहा गया।

क्या हो सकता है ड्रेस कोड

» पुरुष शिक्षकों को टी-शर्ट और जींस पहनने पर रोक लगाई जा सकती है।
» महिला शिक्षकों को साड़ी या सलवार-सूट पहनकर स्कूल आना अनिवार्य हो सकता है।
» पुरुष और महिला शिक्षकों के लिए विशेष रंग की ड्रेस कोड भी लागू हो सकता है।

2026-27 में हो सकता है लागू

सीबीईओ दामोदर मीणा का कहना है कि स्कूलों में शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड लागू इस नवीन सत्र 2025-26 से लागू करना मुश्किल होगा। क्योंकि अभी शिक्षा विभाग परीक्षाओं और उसके बाद रजिल्ट में व्यस्त रहेगा। इस कारण 2026-27 से ही राजकीय स्कूलों में शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड लागू हो सकता है। जो कि स्कूलों में प्रेरणादायक माहौल के लिए उचित कदम साबित होगा।

ऑस्ट्रेलिया को पीटकर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में पहुंची टीम इंडिया

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का पहला सेमीफाइनल खेला गया। इस मैच को जीतकर भारत ने फाइनल में जगह पक्की की। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का पहला सेमीफाइनल भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दुबई में खेला गया। इस मुकाबले को 4 विकेट से अपने नाम करके भारत ने फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। भारत की इस जीत में गेंदबाजों से लेकर बल्लेबाज तक सभी ने अपना अहम योगदान दिया। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 49.3 ओवर में 264 रनों पर ऑलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से स्टीव स्मिथ ने सबसे ज्यादा 73 रन बनाए। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 4 चौका और 1 छक्का लगाया। उनके अलावा ट्रैविस हेड ने 33 गेंदों में 39 रन बनाकर आउट हुए।

मुख्यमंत्री ने ली समीक्षा बैठकः राज्य के धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के विकास के लिए सरकार संकल्पबद्ध

विकास के साथ विरासत का संरक्षण हमारा ध्येय

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक स्थल हमारी प्राचीन विरासत का महत्वपूर्ण अंग है। राज्य सरकार इस गौरवशाली विरासत के संरक्षण और विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। हमारे आस्था स्थलों का संरक्षण कर हम पर्यटन क्षेत्र को भी विकसित कर सकते हैं। इससे बड़ी संख्या में रोजगार का भी सृजन होगा।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रदेश के विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विकास के साथ विरासत का संरक्षण हमारा ध्येय है और इस पर कार्य करते हुए हम आस्था धामों के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। प्रदेश के विभिन्न मंदिरों के जीर्णोद्धार और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को राजस्थान की गौरवशाली ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत से रूबरू कराया जाना आवश्यक है। इसके लिए स्कूली विद्यार्थियों को प्रसिद्ध स्मारकों एवं ऐतिहासिक स्थलों की नियमित यात्राएं करवाई जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संकल्प पत्र में ब्रज चौरासी सर्किट को भक्ति पर्यटन के रूप में विकसित किए जाने की घोषणा की गई थी। इस हेतु ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग पर पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परिक्रमा मार्ग सहित पूंछरी का लोठा डीग के विकास कार्यों को भी गति दी जाए। उन्होंने श्री गोकुल जाट पेनोरमा, राजा खेमकरण पेनोरमा, देव बाबा पेनोरमा, गोविन्द स्वामी पेनोरमा के निर्माण के लिए सभी प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा कर कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

शर्मा ने अधिकारियों को जैसलमेर स्थित तनोट माता मन्दिर में विकास कार्य करवाने तथा वहां आने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने की उचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गिरदुवाला, ग्राम कुलधरा एवं लोंगेवाला की जैसलमेर और तनोट से कनेक्टिविटी बेहतर करने के साथ ही यहां पर्यटकों के लिए सुविधाएं विकसित की जाए।

सांभर लेक क्षेत्र का गुजरात के रण क्षेत्र की तर्ज पर किया जाए विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर के पास स्थित सांभर लेक क्षेत्र भी गुजरात के रण क्षेत्र की तरह महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल बन सकता है। यहां होने वाले सांभर फेस्टिवल में बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैलानी हिस्सा लेते हैं। उन्होंने कहा कि यहां पर्यटकों के लिए और अधिक सुविधाएं विकसित कर इसका पर्याप्त प्रचार-प्रसार किया जाए।

बाहर के मन्दिरों का होगा जीर्णोद्धार

शर्मा ने कहा कि पिछले दिनों प्रयागराज में हुई मंत्रिपरिषद् की बैठक में राज्य के बाहर स्थित मन्दिरों के जीर्णोद्धार का निर्णय लिया गया था। उन्होंने देवस्थान विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे मंदिरों का सर्वे करवाते हुए इनकी वास्तविक संख्या पताकर सूचीबद्ध किया जाए।

बैठक में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता, शासन सचिव देवस्थान विभाग डॉ. कृष्णा कांत पाठक, शासन सचिव पर्यटन रवि जैन सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही, जिला कलक्टर जैसलमेर प्रताप सिंह, जिला कलक्टर भरतपुर डॉ. अमित यादव एवं जिला कलक्टर डीग उत्सव कौशल वीसी के माध्यम से बैठक से जुड़े।

विधानसभा में बजट सत्र

'कांस्टीट्यूशन क्लब' का फिर से होगा उद्घाटन, डीडवाना में बनेगा मिनी सचिवालय

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र में मंगलवार को भी प्रश्नकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सवाल उठाए गए। वहीं, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सदन की कार्यवाही के दौरान विधायकों को अनुशासन बनाए रखने और नियमों का पालन करने की हिदायत दी। इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा विधायक दल की बैठक लेकर मंत्रियों और विधायकों को सदन में सक्रिय रहने और सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। दरअसल, राजधानी जयपुर में दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब की तर्ज पर बनाए गए 'कांस्टीट्यूशन क्लब' का उद्घाटन 8 मार्च को होगा। विस अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि सुबह 11 बजे लोकसभा स्पीकर ओम बिरला इसका शुभारंभ करेंगे।

बताते चलें कि यह कांस्टीट्यूशन क्लब पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में विधानसभा के पास बनाया गया था। 22 सितंबर 2023 को तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसका उद्घाटन भी किया था। दिसंबर 2023 में नई सरकार बनने के बाद इसे दोबारा उद्घाटन करने की तैयारियां चल रही थीं। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मौजूदा सरकार पर दोबारा उद्घाटन को लेकर सवाल भी उठाए थे।

स्पीकर वासुदेव देवनानी ने फिर जताई पीड़ा

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सदन में विधायकों के अनुशासनहीन व्यवहार पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि मैं बार-बार हिदायत दूं, यह अच्छा नहीं लगता। सदन चलने के दौरान सदस्य इधर-उधर घूमते रहते हैं। प्रश्नकाल के दौरान 11 से 12 बजे तक सदन में अधिक समय दें तो अच्छा रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस विधानसभा को आदर्श विधानसभा बनाने की जिम्मेदारी सभी की है। उन्होंने सदस्यों से भाषा की मर्यादा बनाए रखने और एक-दूसरे का सम्मान करने की अपील की।

डीडवाना में मिनी सचिवालय का मुद्दा उठा

बजट सत्र के दौरान डीडवाना में मिनी सचिवालय की स्थापना का मुद्दा उठा। भाजपा विधायक यूनुस खान ने सरकार से सवाल किया कि क्या सरकार इस जमीन पर मिनी सचिवालय बनाने का विचार रखती है? इस पर मंत्री जोगाराम पटेल ने जवाब दिया कि डीडवाना में जिला स्तरीय सरकारी कार्यालयों के लिए भूमि चिन्हित कर ली गई है और आवंटन की प्रक्रिया जारी है। पूर्व सरकार ने जमीन चिन्हित की थी और फंड भी स्वीकृत किया था। वर्तमान सरकार भी विचार कर रही है और जो जनता के हित में होगा, वही निर्णय लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री BJP विधायक दल की बैठक ली

बताते चलें कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा विधायक दल की बैठक बुलाई, जिसमें मंत्रियों और विधायकों को सदन में अधिक समय बिताने और सक्रिय रहने की नसीहत दी गई। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी मंत्री और विधायक सदन में पूरे समय उपस्थित रहें और अपने व्यवहार का ध्यान रखें। उन्होंने बैठक के दौरान कहा कि सभी विधायकों को अवकाश के दिनों में अपने प्रभार वाले जिलों का दौरा करना चाहिए। बजट में घोषित योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि जनता तक सरकार की नीतियां पहुंचे। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने और उनकी प्रभावी क्रियान्विति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में फ्लोर मैनेजमेंट और आगामी दिनों में सदन में पेश होने वाले बिलों पर भी चर्चा हुई।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करेंः-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

कहीं आप गलत तेल के शिकार तो नहीं हो रहे है ?

देसी दिल के लिये, दादी वाला देसी तेल...

Natural Immunity Booster

Kabira® Healthy Growth Yellow Mustard Oil

India's Most Trusted Brand
Approved by : WHO GMP
one of the OLDEST OIL known to HUMAN
FORTIFIED WITH VITAMIN A & D2
100% VEG.
COLD PRESSED
KOSHER

स्वदेशी पीली सरसों का तेल है, प्राचीन, पौष्टिक एवं परखा।

▸ प्राचीन शीतल विधी घाणी से निर्मित।
▸ निर्माण विधी उच्च ताप रहित ।
▸ निर्माण में कोई रासायनिक प्रयोग नहीं।
▸ केन्सर को रोकने में लाभदायक ।*
▸ मधुमेह को नियंत्रित करने में लाभदायक ।
▸ एसीडीटी एवं गेस्टिक रोगों में मददगार ।
▸ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने मे लाभदायक ।
▸ केवल देसी सरसों द्वारा निर्मित ।
▸ मोटापा घटाने में लाभदायक ।
▸ बालों के लिए एक उत्तम तेल ।
▸ ओमेगा 3 एवं ओमेगा 6 से भरपूर ।
▸ तीखी गंध रहित होने के कारण सभी व्यंजनों में उपयोगी ।
▸ अनेक औषधीय गुणों से भरपूर ।
▸ सभी तेलों के मुकाबले सबसे कम सेच्युरेटेड फेट्स ।*
▸ छः हजार वर्षों से मानव के लिए उपयोगी ।

Kabira Cold Pressed Oils are Also Available in :
Kachchi Ghani Mustard Oil (Pungent Smell)
Kachchi Ghani Groundnut Oil | Kachchi Ghani Sesame (Til) Oil

स्वस्थ जीवन के लिए कोनसा तेल उपयोग करें ?

तेल आप उपयोग करें	तेल आप उपयोग ना करें
कबीरा पीली सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड पामोलीन तेल
कबीरा कच्ची घानी सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड राईस ब्रान तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल	कबीरा ब्लेन्डेड एवं कनोला तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल	कबीरा रिफाईण्ड सोयाबीन तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड बादाम तेल	कबीरा रिफाईण्ड सूरजमूखी तेल
	कबीरा रिफाईण्ड मूंगफली तेल

कबीरा पीली सरसों तेल को फेक्ट्री मूल्य में लेने के लिए इस विज्ञापन एवं अपनी डिटेल्स को 90017-99117 पर व्हाट्सप करें और फ्री में लाइफ मेम्बर बनें एवं पाएं 590 रू. की चांदी की फ्रेम एवं केनवास बेग बिलकुल Free
ONLY FOR NEW MEMBER, LIMITED TIME OFFER

समस्त व्रत एवं उपवास में उपयोगी	केवल कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल
सर्दियों में उपयोगी	कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल
हर मौसम में उपयोगी	कबीरा पीली सरसों एवं कच्ची घानी सरसों तेल
दिपावली, दिपक प्रज्वलन के लिए	कबीरा तिल्ली एवं कच्ची घानी सरसों तेल

-: Awards & Achievements :-

To Open Kabira Hand Made Exclusive Store or Other Trade Inquiries Please Contact :
MANISHANKAR OILS PVT LTD
+91 98290 50738
www.manishankaroils.in
ALSO DEALS IN KISAN, PEEURA, TILAK, HANDMADE, MURARKA, BANSI, KABIRA COLD PRESSED (EDIBLE OIL, SPICES & TEA)
For Arward Details : Contact 98290-50738
* In Reference to : Asian Journal of Dairy and Food Research (2019)
#GOVERNMENT OF INDIA'S NATIONAL AWARDED #GOVERNMENT OF RAJASTHAN'S UDYOG RATAN AWARDED

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

आरवीयूएनएल और सिंगरेनी कोलियरीज के मध्य हुआ एमओयू : 1600 मेगावाट की थर्मल और 1500 मेगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं होंगी स्थापित

'ऊर्जादाता' की भूमिका निभाएगा राजस्थान-शर्मा

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने प्रदेश में सुदृढ़ प्रसारण तंत्र एवं थर्मल और अक्षय ऊर्जा के उत्पादन में महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इन दूरगामी निर्णयों से राजस्थान जल्द ही देश में 'ऊर्जादाता' की भूमिका में उभरेगा। उन्होंने कहा कि राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरवीयूएनएल) तथा केन्द्र सरकार और तेलंगाना सरकार के उपक्रम सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के बीच संपादित हुआ एमओयू प्रदेश में बिजली उत्पादन एवं आपूर्ति की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड एंव राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के मध्य आयोजित समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ ही राजस्थान सौर ऊर्जा में अपार संभावनाओं वाले राज्य के रूप में उभर रहा है। जल्द ही राजस्थान ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के किसानों को 2027 तक दिन में बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में नीतिगत निर्णय लेते हुए उनका समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित भी कर रही है।

राजस्थान में बनेगा 1500 मेगावाट का सोलरपार्क, मिलेगी 800 मेगावाट बिजली

शर्मा ने कहा कि एमओयू के तहत 1600 मेगावाट क्षमता की थर्मल आधारित परियोजनाएं तेलंगाना में स्थापित होंगी। इसमें से 800-800 मेगावाट बिजली तेलंगाना एवं राजस्थान दोनों राज्यों को मिलेगी। इसके अतिरिक्त राजस्थान में 1500 मेगावाट का सोलर पार्क स्थापित किया जाएगा, जिसके लिए आरवीयूएनएल ने भूमि भी चिन्हित कर ली है। इस पार्क में लगभग 6 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा और रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। इन सभी परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 22 हजार करोड़ रुपये है।

54000 मेगावाट क्षमता के लक्ष्य की ओर महत्वपूर्ण कदम

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा नीति-2024 में राजस्थान द्वारा 2030 तक 125 गीगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हमने परंपरागत एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से 54 हजार मेगावाट से अधिक विद्युत क्षमता के लक्ष्य को वर्ष 2031-32 तक प्राप्त करने की दिशा में दूरगामी निर्णय लिए हैं। राज्य सरकार ने केंद्रीय उपक्रमों के साथ 10 मार्च, 2024 को तथा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान कुल 2 लाख 28 हजार 800 करोड़ रुपये के निवेश समझौते किए। साथ ही, पॉवर ग्रिड कॉरपोरेशन तथा आरवीयूएनएल के मध्य 10 हजार करोड़ का निवेश एमओयू भी किया गया है। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि संबंधित पीएसयू, विभाग एवं एजेंसियां इन परियोजनाओं को जल्द पूरा कर प्रदेश और देश की बिजली जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राजस्थान की अपार सौर ऊर्जा एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित कर रही है। तेलंगाना की थर्मल ऊर्जा उत्पादन में दक्षता एवं राजस्थान की असीमित सौर क्षमता के लिए संपादित हुआ यह एमओयू ऊर्जा क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखेगा। ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने कहा कि ऊर्जा विभाग तेलंगाना सरकार के साथ बेहतर सामंजस्य स्थापित करते हुए इन परियोजनाओं का त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित करेगी। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक ने एक प्रस्तुतीकरण देते हुए एमओयू के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम में प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा (तेलंगाना) संदीप कुमार सुल्तानिया, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, आरवीयूएनएल के सीएमडी देवेन्द्र श्रृंगी, सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के सीएमडी एन. बलराम सहित संबंधित विभागों के अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

जागरूक खबरें

किराए के घरों में रहने वालों को कराना होगा ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। काम और पढ़ाई के सिलसिले में लोग अपने घर को छोड़ कर बड़े शहरों की ओर रुख करते है और किराए के मकान में रहकर रोजी-रोटी कमाते हैं। राजस्थान सरकार ने किराए पर रहने वाले लोगों के लिए नियमों में बदलाव किया है। अब एक साल से कम अवधि के लिए किराए पर ली जाने वाली संपत्ति का रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य होगा। इसका असर उन लोगों को पर देखने को मिलेगा जो कम अवधि के लिए मकान किराए पर रहने के लिए लेते हैं।

ऑनलाइन होगा रजिस्ट्रेशन

नए बदलाव के अनुसार किराएदारों का रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन होगा। इस सुविधा से आम लोगों को रजिस्ट्रेशन के लिए कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। आसानी से घर बैठे रजिस्ट्रेशन करवा सकेंगे।

वर्तमान में किराएनामे पर 0.02 प्रतिशत स्टाम्प ड्यूटी

वर्तमान में किराएनामे पर 0.02 प्रतिशत स्टाम्प ड्यूटी है। लेकिन अब 10 लाख की संपत्ति होने पर 200 रुपए ही स्टाम्प ड्यूटी लगेगी। इसके अलावा किराएदारों का रजिस्ट्रेशन होने से नाम और पते की जानकारी मिलने से किराएदारों की पहचान भी आसानी से हो जाएगी।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विवि, जोबनेर का सप्तम् दीक्षांत समारोह 5 मार्च को

जयपुर @ जागरूक जनता। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर का सप्तम् दीक्षांत समारोह आगामी बुधवार, 5 मार्च 2025 को अपराह्न 3 बजे राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर में आयोजित किया जाएगा। इस भव्य समारोह की अध्यक्षता राजस्थान के महामहिम राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री हरिभाऊ किशनराव बागडे करेंगे, जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), नई दिल्ली के उपमहानिदेशक (शिक्षा) डॉ. आरसी अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने बताया कि इस दीक्षांत समारोह में कुल 1517 छात्र-छात्राओं को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी।

सोसाइटी आफ ब्राह्मण एग्जिक्यूटिवस् राजस्थान (सोबर) का स्नेह मिलन एंव शपथग्रहण समारोह समपन्न

ब्राह्मणों के अग्रणी 21 संगठनों के अध्यक्षों ने सरकार के सामने रखा 8 सूत्रीय मांग पत्र

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर मार्च सोसाइटी आफ ब्राह्मण एग्जिक्यूटिवस् राजस्थान (सोबर) की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण एवं स्नेह मिलन समारोह सभागार पारीक कालेज में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि धनश्याम तिवाड़ी सांसद राज्यसभा, अध्यक्षता मंजू शर्मा सांसद लोकसभा जयपुर, विशिष्ट अतिथि गोपाल शर्मा विधायक सिविल लाइन जयपुर एवं अतिथियों में ब्राह्मणों के 21 संगठनों के अध्यक्ष, मुखियाओं ने भाग लिया ।

मुख्य अतिथि, कार्यक्रम की अध्यक्षा, और विशिष्ट अतिथि का सोबर के अध्यक्ष डॉ शिव गौतम वरीष्ठ उपाध्यक्ष जी एल शर्मा, (IPS Ret)एवं महासचिव ई आर सी शर्मा एवं उपाध्यक्ष हरी शकर पूर्व आर ए एस ने माल्यार्पण, साफा, शॉल और मोमेंटो से स्वागत किया। ब्राह्मण समाज के विभिन्न संगठनों के अध्यक्षों का सोबर के पदाधिकारियों ने माल्यापर्ण, शॉल और मोमेंटो भेट कर सम्मानित किया । अध्यक्ष डॉ शिव गौतम ने सोबर के उद्देश्य किये कार्य और भविष्य की योजना ओ के बारे में जानकारी दी। ब्राह्मण समाज के सभी संगठनों के अध्यक्षों का अभिवादन करते हुए आग्रह किया कि हम सभी समाज हितों के लिए प्रयासरत है। लेकिन आवश्यकता है हम सभी दो महीने तीन महीने के अंतराल में एक बार एक जगह बैठकर समस्त ब्राह्मण समाज के हितों पर चर्चा करे, सरकार के सामने सामूहिक रूप से ब्राह्मण समाज के हितों की बात रखे। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में सोबर के सभी पदाधिकारियों मंच संचालक आर पी शर्मा ने परिचय कराते हुए शपथ के लिए आमंत्रित किया। मुख्य आतिथी ने सोबर की कार्य कारणी में अध्यक्ष डॉ शिव गौतम, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी एल शर्मा पूर्व आइ पी एस उपाध्यक्ष हरी शंकर भारद्वाज, पूर्व आर एएस, उपाध्यक्ष राधेश्याम शर्मा महासचिव ई आर सी शर्मा कोषाध्यक्ष बालकृष्ण शर्मा, सयुंक्त सचिव धर्मेश गौतम संगठन सचिव ई शशि शेखर शर्मा, सहित 30 पदाधिकारी /सदस्यों को शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि धनश्याम तिवाड़ी ने सोबर के प्रयासों की सराहना करते हुए ब्राह्मण समाज के सभी संगठनों को एक निश्चित अंतराल पर एक एक जगह बैठकर निर्णय लेना, समय की मांग भी है और आवश्यकता भी, तिवाड़ी ने आश्वासन दिया मैं अपने स्तर पर आपकी मांगो पर प्रयास करूँगा। कार्यक्रम अध्यक्षा मंजू शर्मा ने कहा ये समय की मांग है, सभी संगठन पर लगातार निश्चित अंतराल पर एक जगह बैठकर समाज हित में निर्णय ले कदम उठाये। विशिष्ट अतिथि गोपाल शर्मा ने भी कहा मै हमेशा समाज के साथ हूँ। सभी संगठनों को एकता दिखाते हुए समाज के लिए फैसला लेने चाहिए ।

मंचासीन अतिथियो को सौंपा 8 सूत्रीय मांग पत्र

- » केंद्र सरकार की नौकरियों व शिक्षा संस्थानों में प्रवेश के लिए EWS की पात्रता में संपत्ति संबंधी अनिवार्यता समाप्त कराने का प्रयास/ अनुरोध, प्रधानमंत्री / केंद्र सरकार से किया जावे,जिससे राजस्थान सरकार द्वारा प्रदत्त EWS पात्रता के समान प्रावधान केंद्र सरकार में भी लागू हो सके।
- » विवाहित महिलाओं की पात्रता में आय/संपति की गणना के लिए पिता की आय भी जोड़ी जाती है, विवाहित महिलाओं के लिए EWS पात्रता में सिर्फ पति की आय/संपत्ति को आधार माना जाए।
- » EWS मे पात्रता, सुविधाएं और छूट OBC संवर्ग की पात्रता , सुविधाएं एवं छूट के समान हो ।
- » मंदिर माफी की जमीनों पर पर जो भूमाफिया और अन्य प्रभाव शाली,लोगों ने कब्जे कर रखे है उन्हें राज्य सरकार ,राजस्व प्रशासन सक्रियता के साथ चिन्हित कर, अभियान चलाकर, अतिक्रमण हटाया जावे।
- » राजस्थान में स्थित सभी मंदिरों के पुजारियों को मानदेय व भोग की राशि प्रदान करावे। राज्य सरकार ने हाल ही में देवस्थान विभाग के अधीनस्थ मंदिरों के लिए ही घोषणा की है । ऐसी घोषणा सभी मंदिरों के लिए हो ।
- » सनातन बोर्ड की स्थापना हो जिसमें समस्त संस्थाओं के प्रतिनिधियों का समावेश हो ।
- » पूर्व में स्थापित विप्र कल्याण बोर्ड को और सशक्त बनाकर व्यापक अधिकार प्रदत्त कर सक्रिय किया जाए ।
- » भगवान श्री परशुराम जी की तपोस्थली, जमदग्नि ऋषि आश्रम रुण्डल, में परशुराम पीठ की स्थापना हो ।

राजस्थान ब्राह्मण महासभा ने की विप्र परिवार की सहायता

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान ब्राह्मण महासभा खण्ड इकाई शास्त्री नगर के प्रदेशाध्यक्ष एस.के. शर्मा ने बताया कि सितम्बर 2024 में दो बच्चों के हादसे से अवसादग्रस्त पर्वतीय कॉलोनी शास्त्री नगर निवासी सुरेश पाराशर एवं पत्नी सीता देवी को राजस्थान ब्राह्मण महासभा शीर्ष संस्था एवं शास्त्री नगर खण्ड इकाई द्वारा 51,000 रुपये की राशि का चैक देकर परिवार को आर्थिक रूप से संबल दिया। इस अवसर पर महामंत्री संजीव गौड़, कोषाध्यक्ष विनय जोशी, महानगर उपाध्यक्ष पीडी शर्मा, अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ राहुल मिश्रा, शिक्षाविद् कृष्ण कुमार शर्मा, चन्द्र प्रकाश शर्मा, अशोक मिश्रा, वैद्य राजेश शर्मा, उद्योगपति सत्यनारायण, अनिल पारीक उपस्थित रहे। इस अवसर पर शीर्ष संस्था अध्यक्ष केसरी चन्द शर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष दिक्षानत शर्मा एवं प्रमुख महामंत्री मधुसूदन शर्मा की ओर से सांत्वना प्रकट की।

'विकसित भारत युवा संसद' के रजिस्ट्रेशन 9 तक

जयपुर @ जागरूक जनता। राजकीय महाविद्यालय, जयपुर द्वारा 'विकसित भारत युवा संसद' का जिला स्तरीय कार्यक्रम" आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास करना, युवाओं की आवाज को बढ़ाना, सार्वजनिक मुद्दों में युवाओं के निर्णय लेने के कौशल और विविध विचारों के प्रति सहिष्णुता को बढ़ावा देना है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. स्निग्धा शर्मा ने बताया कि इसमें युवाओं को 09 मार्च तक माय भारत पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाकर 'विकसित भारत से आप क्या समझते हैं।' विषय पर 01 मिनट का वीडियो बनाकर अपलोड करना होगा जिसमें चयनित 150 प्रतिभागियों की ऑफलाईन प्रतियोगिता 11-12 मार्च को महाविद्यालय परिसर में आयोजित की जाएगी। इसमें चयनित 10 प्रतिभागियों को राज्यस्तरीय युवा संसद कार्यक्रम में विधान सभा जयपुर में शामिल होने का अवसर मिलेगा। इसके पश्चात इनमें से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता से तीन प्रतिभागी चयनित हो कर राष्ट्रीय स्तर पर संसद भवन नई दिल्ली में केन्द्र स्तर के कार्यक्रम में भाग ले सकेंगे।

हवामहल विधायक स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज ने की विशेष मांग

राजधानी में पर्यटक सुविधा, पर्यटन स्थलों पर नारी सुरक्षा पर विचार करें सरकार

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। मंगलवार को राजस्थान विधानसभा में प्रश्नकाल में हवामहल विधायक स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज ने जयपुर शहर में देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए सुविधाजनक व्यवस्थाओं और पर्यटन स्थलों पर नारी सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण सवाल उठाए।हवामहल विधायक स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज ने सदन में सवाल उठाते हुए कहा कि जयपुर में देशी-विदेशी पर्यर्टक बहुत बड़ी तादाद में आते हैं, किंतु उनके लिए पर्यटन स्थलों में स्वच्छ शौचालयों की व्यवस्था नहीं है। साथ ही देशी-विदेशी पर्यर्टक को लपको द्वारा उन्हें परेशान करने की शिकायत भी लगातार सामने आ रही है, इसलिए पर्यटन स्थलों पर सरकार द्वारा पुरुष एवं महिला गार्ड लगाने का विचार रखना चाहिए।

विधायक महाराज ने सदन में बताया की जलमहल चौपाटी पर सामान बेचने वाले लोगों को ढ्रुष्ठ कार्ड दिये जाने चाहिए और उन्हें ही वहां पर बैठने की अनुमति दी जानी चाहिए क्योंकि वहां पर असामाजिक तत्व सामान बेचने के बहाने आ जाते है और पर्यटकों तथा खासकर महिला पर्यटकों को परेशान करते हैं, उनके साथ छेड़छाड़ करते हैं। इसके अलावा वहां पर नशे का अवैध कारोबार भी करते हैं।

पर्यटकों से चेन खींचने, छीनाझपटी भी की जाती हैं। इससे हमारे प्रदेश की छवि खराब होती है। असामाजिक तत्वों पर रोक हेतु आवश्यक कार्यवाही की जानी चाहिए।

विधायक बालमुकुंदाचार्य महाराज ने राजस्थानी वेशभूषा पहनने की आड़ में पर्यटकों से छेड़छाड़ करने वालों अंकुश लगाने की मांग की

हवामहल विधायक स्वामी बालमुकुंदाचार्य ने विधानसभा में बताया कि पर्यटक स्थलों पर देशी तथा विदेशी पर्यटकों की राजस्थानी वेशभूषा पहनने की इच्छा होती है और वे उस वेशभूषा में फोटो खिंचवाते हैं परन्तु शिकायतें यह आती है कि जो इस प्रकार की दुकानें है वहां पर पुरुष होते हैं और महिलाओं को कपड़े पहनाने की आड़ में वे विदेशी पर्यटकों से छेड़छाड़ करते हैं। सरकार द्वारा इन पर कार्यवाही के साथ यह सुनिश्चित करना चाहिए कि महिलाओं को सिर्फ़ महिला ही वेशभूषा पहनाये। साथ ही जलमहल चौपाटी, जंतर-मंतर, हवामहल, सिटी पैलेस, जयगढ़-नाहरगढ़ आदि प्रमुख पर्यटन स्थल पर शिकायत करने के लिए हेल्पलाइन नम्बर भी बोर्ड लगाकर प्रदर्शित करने चाहिए या ऐप बनाना चाहिए जिससे वहां पर पर्यटक शिकायत करें तो तत्काल उन्हें सहायता उपलब्ध हो सके।

राज्य सरकार प्रदेश में उद्योग जनित प्रदूषण को रोकने के लिए प्रतिबद्ध

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में उद्योग जनित प्रदूषण को रोकने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि श्रीगंगानगर जिले में लाल श्रेणी की औद्योगिक इकाईयों की जाँच करवाकर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि औद्योगिक इकाईयों के विरुद्ध शिकायत प्राप्त होने पर विभाग द्वारा जाँच की जाती है तथा अनियमितता मिलने पर नोटिस देकर कमियों को दूर करने हेतु निर्देशित किया जाता है। समयसीमा में निर्देशों की अनुपालना नहीं करने वाले उद्योगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाती है।

इससे पहले विधायक डूंगरराम गेदर के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री ने बताया कि श्रीगंगानगर जिले में कुल एक हजार 113 औद्योगिक इकाईयां स्थापित है, इनमें से 21 औद्योगिक इकाईयां लाल श्रेणी, 689 औद्योगिक इकाईयां नांरगी श्रेणी और 403 औद्योगिक इकाईयां हरी श्रेणी में वर्गीकृत हैं। उन्होंने इन इकाईयों का विवरण सदन के पटल पर रखा।

उन्होंने बताया कि श्रीगंगानगर जिले में लाल श्रेणी में वर्गीकृत औद्योगिक इकाईयों में निरीक्षण के दौरान पायी गयी कमियों के आधार पर कारण बताओं नोटिस जारी करने पर उद्योगों द्वारा विभिन्न प्रावधानों व पर्यावरण मानको की अनुपालना सुनिश्चित करने के संबंध में सुधारात्मक कार्यवाही करवाई गई है। उन्होंने जारी नोटिसों का विवरण सदन के पटल पर रखा।

शर्मा ने बताया कि सूरतगढ नगर पालिका क्षेत्र के ग्राम 37 पीएनबी, तहसील सूरतगढ, जिला श्रीगंगानगर में इकाई मैसर्स रिलायंस बायो एनर्जी लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित कम्प्रेस्ड बायो गैस प्लांट राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल द्वारा औद्योगिक इकाईयों के वर्गीकरण हेतु जारी आदेश 2 जून 2020 के अनुसार हरी श्रेणी में वर्गीकृत है। उक्त इकाई को राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल द्वारा 4 जून 2024 को स्थापना सम्मति जारी की गयी। उन्होंने इकाई को जारी स्थापना सम्मति की प्रति सदन के पटल पर रखी।

देवस्थान विभाग के अधीन मंदिरों के विकास एवं जीर्णोद्धार के लिए 161 करोड़ रुपये की बजट घोषणा

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि देवस्थान विभाग के अधीन मंदिरों के विकास एवं जीर्णोद्धार के लिए इस वर्ष के बजट में 161 करोड़ रुपये की घोषणा की गई है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र में देवस्थान विभाग के प्रबंधित एवं नियंत्रित बलदेव जी महाराज मंदिर, बृजनंदन मंदिर एवं शक्करगढ़ मंदिरों में जीर्णोद्धार एवं विकास के लिए कार्य करवाए जाएंगे।

देवस्थान मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि देवस्थान विभाग के अधीन कुल 593 मंदिर हैं, इनमें से 552 राज्य में हैं तथा 41 मंदिर अन्य राज्यों में अवस्थित हैं। उन्होंने बताया देवस्थान विभाग की व्यवस्थाओं के सुचारू क्रियान्वयन के लिए कि पूरे प्रदेश में 12 अतिरिक्त आयुक्त विभिन्न स्थानों पर कार्यरत हैं।

इससे पहले विधायक गोपी चन्द मीणा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में देवस्थान मंत्री ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र जहाजपुर में देवस्थान विभाग के प्रबंधित एवं नियंत्रित 5 राजकीय आत्मनिर्भर श्रेणी के मंदिर हैं। उन्होंने मंदिरों की सूची, विगत 5 वर्षों में उक्त मंदिरों का आय-व्यय का विवरण तथा मंदिरों के विकास हेतु व्यय का विवरण सदन के पटल पर रखा।

पर्यटकों को सुविधाएं मुहैया कराने के लिए जल्द मोबाइल एप होगा लांच-दीया कुमारी

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। पर्यटन मंत्री दीया कुमारी ने विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार द्वारा पर्यटकों को सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने के लिए जल्द ही एक मोबाइल एप लांच किया जाएगा। जिसमें पर्यटकों को नजदीकी पुलिस स्टेशन,अस्पताल, पर्यटन स्थान, यातायात साधन एवं अन्य आवश्यक जानकारी उपलब्ध हो सकेगी।

उन्होंने कहा कि पर्यटकों की सुविधा एवं उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए जंतर-मंतर, जलमहल, आमेर, हवामहल एवं अल्बर्ट हॉल पर पर्यटक सहायता बल बूथ स्थापित है। पर्यटक सहायता बल (टीएएफ) द्वारा समय-समय पर कार्यवाही कर पर्यटकों को उचित सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने जानकारी दी कि टीएएफ द्वारा वर्ष 2022 में 236, 2023 में 311 एवं 2024 में 541 शिकायतों पर

कार्यवाही की गई तथा गत वर्ष जयपुर में 170 लपकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। पर्यटकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा दिसम्बर 2024 में पर्यटक सहायता बल के कर्मचारियों की संख्या 139 से बढाकर 250 कर दी गई है। पर्यटन मंत्री प्रश्नकाल के दौरान इस संबंध में सदस्य द्वारा पूछे गये पूरक प्रश्नों का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के पर्यटन स्थलों का विकास एवं संरक्षण करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसी दिशा में राज्य सरकर द्वारा वर्ष 2024-25 में जयपुर के चारदीवारी शहर के विकास के लिए 100 करोड़ का बजट आवंटित किया गया।

उन्होंने बताया कि चौड़ा रास्ता में स्थित जीर्ण शीर्ण भवन का जीर्णोद्धार करवाकर 2015 में जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 5.5 करोड़ की लागत से बहुमंजिला भवन बनाया गया था। जिसके भूतल में पर्यटक सुविधा केंद्र बनाये जाने का निर्णय लिया गया था। जिसके तहत पर्यटक स्वागत एवं प्रतीक्षा कक्ष, एटीएम, फॉरेन करेंसी एक्सचेंज, साइबर कैफ़े, टूरिस्ट ब्यूरो ऑफिस एवं जन सुविधाओं का प्रावधान था। उन्होंने बताया कि इसके प्रयोग पर निरंतर विचार विमर्श चल रहा है एवं शीघ्र ही इस केंद्र को चालू करने का निर्णय लिया जाएगा।

खाद्य सुरक्षा से प्रदेश का कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित नहीं रहेगा

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा है कि कोई भी पात्र व्यक्ति खाद्य सुरक्षा योजना से वंचित नहीं रहे। गोदारा ने बताया कि 26 जनवरी को खाद्य सुरक्षा पोर्टल खुलने के बाद निरंतर नए नाम जोड़ने की प्रक्रिया जारी है। अब तक 8 लाख 91 हजार 408 नए नाम जोड़े जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा अधिक से अधिक लोगों को लाभ देने के लिए ईकेवाईसी करवाने की अंतिम तिथि भी बढ़ाकर 31 मार्च कर दी गई है।

उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा पोर्टल में अजमेर जिले से 29 हजार 695 नए नाम जोड़े गए हैं। इसमें अजमेर शहर के 2 हजार 644 नाम हैं। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले साल खाद्य सुरक्षा योजना में कुल 12 लाख 95 हजार नए नाम जोड़े गए थे। इस प्रकार वर्तमान सरकार द्वारा खाद्य सुरक्षा में कुल 21 लाख 87 हजार नाम जोड़े जा चुके हैं।

पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से ग्रीन शुल्क की अनिवार्यता - उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा

जयपुर @ जागरूक जनता। उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने मंगलवार को विधान सभा में कहा कि राज्य सरकार द्वारा वाहनों पर ग्रीन शुल्क पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से लिया जाता है। यह शुल्क राज्य के सभी पंजीकृत वाहनों पर लागू है। उन्होंने बताया कि इस शुल्क का भार किसान वर्ग पर अत्यंत कम है। उपमुख्यमंत्री ने शून्य काल के दौरान सदन के सदस्य केसाराम चौधरी द्वारा ध्यान आकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से उठाए गए प्रश्न पर जवाब दिया। उन्होंने पुराने ट्रैक्टर पर टैक्स कम करने एवं प्रतिमाह पेनल्टी माफ करने के संबंध में कहा कि यह पेनल्टी वाहनों का समय पर पंजीकरण कराने के लिए लगाई जाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार द्वारा पेनल्टी व टैक्स कम करने के निर्देश केंद्र सरकार द्वारा जारी अग्रिम आदेशों की अनुपालना में ही किए जा सकेंगे।

'राजीविका रंगोत्सव 2025' ग्रामीण महिला उद्यमशीलता का उत्सव

ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में राजीविका का अहम योगदान-पंत

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। शासन सचिवालय में मुख्य सचिव सुधांश पंत द्वारा राजीविका रंगोत्सव - 2025 का शुभारंभ किया गया। यह आयोजन शासन सचिवालय में 4 मार्च से 7 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें राजीविका से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के उद्यमशीलता की सफलता को प्रदर्शित किया जायेगा।

महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन

मुख्य सचिव ने शर्बत स्टॉल, बगरू प्रिन्ट दुप्पट्टा, कशीदाकारी बैग, बाजरा कुकीज आदि स्टॉलो से खरीददारी कर महिला उद्यमियों का उत्साह बढ़ाया। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से बातचीत की और आत्मनिर्भरता की दिशा में उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने राजसमंद व जोधपुर जिलों में शर्बत व बाजरा आधारित उत्पादों की बिक्री की सराहना की।

ग्रामीण उद्यमियों के लिए एक मंच

राजीविका रंगोत्सव में राज सखियों और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किये गये असाधारण कार्यो को प्रदर्शित करना है, जिन्होंने सफल उद्यमियों के रूप में अपनी पहचान बनाई है। इस आयोजन में हस्त निर्मित एवं जैविक उत्पाद सीताफल, नीम और गेंदा जैसे जैविक तत्वों से निर्मित हर्बल गुलाल, हिमाल्यन मल्टी फ्लोरा, जामुनहनी, वाईल्ड फोरेस्ट सरसों हनी से निर्मित फ्लेवर्ड हनी, हस्त निर्मित साबुन, पर्सनल केयर उत्पाद, पारम्परिक स्नेक्स, चमड़े के उत्पाद, हस्त निर्मित वस्त्र और पारम्परिक परिधान, सस्टेनेबल व लकड़ी के हस्तशिल्प और आभूषण बॉक्स, ब्लू पोटरी, पेन्टिंग्स और पारम्परिक पेय पदार्थ शामिल है।

राजीविका रंगोत्सव केवल एक प्रदर्शनी ही नही, बल्कि महिला सशक्तिकरण का एक आंदोलन है। यह आयोजन ग्रामीण महिलाओं को बड़ा बाजार उपलब्ध कराने, उनके आर्थिक स्थिरता बढ़ाने और अधिक से अधिक महिलाओं को सफल उद्यमी बनाने के लिए प्रेरित करने का कार्य करेगा। चार दिवसीय यह आयोजन रंगो से भरी सफलता की उम्मीद लेकर आया है, जहां राजस्थान की स्वयं सहायता समूह की महिलाऐं अपनी रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता से अपने भविष्य को नया आकार दे रही है। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास श्रेया गुहा, संयुक्त सचिव कार्मिक विभाग कनिष्क कटारा, राज्य मिशन निदेशक राजीविका सलोनी खेमका, परियोजना निदेशक राजीविका अजय कुमार आर्य, ग्रामीण विकास विभाग एवं राजीविका के अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क निर्माण के लिए परीक्षण कर निर्णय लिया जाएगा- उप मुख्यमंत्री, दीया कुमारी

जयपुर @ जागरूक जनता। उप मुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण मंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को विधानसभा में आश्वस्त किया कि आहोर विधानसभा क्षेत्र में भवरानी से रोजियों की ढाणी तक सड़क निर्माण के लिए परीक्षण उपरान्त उचित निर्णय लिया जाएगा। उप मुख्यमंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रही थीं। इससे पहले विधायक श्री छगन सिंह राजपुरोहित के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट घोषणा वर्ष 2024-25 में हरजी-पचानवा नदी पर पुल, पादरली-तखतगढ़ पुल, कवराड़ा नदी पर पुल के लिए राशि रुपये 19.00 करोड़ की घोषणा 10 जुलाई 2024 को की गई।

बजट घोषणाओं से कृषि क्षेत्र में होंगे नवाचार, मजबूत होगा कृषक

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में बजट 2025-26 कृषि क्षेत्र में उत्पादन एवं आय में वृद्धि और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने में उपयोगी सिद्ध होगा। बजट घोषणाओं द्वारा कृषि क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी को बढ़ावा मिलेगा।

आपणो अग्रणी राजस्थान के संकल्प को साकार करने वाला बजट

राज्य में कृषि एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जो राज्य की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाता है। यहां की अधिकांश जनसंख्या कृषि कार्यों द्वारा ही अपनी आजीविका चलाती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। राज्य सरकार द्वारा कृषकों को राहत देने व उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की गई है। कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई है। 900 करोड़ रूपये का अनुदान देकर 25 हजार फार्म पौण्ड, 10 हजार डिग्गी, 50 हजार सौर पम्प संयंत्र तथा 20 हजार किमी सिंचाई पाइपलाइन द्वारा 4 लाख से अधिक किसानों को लाभान्वित किया जायेगा। 1 लाख हैक्टेयर क्षेत्र से अधिक में माइक्रोइरिगेशन तथा 3 लाख 50 हजार हैक्टेयर में ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिस्टम लगाने के लिए 1 हजार 250 करोड़ रूपये का अनुदान दिया जाएगा। 324 करोड़ रूपये का व्यय कर 75 हजार किसानों को 30 हजार किमी लम्बाई में तारबन्दी पर अनुदान दिया जायेगा। राजस्थान कृषि विकास योजना अन्तर्गत 1 हजार 350 करोड़ रूपये से कृषि में नई तकनीकों कृषि आदान, जैविक खेती एवं क्षमता विकास के कार्य करवाए जायेंगे।

ग्राम पंचायत चवा में पेयजल का भयंकर संकट

यहां पर घी सस्ता, पानी महंगा

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

रावतसर। यहां हफ्ते में या 15 दिन में एक बार सप्लाई आती है.... तो पानी के लिए ट्रैक्टरों की बहुत लंबी-लंबी कतारे लग जाती है, पानी की सप्लाई बहुत कम समय तक ही चल पाती है, जिससे पानी की समस्या का समाधान नहीं हो पाता है। बाड़मेर जिला मुख्यालय से मात्र 30 किलोमीटर दूर चवा गांव पड़ता है जो आसपास के लगभग 10 पंचायत का केंद्र बिंदु(हृदय स्थल) है। यहां पर इस गांव में सारी सुविधाएं हैं सड़क है, शिक्षा हैं, बिजली हैं, बैंकिंग हैं वह चिकित्सा सुविधा हैं लेकिन पानी की सुविधा नहीं है।

आजादी के अनेक वर्ष बीत जाने के बाद भी यहां के लोगों को पानी के लिए दर दर की ठोकरे खानी पड़ रही है, बहुत महंगे दामों में पानी डलवाना पड़ रहा हैं। यहां जमीन का जल स्तर बहुत गहरा है गहरा होने के बावजूद भी यहां जमीन का पानी बहुत खारा है,जो पीने योग्य नहीं है

इस क्षेत्र में ना कोई ट्यूबवेल है ना कोई तालाब ना ही जल के बेड़े स्रोत है। इस बेल्ट में नहर का पानी नहीं आ पाया, ना ही दूर से पाइपलाइन के जरिए पानी आ पाया। लंबे अरसे से यहां पर पानी का गहरा संकट है, जो आज भी वैसा ही है।

कोई स्थाई समाधान हुआ नहीं

इस समस्या की तरफ जन प्रतिनिधियों को ध्यान देना चाहिए यह बहुत बड़ी तथा बहुत गंभीर समस्या है। पानी के बिना जीवन जीने की कल्पना नहीं की जा सकती,यहां के ग्रामीणों का कहना है कि हमने हमारे यहां के लोकल जनप्रतिनिधियों तथा विधायकों को भी अवगत करवाया।

अधिकारियों को कई बार अवगत कराया, समस्या जस की तस

अब इस समय एक तरफ केंद्र सरकार घर-घर नल कलेक्शन की योजना चला रही है लेकिन नल तो प्रत्येक घर लगा देगी लेकिन पानी कहां से आयेगा, यह सोचने का विषय है। वर्तमान समय में इस क्षेत्र में पानी की गंभीर समस्या है यहां के ग्रामीणजन प्रति ट्रैक्टर तकरीबन एक हजार से 1500 रुपए देकर पानी डलवाते हैं। इस समय यहां हालात ऐसे हैं कि दूध, घी पैसों से खरीदना आसान है लेकिन पानी खरीदना बहुत कठिन है। यहां के ग्रामीणजनों का कहना है कि हमारी पानी की गंभीर समस्या पर पर आज तक किसी ने कोई ध्यान नहीं दिया....दिया तो केवल सूखा लुभावना आश्वासन नहीं दिया।

लोकसभा, विधानसभा वह पंचायती राज के चुनाव में नेता लोग बड़े-बड़े वादे करते हैं कि हम जीतेंगे तो पानी की समस्या का समाधान कर देंगे,लेकिन आज तक पानी का कोई समाधान नहीं हुआ है यहां इस क्षेत्र में पानी की हालत बहुत गंभीर है। **खेमाराम पोटलिया,** सामाजिक कार्यकर्ता आदर्श चवा

सम्पादकीय

लोकतांत्रिक बाजार अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा एफटीए

तेजी से बदल रहे भू-राजनीतिक समीकरण के दौर में भारत और यूरोप के बीच बढ़ रही करीबी दोनों के हित में है। अभी भारत यूरोपीय संघ व ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को आगे बढ़ा रहा है। हाल में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने दो दिन की भारत यात्रा पर आईं। उनकी यात्रा पीएम नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा, अमेरिका के रेसिप्रोकल टैक्स के ऐलान के बाद और अमेरिका व यूक्रेन में बढ़ रही दूरी के बीच हुई है। यूरोप इस वक्त अमेरिका के बदल रहे रवैये को करीब से देख रहा है। यूं तो ईयू और ब्रिटेन के बीच एफटीए पर बातचीत बहुत पहले से हो रही है, लेकिन बदलते अमेरिकी जेस्चर के बाद इसमें प्रगति आई है। यूरोपीय संघ भारत को अधिक महत्व दे रहा है। इस वक्त दुनिया में कोई भी देश भारत के बाजार की अनदेखी नहीं कर सकता है। भारत-यूरोपीय संघ ने आपसी रणनीतिक साझेदारी को अधिक मजबूत करने और भारत-मध्य पूर्व-यूरोप कॉरिडोर जैसी अत्यधिक महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी परियोजनाओं पर व्यापक चर्चा की है। यूरोपीय संघ प्रमुख ने कहा कि जब हम यूरोपीय संघ-भारत रणनीतिक साझेदारी के तीसरे दशक में प्रवेश कर रहे हैं, तो एक बात स्पष्ट है, साथ मिलकर हम भविष्य को आकार दे सकते हैं और इस सदी की निर्णायक साझेदारियों में से एक बन सकते हैं। यूरोप के साथ चीन के अच्छे संबंध हैं, पर चीन भरोसेमंद नहीं है। चीन विनिर्माण क्षेत्र में एकाधिकार बढ़ा रहा है, यूरोप इससे सतर्क है। यूरोप भारत के साथ साझेदारी बढ़ा रहा है। रूस व यूक्रेन युद्ध के दौरान यूरोप के लिए भारत प्रमुख ऊर्जा व अनाज आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा है। अनेक यूरोपीय देशों की अर्थव्यवस्था में ग्रोथ फैक्टर भारतीय प्रतिभा व श्रम हैं। चीन बहुत ही सोच-विचार कर विनिर्माण क्षेत्र में एकाधिकार बढ़ा रहा है और वैश्विक अनिश्चितता का यह भी एक कारण है। यूरोप, ब्रिटेन समेत अन्य देशों के साथ भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से लोकतांत्रिक बाजार अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। आज दुनिया में अनिश्चितता बढ़ गयी है। अमेरिका में रेसिप्रोकल शुल्क दरों की घोषणा के साथ चीन के कदम से भी अनिश्चितता बढ़ रही है। निजी निवेश वैश्विक स्तर पर जारी उथल-पुथल से जुड़ा है। लोग यह भूल गये हैं कि चीन में क्षमता बढ़ती जा रही है। बाजार अर्थव्यवस्था में जब क्षमता उपयोग कम होता है तो निवेश घटता है। यह फ्रांस, ब्रिटेन में देखा जा सकता है, लेकिन चीन में निवेश जारी है। इसका क्या मतलब है? वहां मांग उतनी ही है लेकिन निवेश बढ़ रहा है और क्षमता भी बढ़ रही है। चीन यह सयास कर रहा है। इसीलिए भारत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को आकर्षित करने समेत अन्य उपाय कर रहा है, एफटीए की दिशा में बढ़ रहा है। अमेरिका के साथ भी ट्रेड समझौते पर सहमति बनी है। हाल में अमेरिका ने जिस प्रकार से टैरिफ को लेकर आक्रामक रुख अपनाया है, उसके बाद से भारत समेत सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को अपने लिए नई राह खोजने की ओर अग्रसर भी होना पड़ा है। आज वैश्विक अर्थवयवस्था गुंथी हुई है, इसमें किसी का एकाधिकार दूसरे को नुकसान पहुंचा सकता है। भारत खुद को विनिर्माण क्षेत्र में मजबूत कर रहा है, लेकिन इसके लिए नई पूंजी की भी आवश्यकता है। हाल के दशक में यूरोप सुस्ती के दौर से गुजर रहा है, वह भारत जैसी गतिशील अर्थव्यवस्था के साथ जुड़कर अपनी आर्थिकी को रफ्तार दे सकता है। भारत के लिए भी तकनीक व निवेश हासिल करने में मदद मिलेगी। इसलिए एफटीए इंडो-यूरोप दोनों के लिए फायदेमंद होगा।

रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स की हालिया रिपोर्ट 2024 में पत्रकारों और पत्रकारिता की गंभीर स्थिति दर्शाती है। इस साल मीडियाकर्मियों के खिलाफ हिंसा बढ़ी है, खासकर संघर्ष वाले क्षेत्रों में। इस वर्ष मारे गए आधे से अधिक पत्रकारों की जान संघर्ष वाले क्षेत्रों में गई।

कलम की आजादी पर मंडराते खतरे

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

मीडिया पर मंडराते खतरों पर काबू नहीं किया गया, तो यह समाज में सूचना की स्वतंत्रता और लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। स्वतंत्र और निष्पक्ष मीडिया को बचाने के लिए यह आवश्यक है कि नागरिक, सरकारें और अंतरराष्ट्रीय संगठन मिलकर काम करें।

हाल के वर्षों में, विशेष रूप से 2024 में, पत्रकारों और मीडिया संस्थानों पर हमलों की घटनाएं चिंताजनक रूप से बढ़ी हैं। यह न केवल प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला है, बल्कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए भी एक गंभीर चुनौती है। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स की हालिया रिपोर्ट 2024 में पत्रकारों और पत्रकारिता की गंभीर स्थिति को दर्शाया गया है। रिपोर्ट खुलासा करती है कि इस साल मीडियाकर्मियों के खिलाफ हिंसा बढ़ी है, खासकर संघर्ष वाले क्षेत्रों में। इस वर्ष मारे गए आधे से अधिक पत्रकारों की जान संघर्ष वाले क्षेत्रों में गई। गाजा पट्टी पत्रकारों के लिए विश्व स्तर पर सबसे घातक क्षेत्र के रूप में उभरा है।

रिपोर्ट के अनुसार साल 2024 में 18 देशों में 124 पत्रकार मारे गए, जिनमें से 31 मौतें गाजा, इराक, सूडान, म्यांमार और यूक्रेन जैसे युद्ध संघर्ष क्षेत्रों में हुईं। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के आंकड़ों से पता चलता है कि इनमें से लगभग 30 फीसदी मौतें गाजा में हुईं, जहां कम से कम 35 पत्रकार अपने काम के सिलसिले में मारे गए।

अक्टूबर 2023 से इस क्षेत्र में 145 से अधिक पत्रकारों की मौत हुई और इनमें इजरायली सेना भी शामिल है। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने इन हत्याओं को संबोधित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय में चार युद्ध अपराध शिकायतें दर्ज की हैं।

स्पष्ट है कि साल 2024 पत्रकारों के लिए अत्यंत घातक सिद्ध हुआ है, जहां वैश्विक स्तर पर कम से कम 124 मीडिया कर्मियों की हत्या हुई। यह आंकड़ा पिछले तीन दशकों में सबसे अधिक है, जब से रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने इन घटनाओं का दस्तावेजीकरण शुरू किया है।

हत्या के अलावा, पत्रकारों की गिरफ्तारी और लापता होने की घटनाएँ भी बढ़ी हैं। वर्तमान में, वैश्विक स्तर पर 550 से अधिक पत्रकार जेल में हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7 प्रतिशत अधिक है। इनमें से अधिकांश चीन, म्यांमार, इज़राइल और बेलारूस में कैद हैं। इसके अलावा, 55 पत्रकारों को बंधक बनाया गया है और 95 लापता हैं, जिनमें से कई सीरिया, यमन और माली जैसे संघर्षग्रस्त क्षेत्रों से हैं। पत्रकारों की गिरफ्तारी और लापता होने से संबंधित मामलों में बढ़ोतरी का कारण रूस और इज़रायल में अधिक पत्रकारों को हिरासत में लिया जाना है, जो गाजा हमले की शुरुआत के बाद से पत्रकारों की तीसरी सबसे बड़ी जेल बन गया है।

दुनिया भर में कैद पत्रकारों में से लगभग आधे चार देशों- चीन (124 पत्रकार), म्यांमार (61), इज़रायल (41) और बेलारूस (40) में हैं। इस वर्ष की रिपोर्ट में बंधक बनाए गए 55 पत्रकारों और 95 पत्रकारों के लापता होने की दुर्दशा पर भी प्रकाश डाला गया है। सीरिया बंधक स्थितियों का केंद्र बना हुआ है, जिसमें 70 प्रतिशत मामले इस्लामिक स्टेट द्वारा अपहरण से जुड़े हैं। यमन में 2024 में दो नए अपहरण हुए, जबकि माली में पिछले साल इसी तरह के मामले दर्ज किए गए थे। लापता पत्रकारों में से 45 प्रतिशत जबरन गायब किए जाने के शिकार हैं। इन मामलों में मेक्सिको, सीरिया और फिलिस्तीन जैसे देश प्रमुखता से शामिल हैं। आरएसएफ ने राष्ट्रों से इस बढ़ती चिंता को दूर करने के लिए जबरन गायब होने से सभी व्यक्तियों की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन की पुष्टि करने का आग्रह किया है।

मीडिया पर हमले केवल शारीरिक नहीं होते, बल्कि डिजिटल सेंसरशिप और साइबर हमलों के रूप में भी देखे जा रहे हैं। कई देशों में पत्रकारों के सोशल मीडिया अकाउंट निलंबित किए गए या उन पर प्रतिबंध लगाए गए। स्वतंत्र समाचार वेबसाइटों पर साइबर हमले बढ़े हैं, ताकि उनकी रिपोर्टिंग बाधित हो सके। इसके अलावा, कई पत्रकारों की ऑनलाइन गतिविधियों की जासूसी की गई, जिससे उनकी सुरक्षा को खतरा पैदा हुआ।

कई देशों में सरकारों ने पत्रकारों के खिलाफ देशद्रोह, मानहानि और साइबर अपराध जैसे झूठे मामलों में मुकदमे दर्ज किए। विज्ञापन रोककर या लाइसेंस रद्द करने की धमकी देकर सरकारें स्वतंत्र मीडिया संस्थानों को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही हैं। कई देशों में संवेदनशील मुद्दों पर रिपोर्टिंग करने पर प्रतिबंध लगाए गए।

भारत में भी पत्रकारों के खिलाफ हिंसा के मामले सामने आए हैं। कई पत्रकारों को धमकाया गया, उन पर हमले किए गए और कुछ को फर्जी मुकदमों में फंसाया गया। ग्रामीण इलाकों में काम कर रहे पत्रकारों को सबसे अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जहां वे स्थानीय प्रशासन और माफियाओं के खिलाफ रिपोर्टिंग करते हैं।

पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कुछ राज्यों ने विशेष कानून बनाए हैं। इनमें महाराष्ट्र पत्रकार सुरक्षा अधिनियम, 2017 प्रमुख है। इस कानून के तहत पत्रकारों पर हमले गैर-जमानती अपराध माने जाते हैं। दोषियों को तीन साल तक की सजा और 50 हजार रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। छत्तीसगढ़ पत्रकार सुरक्षा कानून, 2023 भी पत्रकारों और मीडिया संस्थानों को सुरक्षा प्रदान करने वाला नया कानून है। इसमें सरकारी अधिकारियों द्वारा पत्रकारों पर की गई प्रताड़ना के खिलाफ भी सुरक्षा दी गई है। राजस्थान का प्रस्तावित पत्रकार सुरक्षा कानून भी चर्चा में है। राजस्थान सरकार ने पत्रकारों की सुरक्षा के लिए एक विशेष कानून का प्रस्ताव रखा है, लेकिन यह अभी तक लागू नहीं हुआ है।

देश में मीडिया और पत्रकारों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कानून तो मौजूद हैं, लेकिन उनके क्रियान्वयन में कई खामियाँ हैं। इसके लिए कुछ प्रभावी कदम तत्काल उठाने की जरूरत है-

» राष्ट्रीय स्तर पर पत्रकार सुरक्षा कानून लागू किया जाए।
» पत्रकारों पर हुए हमलों की तुरंत जाँच हो और दोषियों को सख्त सजा मिले।
» पत्रकारों को डिजिटल और साइबर हमलों से बचाने के लिए सख्त साइबर सुरक्षा नियम बनाए जाएँ।
» स्वतंत्र मीडिया को सरकार और कॉर्पोरेट दबाव से बचाने के लिए मजबूत नियामक निकाय स्थापित किए जाएँ।

यदि इन कदमों को प्रभावी रूप से लागू किया जाए, तो भारत में पत्रकारों की सुरक्षा और प्रेस की स्वतंत्रता को सुनिश्चित किया जा सकता है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

पांचो तत्वों को मिला है देवता का दर्जा

संकलित
दर्शन

प्रदूषण की विनाशलीला को देखते हुए भारतीय ऋषियों ने कदम-कदम पर मानव को सजग किया है। चूंकि मनुष्य पंचमहाभूतों का समन्वय रूप है इसलिए सबसे पहले आध्यात्मिक महापुरुषों ने इसे जन्म से लेकर मृत्यु तक के अलग-अलग संस्कारों के साथ जोड़ दिया, ताकि मां के गर्भ में आने से लेकर सौ वर्ष तक वह अदैन्य भाव में जी सके। सबसे पहले भारतीय ऋषियों ने वसुधैव कुटुंबकम् की जो परिकल्पना की, उसमें नख से लेकर शिख तक पूरा शरीर एक वसुधा (धरती) के समान है। शरीर के किसी भी हिस्से में तकलीफ है तो यह शरीर रूपी विश्व को प्रभावित करेगी। इसके अलावा मनुष्य के जीने के जितने भी स्नेत हैं, वे सभी कुटुंब के सदस्यों की तरह हैं। जिसे 'क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा, पंच रचित यह अधम शरीरा' से समझा जा सकता है। शरीर का आंतरिक हिस्सा चूंकि अधम है इसलिए वाह्य प्रकृति से उत्तमोत्तम पदार्थ ग्रहण कर उसके स्वरूप को और अधिक विकृत होने से बचाया जाना नितांत जरूरी है। इसीलिए पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश सबको देवता का दर्जा दिया गया। द्वापर युग के महानायक भगवान श्रीकृष्ण का पूरा जीवन ही प्रदूषण के खिलाफ संघर्ष और जन जागरण का है। उम्र की परवाह न कर वह यमुना के प्रदूषित तत्व कालिया नाग का वध, प्रदूषित अग्नि लगाने वाले प्रलंबासुर का वध, अंतरिक्ष को शुद्ध करने के लिए व्योमासुर का वध, धरती की शुद्धता के लिए गो पालन करते हैं। त्रेता युग में रावण ने भी खर और दूषण नामक पर्यावरण-शत्रु तैनात किया था।

गरीब विद्वान व राजा भोज, बने भाई-भाई

संकलित
प्रेरणा

कई वर्ष पहले धार में राजा भोज का शासन था। उस राज्य में एक गरीब विद्वान रहता था। आर्थिक तंगी से घबराकर एक दिन विद्वान की पत्नी ने उससे कहा-आप राजा भोज के पास क्यों नहीं जाते? वह विद्वानों का बड़ा आदर करते हैं। हो सकता है आपकी विद्वता से प्रभावित होकर वह आपको ढेर सारा धन दे दें। विद्वान राजा के दरबार में पहुंचा। पहरेदार ने पूछाः आप कौन हैं? कहां जाना है? विद्वान ने कहाः जाओ राजा से कहो कि उनका भाई आया है। पहरेदार ने जब भोज को यह बात बताई तो.. वह सोचने लगेः मेरा तो कोई भाई नहीं है फिर कौन हो सकता है। कहीं कोई धूर्त तो नहीं। उनकी उत्सुकता जागी। उन्होंने विद्वान को बुलवा लिया। 'कैसे हुए भाई-भाई' भोज ने विद्वान से पूछाः क्या तुम मेरे भाई हो? किस नाते से? विद्वान ने कहाः मैं आपका मौसेरा भाई हूं। आपकी मौसी का लड़का। भोज ने पूछाः कैसे? मेरी तो कोई मौसी नहीं है। विद्वान बोलाः महाराज। आप संपत्ति माता के पुत्र हैं और मैं विपत्ति माता का पुत्र। संपत्ति और विपत्ति बहनें हैं। इस नाते मैं आपका मौसेरा भाई हुआ न। यह सुनकर भोज बेहद प्रसन्न हुए। उन्होंने ढेर सारी स्वर्ण मुद्राएं विद्वान को दीं। फिर भोज ने पूछाः मेरी मौसी तो कुशल हैं न? इस पर विद्वान ने जवाब दियाः राजन्, जब तक आपकी मौसी जीवित थीं, आपके दर्शन नहीं हुए थे। अब आपके दर्शन हुए तो आपकी मौसी स्वर्ग सिधार गईं। इस उत्तर से भोज को और भी प्रसन्नता हुई। उन्होंने विद्वान को गले से लगा लिया।

जागरूक विचार

रेणु : हिन्दी में आंचलिक उपन्यासों के जनक

हिन्दी के अप्रतिम कथाकार फणीश्वरनाथ 'रेणु' को आज की तारीख में खास तौर पर इसके लिए याद किया जाता है कि उन्होंने 1954 में 'मैला आंचल' के रूप में हिन्दी को उसका पहला आंचलिक उपन्यास दिया और आंचलिकता को उसकी मुख्यधारा बनाया। लेकिन उनके द्वारा इससे पहले देश के स्वतंत्रता संग्राम और 1950-51 की नेपाल की क्रांति में स्वतंत्रता सेनानी व क्रांतिकारी के रूप में दिया गया योगदान भी भुलाने लायक नहीं ही है। यह भी कि यावत्जीवन दमन-शोषण व उत्पीड़न के विरुद्ध लड़ते-लड़ते वे सोशलिस्ट पार्टी में सक्रिय होकर उसकी चुनावी राजनीति से होकर भी गुजरे। 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश पर इमर्जेंसी थोपी तो उसके विरोध में उन्होंने अपनी 'पद्मश्री' को 'पापश्री' कहकर वापस लौटा दिया था।

बंगाल में रहकर धान की खेती करने वाली धानुक जाति के किसान शिलानाथ मंडल (जिनके पुरखे भारत-नेपाल सीमा पर स्थित बिहार के अररिया जिले के औराही हिंगना गांव में आ बसे थे) के घर 1921 में आज के ही दिन रेणु का जन्म हुआ तो उनका नाम फणींद्रनाथ रखा गया था और परिजनों द्वारा दुलार से उन्हें फनिंदर व फुनेसर भी कहा जाता था। लेकिन चूंकि उनके जन्म के वक्त उनका धनवैभवसम्पन्न परिवार ऐसे दुर्दिन में जा फंसा था कि उसे पहली बार ऋण (स्थानीय बोली में रिन) लेना पड़ गया था, इसलिए दादी उन्हें 'रेनुआ' कहती थीं, जो बदलते-बदलते पहले रेनू फिर रेणु हो गया। आगे चलकर वे फणीश्वरनाथ 'रेणु' नाम से कथाकार बने तो पूरे जीवन इस परिवेश से हासिल अनुभवों को ही अपने सृजन का आधार बनाते रहे। एक बार उन्होंने अपने गांव आये एक कथाकार को बताया था : धान की जितनी अच्छी फसल इस साल है, वैसी हो तो खेती करने में भी कविता करने का-सा आनंद आता है।...मेरे विचार से तो अभी एक बीघा खेत में खेती कर लेना पांच लेख और पांच कहानियाँ लिखने से ज्यादा फायदेमंद और एक एकड़ खेत में धान उपजाना, उपन्यास लिखने जैसे ही आनंद का वायस है। हिंदी में न तब कोई ऐसा साहित्यकार था, न आज है, जो खेती-किसानी से अपने जुड़ाव के बूते ऐसी बात कह सकता हो। स्वाभाविक ही, उनका कथा साहित्य पाठकों को उनके अंचल के किसान जीवन के रागों व रंगों से ही नहीं, खटटी-मीठी सच्चाइयों से भी जोड़ता है। इसीलिए आलोचक कहते हैं कि उनके साहित्यकार की रग-रग में किसानी का रंग समाया था। जैसे जीवट से किसान अपनी फसलों की दुनिया रचता है, वैसे ही वे साहित्य की दुनिया रचा करते थे। वे पटना में रहते रहे हों, दिल्ली अथवा मुंबई में, ग्रामीण जीवन के प्रति बेकली और उसकी स्मृतियों से कभी मुक्त नहीं हो पाये। उन्होंने लिखा भी हैः मैं हर दूसरे या तीसरे महीने शहर से भागकर अपने गांव जाता हूं, जहां घुटने से ऊपर धोती या तहमद उठाकर, फटी गंजी पहने, गांव की गलियों में, खेतों-मैदानों में घूमता रहता हूं। मुखौटा उतारकर ताजा हवा अपने रोगग्रस्त फेफड़ों में भरता हूं। सूरज की आंच में अंग-प्रत्यंग को सेंकता हूं।... झमाझम बरखा में दौड़-दौड़कर नहाता हूं। कमर भर कीचड़ में घुसकर पुरइन (कमल) और कोका (कोकनद) के फूल लोढ़ता हूं। उनके गंवईं व्यक्तित्व में ऐसी आत्मीयता थी कि वे अपरिचित को परिचित और परिचित को अपना बना लेते और छोटे-बडे.का भेद मिटा देते थे। इसीलिए उनको तीन पीढ़ियों को जोड़ने वाला सेतु कहा जाता है। वे ऐसे ऐक्टिविस्ट कथाकार थे, जिसे शिल्प की नवीनता, संवेदनात्मक विस्तार और विवेकपरकता से समझौता किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं था। उन्होंने लोकप्रियता के शिखर भले ही कथाकार के रूप में छुए, साहित्य की दूसरी विधाओं को भी कुछ कम समृद्ध नहीं किया। अपने अनूठे रिपोर्ताजों के जरिए पत्रकारिता की भी कुछ कम श्रीवृद्धि नहीं की। बिहार की राजनीति, समाज-संस्कृति आदि को लेकर पत्र पत्रिकाओं के लिए स्तंभ लेखन भी किया। जैसे उनका कथा साहित्य, वैसे ही कविताएं भी उनकी स्मृतियों का ही दस्तावेज हैं। इनमें 'मेरा मीत सनीचर' कविता में कभी उनका सहपाठी रहार सनीचर जीवन के तमाम उतार-चढ़ावों के बाद एक दिन अचानक ट्रेन मे उनसे मिलता है तो दावे के साथ हांक-सी लगाता हैः 'अरे, फनीसरा, अब क्यों तू हम सबको पहचानेगा?' सुविदित है कि बीमारी के कारण उन्हें लम्बे समय तक अस्पताल में रहने के दौरान ही उन्हें अपनी सेवा-सुश्रूषा में लगी नर्स लतिका देवी से प्यार हुआ, जो उनके तीसरे विवाह तक जा पहुंचा।

कहानी : इनाम

हरिओम गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

सात वर्षीय बेटी दूसरी कक्षा में प्रवेश पा गयी.....

क्लास में हमेशा से अव्वल आती रही है पिछले दिनों तनख्वाह मिली तो मैं उसे नयी स्कूल ड्रेस और जूते दिलवाने के लिए बाज़ार ले गया....

बेटी ने जूते लेने से ये कह कर मना कर दिया की पुराने जूतों को बस थोड़ी-सी मरम्मत की जरुरत है वो अभी इस साल काम दे सकते हैं.....

अपने जूतों की बजाए उसने मुझे अपने दादा की कमजोर हो चुकी नज़र के लिए नया चश्मा बनवाने को कहा...

मैंने सोचा बेटी अपने दादा से शायद बहुत प्यार करती है इसलिए अपने जूतों की बजाय उनके चश्मे को ज्यादा जरूरी समझ रही है....

खैर मैंने कुछ कहना जरूरी नहीं समझा और उसे लेकर ड्रेस की दुकान पर पहुंचा.....

दुकानदार ने बेटी के साइज़ की सफ़ेद शर्ट निकाली... डाल कर देखने पर शर्ट एक दम फिट थी फिर भी बेटी ने थोड़ी लम्बी शर्ट दिखाने को कहा....

मैंने बेटी से कहा....आराध्या बेटा.... ये शर्ट तुम्हें बिल्कुल सही है तो फिर और लम्बी क्यों ....

बेटी ने कहा .... पापा जी मुझे शर्ट स्कर्ट के अंदर ही डालनी होती है इसलिए थोड़ी लम्बी भी होगी तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा.....

लेकिन यही शर्ट मुझे अगली क्लास में भी काम आ जाएगी....पिछली वाली शर्ट भी अभी नयी जैसी ही पड़ी है लेकिन छोटी होने की वजह से मैं उसे पहन नहीं पा रही ...

मैं खामोश रहा....

घर आते वक्त मैंने बेटी से पूछा.... तुम्हे ये सब बातें कौन सिखाता है आराध्या....

आराध्या बोली....पापा जी मैं अक्सर देखती हूँ कि कभी माँ अपनी साडी छोड़कर तो कभी आप अपने जूतों को छोडकर हमेशा मेरी किताबों और कपड़ो पर पैसे खर्च कर दिया करते है

गली- मोहल्ले में सब लोग कहते हैं के आप बहुत ईमानदार आदमी हैं और हमारे साथ वाले दीपक के पापा को सब लोग चोर, कुत्ता, बे-ईमान, रिश्वतखोर और जाने क्या क्या कहते है जबकि आप दोनों एक ही ऑफिस में काम करते हैं......

जब सब लोग आपकी तारीफ़ करते हैं तो मुझे बड़ा अच्छा लगता है ..., मम्मी और दादा जी भी आपकी तारीफ करते है

पापा जी मैं चाहती हूँ कि मुझे कभी जीवन में नए कपडे, नए जूते मिले या ना मिले..... लेकिन कोई आपको चोर, बे-ईमान, रिश्वतखोर या कुत्ता न कहे.....

मैं आपकी ताक़त बनना चाहती हूँ पापा जी...आपकी कमजोरी नहीं

बेटी की बात सुनकर मैं निरुतर था

आज मुझे पहली बार मुझे मेरी ईमानदारी का इनाम मिला था....

आज बहुत दिनों बाद आँखों में खुशी, गर्व और सम्मान के आंसू थे....

दोस्तो .....दुनिया में सबसे बडा खूबसूरत इनाम अपने परिवारों अपने बच्चों की आँखों में स्वयं को एक हीरो की तरह देखना ....आपके बच्चे आपको अपना आदर्श मानते है आपको प्यार और सम्मान देते है मेरी नजर में इससे बडा इनाम आपकी मेहनत लग्न का नहीं हो सकता ......अपने अपनो के लिए आदर्श बनिए ताकि वह भी गर्वित होकर कहे ....ये है मेरे मम्मी पापा...

"दोस्तो ष्मान और ष्सम्मान पैसो से नही ष्संस्कारो से मिलता है.."।

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

उ विश्वमूर्ति भगवान का विराट स्वरूप

भगवान की बनाई हुई यह पृथ्वी उनका चरण है। इसी पृथ्वी पर जरायुज, अण्डल, स्वेदज और उद्भिज ये चार प्रकार के प्राणी रहते हैं। यह परम शक्तिशाली जल उन्हीं का वीर्य है इसी से तीनों लोक और लोकपाल उत्पन्न होते बढ़ते और जीवित रहते हैं। चन्द्रमा उन प्रभु का मन है। यह चन्द्रदमा समस्त देवताओं का अन्न बल एवं आयु है। वही वृक्षों का सम्राट एवं प्रजा की वृद्धि करने वाला है। अग्नि प्रभु का मुख है। उसी से वेद के यज्ञ आदि कर्मकाण्ड सम्पन्न होते हैं। यह अग्नि ही शरीर के भीतर जठराग्नि रूप से रहकर अन्न, जल आदि धातुओं का पाचन करता रहता है। सूर्य उन प्रभु के नेत्र हैं। सूर्य से जीव देवयान मार्ग से ब्रह्मलोक को प्राप्त होता है। जो वेदोंकी साक्षात मूर्ति है। अमृतमय है और कालरूप होने से मृत्यु भी है। प्रभु के प्राण से ही चराचर का प्राण तथा उन्हें मानसिक शारीरिक और इन्द्रिय सम्बन्धी बल देने वाला वायु प्रकट हुआ है। जिनके कानों से दिशायें, हृदय से इन्द्रियगोलक और नाभि से बहु आकाश उत्पन्न हुआ है। जो पांचों प्राण (पान, अपान, उदान, समान और व्यान), दसों इन्द्रियां, मन, पाँचों वायु (नाग, कूर्म, कृकल, देवदत्त और धनंजय) एवं शरीर का आश्रय है। जिनके बल सेइन्द्र, प्रसन्नता से समस्त देवगण, क्रोध से शंकर, बुद्धि से ब्रह्मा, इन्द्रियों से वेद और ऋषि तथा लिंग से प्रजाति उत्पन्न हुये हैं। **क्रमशः**

करंट अफेयर

इमरान को जेल में काल कोठरी में रखा गया है

पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में काल कोठरी में अलग-थलग रखा गया है। खान की पार्टी ने यह दावा किया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के केंद्रीय सूचना सचिव शेख वकास अकरम ने यह दावा किया। उन्होंने दावा किया, 'इमरान खान को काल कोठरी में रखा गया है; उन्हें एकांत कारावास में रखा गया है। खान को दोषी ठहराए जाने से पहले ही विचाराधीन कैदी के रूप में काल कोठरी में रखा गया है।'

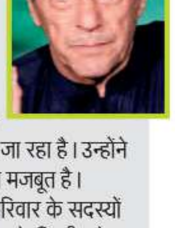

उन्होंने यह भी दावा किया कि जिस कोठरी में खान को रखा गया, वह आतंकवादियों के लिए है। अकरम ने कहा कि यह शर्मनाक है कि पूर्व प्रधानमंत्री के साथ इस तरह का व्यवहार केवल उनके मनोबल को तोड़ने की नीयत से किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि तमाम मुश्किलों के बावजूद खान का मनोबल मजबूत है। अकरम ने कहा कि खान को राजनीतिक सहयोगियों और परिवार के सदस्यों सहित आगंतुकों से मिलने की अनुमति नहीं दी गई जो कानून के विपरीत है। कानूनन उन्हें वकीलों और करीबी रिश्तेदारों से मिलने का अधिकार है। उन्होंने यह भी दावा किया कि छह लोगों को खान से मिलने की अनुमति देने वाले अदालत के फैसले के बावजूद, अधिकारियों ने मुलाकात की अनुमति नहीं दी।

ऑफ बीट

रंगीन चावल वास्तव में क्या स्वास्थ्यवर्धक है

चावल की 40,000 से अधिक विभिन्न किस्में हैं-जो इस मुख्य फसल की विविधता और अनुकूलनशीलता का प्रमाण है। चावल, अन्य अनाजों की तरह, एक घास के पौधे का खाने योग्य स्टार्चयुक्त दाना है।सफेद चावल की तुलना में, भूरा चावल एक साबुत अनाज है जिसमें केवल अखाद्य बाहरी छिलका हटा दिया जाता है। सफेद चावल बनाने के लिए अनाज का चोकर (बाहरी आवरण) हटा दिया जाता है। भूरे चावल में, चोकर और मगज़ (अनाज का मूल) बरकरार रहते हैं, जिससे इस प्रकार के चावल को इसका भूरा रंग और उच्च फाइबर सामग्री मिलती है। भूरे चावल में स्वाभाविक रूप से सफेद चावल की तुलना में अधिक पोषक तत्व होते हैं, जिसमें आहार फाइबर की दोगुनी मात्रा और फोलिक एसिड सहित काफी अधिक मैग्नीशियम, लौह, जस्ता और बी समूह विटामिन शामिल हैं। ब्राउन राइस में पॉलीफेनोल्स और फ्लेवोनोइड्स भी होते हैं, यह ऐसे एंटीऑक्सिडेंट हैं, जो शरीर को तनाव से बचाते हैं। इसे अक्सर लंबे अनाज के विकल्प के रूप में बेचा जाता है और इसमें काले और लाल चावल की किस्मों के समान पौष्टिक स्वाद होता है, हालांकि कुछ रसोइयों का सुझाव है कि इसकी बनावट थोड़ी अलग होती फैंसी काला चावल।

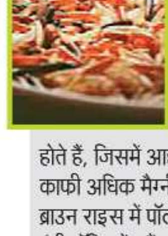

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

पंचांग

ज्योतिर्विद अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 05/03/2025

सूर्योदय : 06:50 **सूर्यास्त :** 18:26 **चन्द्रोदय :** 10:11 **चन्द्रास्त :** 24:30 **शक सम्वत :** 1946 क्रोधी**अमान्त महीना :** फाल्गुन **पूर्णिमांत :** फाल्गुन **सूर्य राशि :** कुम्भ **चन्द्र राशि :** मेष **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** षष्ठी, 12:54 तक **वार :** बुधवार **द्रिक ऋतु :** वसन्त **द्रिक-वैदिक अयन :** उत्तरायण

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : कृत्तिका, 25:10 तक
योग : वैधृति, 23:02 तक
प्रथम करण : तैतिल, 12:54 तक
द्वितिय करण : गारा, 23:52 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:03 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:28 ए एम से
विजय मुहूर्त	02:30 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:21 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:23 पी एम से
अमृत काल	10:53 पी एम से
निशिता मुहूर्त	12:8 ए एम, मार्च 6 से
सर्वार्थ सिद्धि योग	पूरे दिन
रवि योग	06:42 ए एम से

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
अग्निवास : पृथ्वी
कुंभ चक्र: दक्षिण

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 06:49 - 08:16	उद्वेग	: 18:25 - 19:58
अमृत	: 08:16 - 09:43	शुभ	: 19:58 - 21:31
काल काल वेला	: 09:43 - 11:10	अमृत	: 21:31 - 23:04
शुभ	: 11:10 - 12:37	चर	: 23:04 - 00:37
रोग वार वेला	: 12:37 - 14:04	रोग	: 00:37 - 02:10
उद्वेग	: 14:04 - 15:31	काल	: 02:10 - 03:42
चर	: 15:31 - 16:58	लाभ	: 03:42 - 05:15
लाभ	: 16:58 - 18:25	उद्वेग	: 05:15 - 06:48

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघड़िया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघड़िया माना जाता है।

आज षष्ठी

आज कौन सा कार्य करें

षष्ठी : यात्रा, पितृ कर्म, मंगल कार्य, संग्राम, शिल्प, वास्तु, भूषण के लिए शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

फाल्गुन, शुक्ल, षष्ठी, 2081 बुधवार, 05 मार्च - 11 मार्च, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
कार्यक्षेत्र में अच्छा समय बितायेंगे। आय में वृद्धि होने से काम में मन लगा रहेगा। घर में मौजमस्ती का वातावरण रहेगा। योजनाओं को शेयर न करें। शुभ समाचार मिल सकते हैं।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
अनचाहे खर्चों के कारण बजट गड़बड़ा सकता है। आपकी थोड़ी सी सावधानी बड़ी सफलता के मार्ग खोल सकती है। मन में कुछ अज्ञात भय सा रहेगा। अत्यधिक सोच-विचार से काम बिगड़ सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
योग्यता का बखूबी लाभ उठायेंगे। आपकी निष्ठा और कार्यक्षमता लोगों के लिये प्रेरणा बनेगी। छोटे व्यापारियों के लिये दिन काफी अच्छा है। सूझबूझ से मुश्किल डील आसानी से अर्जित कर लेंगे।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

यूईएम, जयपुर के एमबीए और बीबीए छात्रों ने किया औद्योगिक भ्रमण

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट जयपुर के छात्रों ने जयपुर रुग्स प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर का दौरा किया, जो 1978 में स्थापित एक प्रमुख हस्तनिर्मित और बुने हुए कालीनों के निर्माता है, और जो अपनी वैश्विक पहचान के लिए प्रसिद्ध है। यह कंपनी लक्जरी कालीनो के उत्पादन के लिए जानी जाती है, जो पारंपरिक शिल्प कौशल को आधुनिक तकनीकों के साथ मिलाती है, जिसे इसके उत्पाद विश्व स्तर पर अत्यधिक मांग में हैं। आपको बता दे कि यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट के लगभग 50 छात्रों को कंपनी के संचालन के बारे में जानकारी दी गई। जिसमें इन अनोखे कालीनों को हाथ से बनाने की जटिल प्रक्रिया शामिल थी। इसके बाद विद्यार्थियों को कम्पनी के मालिक नन्द किशोर चौधरी से मिलने का अवसर मिला, जिन्होंने कंपनी की यात्रा और वैश्विक बाजार में इसकी भूमिका के बारे में जानकारी साझा की।

जयपुर रुग्स ने लगभग 950 करोड़ का वैश्विक कारोबार हासिल किया है, जिससे विश्वस्तर पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। छात्रों को कंपनी की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला, जिसे उन्हें एक वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त उद्यम चलाने में शामिल संचालन की जटिलताओं की गहरी समझ मिली है। इस व्यावहारिक अनुभव ने अन्तराष्ट्रीय व्यापार के प्रंबन की चुनौतियों और रणनीतियों के बारे में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान की । सभी एम. बी.ए. और बी.बी.ए. छात्रों के साथ शैक्षणिक टीम में डॉ. राहुल शर्मा, डॉ मनीषा सिंह, डॉ. पवन शर्मा, प्रो स्वेता पारिक और प्रो. ऋषिता दास शामिल रहे।

बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज में SUPW जागृति कार्यक्रम आयोजित

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज में SUPW जागृति कार्यक्रम का उद्घाटन हर्षोल्लास के साथ किया गया। यह कार्यक्रम 3 से 5 तारीख तक आयोजित किया गया। पहले दिन कॉलेज के प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसी क्रम में, गवर्नमेंट स्कूल मुरलीपुरा B.Ed एवं महात्मा गांधी स्कूल में संस्था के निदेशक डॉ. संजय बियानी, संस्था की प्राचार्या डॉ. एकता पारीक, डॉ. सुनीता शर्मा और डॉ. शिप्रा गुप्ता के करकमलों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं ने शिक्षा का अधिकार, स्वच्छ भारत, नारी शक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संचारी एवं नुक्कड़ नाटकों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में, विद्यालयों के बच्चों को पेन और चॉकलेट वितरित किए गए।

कार्यक्रम ने सामाजिक जागरूकता फैलाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और शिक्षा के महत्व को भी रेखांकित किया।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग

गर्भधारण करने एवं गर्भ में शिशु के स्वस्थ एवं विकास के लिए श्रेयसी प्रजा इकाई शुरू

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। जोरावर सिंह गेट स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा गर्भधारण करने और गर्भ में पल रहे शिशु के स्वस्थ मानसिक एवं शारीरिक विकास के साथ अच्छे गुणों के साथ संपूर्ण विकास के लिये श्रेयसी प्रजा इकाई का शुभारंभ किया गया। इकाई का शुभारंभ राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने कहा आज हर व्यक्ति मानसिक एवं शारीरिक रूप से एक स्वस्थ संतान चाहता है। भागदौड़ भरी जिंदगी और बदलती जीवन शैली और अन्य स्वास्थ्य संबंधी कारणों से कई महिलाएं गर्भधारण नहीं कर पाती है या गर्भधारण के समय गर्भस्थ शिशु का मानसिक एवं शारीरिक विकास पूर्ण नहीं होता है, जिसके कारण उस बच्चे के लिए पूरा जीवन कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से निकलता है। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा जो महिलाएं स्वास्थ्य संबंधी कारणों से गर्भधारण नहीं कर पा रही है या गर्भिणी महिलाओं के गर्भस्थ शिशु के मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ जन्म लेने एवं उनके माता-पिता के अनुसार गुण विकसित करने के लिये गर्भ संस्कार करने के लिये श्रेयसी प्रजा इकाई का शुभारंभ किया गया है।

प्रोफेसर भारती कुमार मंगलम विभागाध्यक्ष प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग ने बताया श्रेयसी प्रजा इकाई का शुभारंभ किया गया है इस इकाई में गर्भधारण करने वाली और गर्भवती महिलाओं का आयुर्वेद, योग, मेडिटेशन के माध्यम से आयुर्वेद चिकित्सा की जाएगी। इस इकाई के अंतर्गत बीज संस्कार और गर्भ संस्कार को किया जाएगा। बीज संस्कार उन महिलाओं के लिए किया जाता है, जिन्होंने किसी कारण से गर्भधारण अभी तक नहीं किया है या किसी भी शारीरिक स्वास्थ्य कारणों से गर्भधारण नहीं कर पाई है उनके लिए आयुर्वेद चिकित्सा के अंतर्गत पंचकर्म चिकित्सा पद्धति को करने के साथ आहार-विहार, आयुर्वेदिक औषधि, योग, मेडिटेशन के माध्यम से चिकित्सा की जाती है।

कार्यक्रम में प्रोफेसर सुशीला शर्मा, प्रोफेसर सुनीता सुमन, प्रोफेसर अनुपम श्रीवास्तव, डॉ सुमन शर्मा, प्रोफेसर दुर्गावती, प्रोफेसर बी. पुष्पलता, प्रोफेसर निशा ओझा,डॉ हेतल दवे, डॉ सोनू, डॉ पूनम चौधरी, डॉ विशाल एवं प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आयुर्वेद वि वि में स्वास्थ्य संरक्षण एवं संवर्धन हेतु षट्कर्म योग शिविर आज से

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के मार्गदर्शन में महर्षि चरक के सिद्धांत "स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणम" को चरितार्थ करते हुए यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य संरक्षण एवं संवर्धन हेतु एक विशेष षट्कर्म योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर 5 से 11 मार्च तक आयोजित होगा, जिसमें विद्यार्थियों को जल नेति, सूत्र नेति, कुंजल क्रिया जैसे प्रभावशाली षट्कर्मों का शास्त्रीय विधि से अभ्यास कराया जाएगा। इसके अलावा, दंतधावन, जिव्हा निर्मलन, कंवल, गण्डूष जैसी दिनचर्या से संबंधित महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. चंद्रभान शर्मा ने बताया कि यह शिविर प्रतिदिन प्रातः 7 से 9 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें अभ्यास के साथ-साथ षट्कर्मों की सैद्धांतिक जानकारी, अभ्यास के दौरान बरती जाने वाली सावधानियाँ, तथा मन एवं शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों पर विस्तृत चर्चा होगी। इसके अतिरिक्त, प्राकृतिक आहार, अंकुरित आहार एवं फलाहार के मनोदैहिक प्रभावों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। यह शिविर छात्रों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा, जिससे वे न केवल अपने स्वास्थ्य का संरक्षण कर सकेंगे, बल्कि योग और प्राकृतिक चिकित्सा के गहरे प्रभावों को भी आत्मसात कर सकेंगे।

केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर

21 दिन विंटर स्कूल 'बेसिक बायोटेक्नोलॉजी टूल्स एंड तकनीकस' सम्पन्न

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

टोंक। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर के पशु आनुवंशीकी एवं प्रजनन विभाग मे चल रहे नेटवर्क प्रोजेक्ट ऑन जीनोम एडिटिंग टेक्नोलॉजी के अनुसूचित जाति उपयोजना मे 21 दिन की विंटर स्कूल में उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, राजस्थान, जम्मू एवं तमिलनाडु के दस एससी जाति के स्टूडेंट्स एवं सरकारी कर्मचारियों ने भाग लेकर विभिन्न लेक्चर्स एवं प्रैक्टिकल एक्सपोज़र से लाभान्वित हुई। 10 फरवरी से 3 मार्च, तक आयोजित बेसिक बायोटेक्नोलॉजी टूल्स एंड तकनीकस के अंतर्गत 20 वैज्ञानिको द्वारा ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से लेक्चर्स दिया गया। विंटर स्कूल के समापन कार्यक्रम मे मुख्य अथिति डॉ अरुण कुमार रावत पूर्व सलाहकार जैव प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार थे। उन्होंने अपने डीबीटी द्वारा दी जा रही विभिन्न फेलोशिप एवं शोध गतिविधियों तथा नवीन शोध को अपने विषय के एक्सपर्ट के साथ फंडिंग एजेंसी को सबमिट करने के बारे मे विस्तार से बताया। निदेशक डॉ अरुण कुमार द्वारा पधारे अथिति को संस्थान के सेक्टर्स भ्रमण के साथ संस्थान द्वारा कौशल विकास के लिए की जा रही गतिविधियों के बारे मे डॉ रावत को अवगत कराया। पहली बार आयोजित 21 दिन विंटर स्कूल कार्यक्रम के कोर्स निदेशक डॉ अरुण कुमार, कोर्स कन्वनर डॉ एस एस मिश्रा एवं समन्वयक डॉ राजीव कुमार द्वारा किया गया। समापन कार्यक्रम पर इस 21 दिन कार्यक्रम मे आयोजित विभिन्न क्रियाकाल्प के बारे मे कोर्स समन्वयक डॉ राजीव कुमार द्वारा सभी को अवगत कराया। इस अवसर पर 10 प्रशिक्षु से भी विंटर स्कूल के बारे मे फीडबैक लिया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ जी नागराजन प्रधान वैज्ञानिक द्वारा किया गया। समापन कार्यक्रम मे डॉ गणेश जी सनावणे, डॉ सी पी स्वर्णकार, डॉ सुरेश चंद शर्मा, डॉ अजय कुमार, डॉ पी के मलिक, डॉ अरविन्द, डॉ अजित सिंह महला, डॉ सरवन एवं इंद्र भूषण कुमार द्वारा भी अपना अपना अनुभव प्रशिक्षु के साथ शेयर किया। अविकानगर के मीडिया प्रभारी डॉ अमरसिंह मीना ने कार्यक्रम की जानकारी दी।

शपथग्रहण समारोह 7 को

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान उच्च न्यायलय के न्यायाधिपति श्री अनिल कुमार उपमन मुख्य अतिथि की उपस्थिति में राजस्थान न्यायिक कर्मचारी संघ जिला शाखा जयपुर के जिलाध्यक्ष नरेंद्र यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शुगर सिंह, महासचिव कृष्णावतार शर्मा, मुख्य संरक्षक बद्री लाल चौधरी, खेल सचिव कपिल दीक्षित सहित समस्त कार्यकारिणी पदाधिकारी एवं सदस्यगण शपथ ग्रहण करेंगे। शपथ कार्यक्रम बार एसोसिएशन हाल, जयपुर महानगर भवन, बनीपार्क, जयपुर में सायं 04.30 पर आयोजित किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि के साथ साथ जयपुर महानगर प्रथम, द्वितीय, जयपुर जिला के तीनों जिला एवं सेशन न्यायाधीश, श्री भुवनेश शर्मा चेयरमैन बार काउंसिल ऑफ राजस्थान, विज्ञान शाह AAG, राजस्थान उच्च न्यायालय, बी. ए. राव, अध्यक्ष, सुप्रीम कोर्ट एम्पलाई एसोसिएशन, अध्यक्ष संदीप लुहाड़िया, एवं सचिव मनीष गगरानी माहेश्वरी दी बार एसोसिएशन जयपुर सम्माननीय अतिथिगण उपस्थित रहेंगे।

फार्मर रजिस्ट्रेशन शिविर आयोजन

गुड़ामालानी @ जागरूक जनता। क्षेत्र के ग्राम पंचायत डबोई में दो दिवसय फार्मर रजिस्ट्रेशन शिविर का आयोजन किया गया प्रत्येक किसान को विशिष्ट फार्मर आईडी 11 अंकों की आईडी कैंप में 504 किसान फार्मर आईडी की रजिस्ट्री हुई। शिविर के माध्यम से प्रत्येक किसान को विशिष्ट फार्मर आईडी 11 अंकों की प्रदान की गई। किसानों द्वारा आईडी बनवाने के लिये आधार कार्ड, जमाबंदी, मोबाईल नम्बर से बनाई गई। भविष्य में किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके प्रधानमंत्री किसान/मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, कृषि विभाग की अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिये फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से प्राप्त आईडी उपयोगी होगी। शिविर में उपस्थित सरपंच हरिराम जाजडा, उप सरपंच कवरा राम सियोल, वार्डपंच नारायण बाता, लुभा राम भाकर ,सुभाष चंद्र वर्मा विकास अधिकारी, पटवारी कुंभ सिंह सारण, प्रकाश चोटिया, पुरखाराम सियाग, पुरखाराम भाकर, जालाराम ,वभुताराम, मिश्रा राम, खेताराम सरपंच जाजड़ा ने सबका धन्यवाद ज्ञापित किया।

विद्यार्थियों को किया खाद्य सामग्री का वितरण

जयपुर @ जागरूक जनता। माँ करणी कृपा ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी स्व. ठा. सा. राम सिंह राठौड़ की जयंती के उपलक्ष्य पर माँ करणी कृपा ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी राजकुमारी राठौड़ द्वारा खाद्य सामग्री का वितरण विद्यार्थियों को राजकीय प्राथमिक विद्यालय -सेक्टर-4, विद्याधर नगर जयपुर में किया गया। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षणगण व अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

कक्षा बारहवीं का आशीर्वाद समारोह का आयोजन

गुड़ामालानी @ जागरूक जनता। क्षेत्र के राउमावि पीपराली में कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों का आशीर्वाद समारोह का आयोजन गुरुवार को रखा गया। कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों को विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा फूल व माल्यार्पण तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम के द्वारा कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों का स्वागत किया। गुरुजनों का आशीर्वाद लेकर विद्यार्थियों ने विदाई ली। विद्यालय के पीईईओ अशोक कुमार बिश्नोई ने बताया कि कक्षा 12वी. के बाद विद्यार्थी अपना लक्ष्य लेकर आगे की पढ़ाई करें। ताकि जिस लक्ष्य को आप प्राप्त करना चाहते हैं उस तक पहुंचने में आसानी होगी लक्ष्य के बिना कुछ भी नहीं है। समारोह में मुख्य अतिथि- नरपत परमार अस्सिटेंट प्रोफेसर, विशिष्ट अतिथि देवाराम चौधरी प्रधानाचार्य राउमावि पूजाबेरी, पीपराली सरपंच गंगाराम माचरा, गणेश सारण, भगाराम माचरा, SMC अध्यक्ष देदाराम पटीर, प्रफुल्ल सिंह प्रधानाध्यापक राउप्रावि भाम्भूओ की ढाणी, उषा शर्मा राप्रावि मेघवालो की बस्ती, कृष्णलाल राउप्रावि माचरो की ढाणी, वालाराम प्रधानाध्यापक राप्रावि नेणावास, मोटाराम सारण, गोमाराम सियोल, मंच संचालन सुमेरसिंह नेण व विद्यालय के सम्मत स्टॉप मौजूद रहे ।

मामी-भांजी ने पैसों से भरा बैग लौटाकर ईमानदारी की पेश की मिसाल

सांचौर @ जागरूक जनता। आज के युग में भी ईमानदार व नेकदिल इंसानों की कमी नहीं है। चितलवाना थाना क्षेत्र के हेमागुड़ा निवासी बालिका मनीषा बिश्नोई एवं भँवरी देवी विश्नोई मामी-भांजी ने एक अनोखी मिसाल पेश करते हुए पैसों से भरा बैग वापस कर दिया। यह घटना शनिवार की दोपहर 12 बजे की बालिका मनीषा बिश्नोई एवं भँवरी देवी विश्नोई हेमागुड़ा रामदेव मंदिर दर्शन कर घर लौटते वक्त बीच सड़क में एक बैग में मिला। दोनों ने बैग खोलकर देखा तो उसमें पैसों से भरा मिला तो अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी तो परिजनों ने बालिका मनीषा बिश्नोई एवं भँवरी देवी विश्नोई को बेग घर पर लेकर आने को कहा।इस दौरान परिवार के सदस्यों ने बैग खोलकर देखा तो इसमें क़रीब 42,500 रुपया एवं खाद बीज ख़रीदने के बिल मिले तो उन पर बिल पर बैग के मालिक नाम एवं मोबाइल नंबर लिखा हुआ मिला। बिल पर लिखे दानाराम कोली के मोबाइल नम्बर पर कॉल कर जानकारी दी तो उन्होंने अपना नाम और खोया हुआ बैग की जानकारी दी।इस दौरान दानाराम कोली का परिवार बालिका मनीषा बिश्नोई एवं भँवरी देवी विश्नोई के घर पहुँचा। नक़दी भरा बैग वापस मिला तो दानाराम कोली खुद को रोक न सका और फूट-फूट कर रोते हुए उसने हृदय से बच्ची व महिला के परिजनों को धन्यवाद दिया।

बजट घोषणा के तहत राशन डीलरों के कमीशन में 10 प्रतिशत की वृद्धि

जयपुर @ जागरूक जनता। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की सबका साथ-सबका विकास की मंशा को साकार करने की दिशा में इस वर्ष के बजट में राशन डीलरों के कमीशन में 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। राज्य सरकार द्वारा राशन डीलरों को पूर्व में मिलने वाले 137 रूपये प्रति क्विंटल के स्थान पर अब 150.70 रूपये प्रति क्विंटल की दर से कमीशन दिया जाएगा। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रश्नकाल के दौरान इस संबंध में सदस्य द्वारा पूछे गये पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को विधानसभा क्षेत्र आसींद में 7 नयी उचित मूल्य की दुकानें खोलने के प्रस्ताव प्राप्त हुए है। इनके अतिरिक्त अन्य स्थान पर उचित मूल्य की दुकान खोलने का प्रस्ताव प्राप्त होने पर परीक्षण करवाकर आवश्यकता एवं मांग के आधार पर उचित निर्णय लिया जाएगा।

चीन की भयानक डिशें, जिसे सुनकर माथा घूम जाएगा, खूब खाते हैं लोग!

चीन का खान-पान हमेशा से ही दुनिया के लिए चर्चा का विषय रहा है। यहां के लोग अलग-अलग तरह के अनोखे और कई बार चौंकाने वाले व्यंजन पसंद करते हैं।

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

कोरोना महामारी के बाद से चीन के भोजन और उसकी स्वच्छता को लेकर वैश्विक बहस और तेज हो गई है। कई बार यहां के कुछ व्यंजन इतने अजीबोगरीब होते हैं कि वे दुनिया भर के लोगों को हैरान कर देते हैं। चाहे वह खरगोश का सिर हो या फिर कीड़ों से बनी कॉफी। ये व्यंजन न सिर्फ चीनियों की पसंद को दर्शाते हैं, बल्कि उनकी अनोखी खान-पान संस्कृति को भी उजागर करते हैं।

खरगोश का सिर

चीन के सिचुआन प्रांत में खरगोश काफी पसंद किया जाता है। यहां देश के लगभग 95% खरगोशों का उपभोग किया जाता है। केवल मांस ही नहीं, बल्कि स्थानीय लोग इसके सिर को भी बड़े चाव से खाते हैं। इसे तीखी मिर्च और चिली ऑयल के साथ पकाया जाता है। यह एक लोकप्रिय स्ट्रीट फूड है, जिसे अक्सर बीयर के साथ खाया जाता है। हालांकि, इसे खाने में काफी मेहनत लगती है, क्योंकि इसमें ज्यादा हड्डियां होती हैं।

ऑक्स डंग हॉटपॉट

यह व्यंजन अपने मुख्य घटक की वजह से अनोखा है। इसमें बैल के अर्ध-पचा हुआ घास से बने रस को उपयोग किया जाता है। इस हॉटपॉट को पानी और तीखे मसालों के साथ पकाया जाता है, ताकि इसकी तेज गंध को छुपाया जा सके। यह व्यंजन चीन के गुइझोऊ और गुआंग्शी प्रांतों में त्योहारों के दौरान लोकप्रिय रूप से परोसा जाता है। माना जाता है कि यह पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद होता है। हालांकि, पकने से पहले इसकी बदबू काफी तेज होती है।

कॉफी में तले हुए कीड़े

युन्नान प्रांत के एक कैफे ने एक अनोखी डिश पेश की कॉफी में डीप फ्राई किए गए कीड़े! इस मेनू में बैम्बू वर्म अमेरिकानो, लोकस्ट लट्टे और बी लट्टे जैसे विकल्प शामिल हैं। कैफे के मालिक के अनुसार ये कीड़े कुरकुरे होते हैं और चाहें तो ऊपर से नमक भी डाला जा सकता है। यह व्यंजन युन्नान की दाई जनजाति की पारंपरिक परंपरा से प्रेरित है, जो इसे एक खास मेहमानों के लिए परोसते हैं।

टमाटर सूप में उबले कीड़े

युन्नान प्रांत में प्रोटीन से भरपूर एक अनोखा व्यंजन तैयार किया जाता है। यह उबले हुए कीड़ों का सूप है। इसे आमतौर पर टमाटर सूप में पकाया जाता है या केले के पत्तों में लपेटकर स्टीम किया जाता है। इसे वहां 'नेचुरल प्रोटीन पाउडर' कहा जाता है। इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन, वसा और विटामिन होते हैं। खाने वालों का कहना है कि इसका हल्का दूधिया स्वाद होता है और चबाने पर इसमें से रस निकलता है।

जागरूक रोचक न्यूज

गुणकारी : सीता अशोक पेड़ दुर्लभ और औषधीय गुणों से हैं भरपूर

हजारीबाग। पौराणिक मान्यता है कि जब रावण ने माता सीता का हरण किया था, तब उन्हें लंका में अशोक वाटिका में रखा था। वहां माता सीता अशोक के वृक्षों के नीचे रहा करती थीं। इसी कारण से सीता अशोक का पेड़ काफी खास हो जाता है। यह पेड़ बेहद दुर्लभ भी हैं। हजारीबाग में अब तक इसके चार पेड़ चिह्नित किए गए हैं। फाल्गुन के महीने में इसके फूलों की महक से आसपास का इलाका गमक उठता है। सीता अशोक के पेड़ को ही असली अशोक का पेड़ माना गया हैं। पर्यावरणविद् कहते हैं कि भारत में जिसे अशोक के पेड़ के नाम से संबोधित किया जाता है, दरअसल वह मोनोन लॉन्ग फोलियम हैं। इसे 'झूठा अशोक' के नाम से भी जाना जाता हैं। इसकी लकड़ियां भी केवल जलाने के काम आती हैं। लेकिन, असली अशोक काफी गुणकारी हैं। हिंदू धर्म में इसका खास महत्व हैं। वहीं, आयुर्वेद भी इसे लाभकारी मानता हैं। हजारीबाग के पर्यावरणविद मुरारी सिंह ने बताया कि सीता अशोक या साराका अशोक पेड़ पर फरवरी से मार्च तक के महीने में फूल खिलने लगते हैं। इसके फूल काफी खूबसूरत और गुच्छेदार होते हैं। ये सुगंधित भी होते हैं। ये पेड़ और फूल औषधि गुणों से भरपूर हैं। यह धर्म से भी जुड़ा हैं। इसी पेड़ की छाल से 'अशोकारिष्ठ' नाम की दवा बनती हैं। यह दवा गर्भाशय में ऐंठन, पेट दर्द और कष्टार्तव में उपयोगी हैं।

इमरजेंसी : नन्हे बच्चे ने 911 पर लगाया फोन, कहा इमरजेंसी! फिर कर डाली मांग

न्यूयार्क। दुनिया भर में पुलिस का मतलब किसी तरह की मुसीबत में उलझने का संकेत माना जाता है। पर फिर भी पुलिस को बार बार समझाना पड़ता है कि वह लोगों की मदद के लिए हैं। ऐसे में अगर कोई बच्चा खाने का ऑडर करने के लिए इमरजेंसी नंबर लगा दे तो? अमेरिका में तो बच्चे अगर 911 नंबर पर फोन कर दें, तो पुलिस उनकी शिकायत पर माता-पिता को गिरफ्तार भी कर सकती है और करती भी हैं। लेकिन, अनोखे मामले में एक बच्चे ने 911 नंबर लगाया और खोने की एक चीज ऑडर कर दी। हैरानी की बात ये रही कि पुलिस ने बच्चे का ऑडर पूरा भी कर दिया। अमेरिका के ओकलाहोमा में एक नन्हें से बच्चे ने ऐसा काम किया हैं। मूर पुलिस विभाग ने सोशल मीडिया पर हाल ही में एक ऑडियो और शेयर किया है जिसमें बेनेट नाम का एक बच्चे ने इमरजेंसी नंबर 911 पर कॉल कर डोनट्स की मांग की थी। यह कॉल पुलिस के लिए हैरानी भर भी था। बच्चे ने कॉल कर पूछा, '911, यह इमरजेंसी हैं।' कॉल रिसीव करने के वाले के हां कहने पर बेनेट ने कहा, इमरजेंसी डोनट्स इस पर उससे पूछा गया, क्या आप अपने डोनट्स किसी से शेयर करेंगे? बेनेट ने नहीं कह कर फोन रख दिया। इसके बाद अगले दिन पुलिस विभाग ने शेयर किया कि उन्होंने बेनेट की ख्वाहिश पूरी की और अफसरों ने उसके घर पर एक डंकिन के डोनट्स का डिब्बा उसे घर पर जा कर दिया। वीडियो में अफसर ने घर पहुचने के बाद बच्चे से पूछा कि क्या उसने उन्हें डोनट्स के लिए कॉल किया था? फिर उन्होंने बताया, 'हम आपको कुछ डोनट्स देने आए हैं।' जैसा की उम्मीद थी बेनेट की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और अफसरों ने बेनेट के साथ ही उसके भाई को भी डोनट दिया था। पुलिस ने बताया कि बेनेट ने उन्हें एक पुराने सेलफोन से संपर्क किया था, जिनका अब कोई ज्यादा उपयोग नहीं रह गया हैं। लेकिन, उनसे अब भी 911 नंबर पर कॉल किया जा सकता हैं।

खासियत : डायनासोर के समय से ही धरती पर मौजूद हैं कछुए

नई दिल्ली। कछुआ पृथ्वी का सबसे पुराने जीवित सरीसृपों में से एक हैं। माना जाता है कि कछुआ एक ऐसा जानवर है जो डायनासोर के समय से ही हमारी धरती पर मौजूद है, इसलिए इसे पृथ्वी के सबसे पुराने जीवित सरीसृपों में से एक माना जाता है। कुछ जानकारों के मुताबिक कछुआ सांप, छिपकली और मगरमच्छ से भी पहले से धरती पर रह रहे हैं। जाहिर है यह जीव लाखों वर्ष पुराना तो इसके कई खासियत होंगे। वैसे तो कछुए अपनी लंबी उम्र और कठोर खोल के लिए जाने जाते हैं, मगर इसके अलावा भी कछुए के ऐसे कई खासियत होते हैं जिसके बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। दरअसल, कछुओं की कई अलग-अलग प्रजातियां हैं, जो आकार और नस्ल के आधार पर भिन्न होती हैं। कछुए अंटार्कटिका महाद्वीप छोड़कर पृथ्वी के लगभग हर कोनें में पाए जाते हैं। वे दुनिया के सबसे अनुकूलनीय जानवरों में से एक हैं। कछुए की बहुत बड़ी खासियत होती है कि वो लगभग हर तरह के वातावरण में रह सकते हैं, जिनमें रेगिस्तान, जंगल और महासागर शामिल हैं पृथ्वी पर कछुए की लगभग 350 से अधिक प्रजातियां हैं, जिनमें से कुछ जमीन पर रहती हैं तो कुछ पानी में रहती हैं। कुछ प्रजातियां तो ऐसी हैं कि वो 200 साल तक जीवित रह सकती हैं। वे ग्रह पर सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाले जानवरों में से एक हैं। सबसे पुराना ज्ञात कछुआ, जिसका नाम अद्वैत था, 2006 में 255 वर्ष की आयु में मर गया। कछुओं के दांत नहीं होते हैं। उनके पास अपने भोजन को चबाने में मदद करने के लिए एक नुकीली चोंच होती है। कछुए सर्वाहारी होते हैं, जिसका अर्थ है कि वे पौधे और जानवर दोनों खाते हैं।

दावा | वैज्ञानिकों ने बताया कैसे होगा संभव!

खत्म होगी गरीबी, हर आदमी को मिलेगा क्विंटल भर सोना

दुनिया में अमीर होने के लिए कहा जाता है कि अगर खूब सारा सोना मिल जाए तो गरीबी नहीं रहेगी। पर क्या ऐसा हो सकता है कि दुनिया में इतना सोना मिल जाए कि दुनिया की हर आदमी ही अमीर हो जाए। क्या ऐसा संभव है?

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

अगर वैज्ञानिकों को माने तो दुनिया में इतना अधिक सोना मिल सकता है कि हर शख्स को अगर क्विंटल भर भी मिले, तो भी कम नहीं पड़ेगा। एक अनूठे प्रयोग ने वैज्ञानिकों में यह उम्मीद जगाई है कि इससे गरीबी खत्म हो जाएगी और हर व्यक्ति मालामाल हो जाएगा।

सोना अमीरों की धातु मानी जाती हैं। आज यह दुनिया में बहुत ही कम मात्रा में मिलता हैं। पर अब वैज्ञानिकों का दावा है कि पृथ्वी की गहराइयों में छिपा सोना निकालने की तकनीक विकसित हो रही हैं। यह इतना अधिक है कि इससे दुनिया का हर व्यक्ति अमीर हो सकता हैं। उनके प्रयोग से गहराइयों में छिपा सोना सतह पर आ जाएगा।

लोगों को हैरानी होती है कि अगर पृथ्वी के अंदर इतना सोना है तो सरकारें इसे निकाल क्यों नहीं लेती हैं। क्या उनके पास ऐसी तकनीकें नहीं हैं? क्योंकि, हकीकत ये है कि पृथ्वी की गहराई में एक दो नहीं, बल्कि अरबों टन की मात्रा में सोना हैं। ऐसे में सवाल पैदा होते है कि इतना महंगा होने पर भी क्या सरकार इसे निकालने के लिए खास कोशिशें नहीं करती हैं।

अणु के हिस्से में ही मिल सकता हैं सोना

पृथ्वी की गहराइयों में बहुत ही अधिक तापमान और दबाव होता हैं। वैज्ञानिक सदियों से इन गहराइयों में मौजूद सोने के कणों को सतह पर लाने पर काम कर रहे हैं। एक बड़ी समस्या ये थी कि जहां सोना समान्य हालात में प्रतिक्रिया नहीं करता है, वहीं ज्वालामुखी और पृथ्वी की गहराइयों में सोना रिएक्ट कर अणु स्वरूप में आ जाता हैं। यानी नीचे गहराई में सोना अलग से नहीं किसी अणु के हिस्से में ही मिल सकता हैं। वैज्ञानिक मानते हैं कि पृथ्वी की सतह के 50 से 80 किलोमीटर नीचे की गहराई में जमा सोना का सफ्लर जैसी धातु वाले द्रव्यों से प्रति क्रिया करे तो वह ऐसे अणुओं में बदल जाएगा जिससे वह अपनी जगह आसानी से बदल सकता हैं।

आखिर है कहां यह सोना

तो फिर यह सोना आखिर है कहां? यह सोना पृथ्वी की सतह की ऊपरी पट्टी और कोर के बीच में दफन हैं। पृथ्वी की ऊपरी परत 8 से 15 किलोमीटर की गहराई में हैं और अभी तक वैज्ञानिक ज्यादा से ज्यादा 12 किलोमीटर गहराई तक पहुंच सके हैं। जबकि सबसे गहरी खदान सोने की ही है और वह केवल 5 किलोमीटर ही गहरी हैं। अभी तक वैज्ञानिक ऐसे तकनीक विकसित नहीं कर सके हैं कि पृथ्वी की पर्पटी के ठीक नीचे ही गहरे जाकर सोना निकालने की तकनीक नहीं बना सके हैं। लेकिन, अब वैज्ञानिकों ने ऐसा तरीका निकाल लिया है जिससे कई किलोमीटर नीचे मौजूद सोने को निकाला जा सकेगा।

निकाला जा सकता है छिपा सोना

सल्फर के साथ रिएक्ट कर बने सोने के अणु आसानी से पृथ्वी से अंदर से रिस कर सतह पर आना शुरू कर देंगे। इस बात की पुष्टि उनके प्रयोगों में हुई। इनके आधार पर वैज्ञानिक उम्मीद कर रहे हैं कि ऐसा दिन आएगा जब इस पद्धति से पृथ्वी की गहराई में छिपा सोना निकाला जा सकता हैं। प्रयोग भले ही सफल रहा हो, लेकिन अभी इसकी पुष्टि केवल लैब में हो सकती हैं। इसे हकीकत में बदलना समय ले सकता हैं। लेकिन वैज्ञानिकों को पूरी उम्मीद है कि जिसे अब तक असंभव माना जा रहा था, अब ये संभव है और एक समय आएगा जब यह होने लगेगा और तब हर शख्स अमीर हो सकेगा।

सालाना कितना कमाती हैं सुनीता विलियम्स, धरती पर वापसी से पहले जानिए नेटवर्थ

वॉशिंगटन। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में फंसी हुई हैं। हालांकि उनकी इसी महीने धरती पर वापसी होने वाली हैं। नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर 5 जून साल 2024 से इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में फंसे हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों ही स्पेसएक्स के स्पेसक्राफ्ट से आएंगे। एक तरफ उनकी धरती पर वापसी को लेकर जहां उत्साह है। वहीं, दूसरी तरफ उनके सामने आने वाली समस्याओं को लेकर लोग चिंतित हैं। इन सब के बीच बहुत से लोगों के मन में सवाल है कि आखिर सुनीता विलियम्स की सैलरी और नेटवर्थ कितनी है? अगर आपके मन में भी ऐसा सवाल है तो आइए जानते हैं।

मुश्किलों से भरा काम : सुनीता विलियम्स जैसे वैज्ञानिक वो काम करते हैं जो मुश्किलों से भरा होता हैं। जैसे ही सुनीता विलियम्स धरती पर आएंगी, उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। उन्हें बेहोशी, दिल से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता हैं।

कितनी है सलाना कमाई

सुनीता विलियम्स दुनिया की शीर्ष अंतरिक्ष एजेंसी नासा में हैं। उनकी गणना एक अच्छे अंतरिक्ष यात्रियों में होती हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार नासा के अंतरिक्ष यात्रियों को अमेरिकी सरकार के वेतनमान के आधार पर वेतन मिलता है, जो ग्रेड जीएस-13 से लेकर जीएस-15 तक होता हैं। नासा के रिकॉर्ड के अनुसार, विलियम्स जैसे अत्यधिक अनुभवी अंतरिक्ष यात्रियों का वार्षिक वेतन जी-15 श्रेणी में आता है, जो लगभग $152,258.00 या 12,638,434 प्रति वर्ष हैं। यह राशि उनकी बोझिल अंतरिक्ष यात्राओं और प्रशिक्षण के लिए भुगतान को दर्शाती हैं। अंतरिक्ष यात्रियों को नासा के मांगलिक मिशनों के लिए उनके उत्कृष्ट कार्य और जवाबदेही के लिए मुआवजा भी मिलता हैं।

रमजान में खाने के पड़े लाले; आटा-चावल-सब्जियों को तरसे पाकिस्तानी

इस्लामाबाद। रमजान का महीना शुरूहो चुका है। इस पाक महीने में इस्लाम धर्म को मानने वाले लोग रोजा रखते हैं और शाम को इफ्तारी करते हैं। इफ्तारी में तरह-तरह के पकवान खाए जाते हैं। भारत समेत कई मुस्लिम देशों में बड़ी धूम-धाम के साथ इफ्तारी की जाती है। हमारे पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के लिए इस साल इफ्तारी थोड़ी महंगी पड़ रही है। दरअसल, इस मुल्क में आटा-चावल और मीट जैसे जरूरी सामानों की कीमतें आसमान छू रही है। वहीं, यहां राशन की भी काफी कमी हो गई है।

महंगा हुआ खाना : एक न्यूज बेवसाइट के मुताबिक पाकिस्तान में रमजान से एक दिन पहले फल, सब्जी और मीट की कीमतें काफी बढ़ चुकी है, जिससे आम नागरिक चिंता में पड़ गए हैं। हालात ऐसे हैं कि महंगाई के कारण ये जरूरी चीजें आम जनता की पहुंच से बिल्कुल बाहर हो चुके हैं। लोगों का कहना है कि पहले की तुलना में कीमतों में काफी अंतर आया है। लाहौर में सेब, केले, टमाटर और लहसुन की कीमतें उनके आधिकारिक दरों से कई गुना अधिक दामों में बेचे जा रहे हैं।

लाहौर में राशन की कमी

लाहौर की बात करें तो यहां रमजान से पहले राशन की दुकान में आटा, चावल, घी, दालें और बेसन की काफी कमी हो गई है। इसके चलते मिडिल क्लास लोगों में चिंता बढ़ गई है। दुकनादारों का कहना है कि पिछले 6 महीनों से स्थिति बेहद खराब है। यहां ग्राहकों की लंबी कतारें लगी रहती हैं, लेकिन राशन की अलमारियां खाली रहती हैं। ऐसे में ग्राहकों को अधिक कीमतों वाले सामान खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इसके लिए वे स्थानीय बाजारों की ओर रूख कर रहे हैं।

खगोलीय | जब पूर्णिमा का चंद्रमा, पृथ्वी और सूर्य एक सीध में होते हैं तब होती है यह घटना

होली पर लगने जा रहा पूर्ण चंद्रग्रहण, आसमान में बदलकर लाल हो जाएगा चांद का रंग

नई दिल्ली। इस महीने होली के दिन एक खास खगोलीय घटना होने जा रही है। 14 मार्च को आसमान में लाल रंग का चांद दिखाई देगा, जिसे ब्लड मून भी कहा जाता है। यह पूर्ण चंद्रग्रहण होगा, जो लगभग तीन साल बाद हो रहा है। इसके पहले ऐसा 2022 में हुआ था, जब आसमान में लाल रंग की छाया में चंद्रमा का अनोखा दीदार करने को मिला था। यह उस खगोलीय घटना के चलते होता है, जब पूर्णिमा का चंद्रमा, पृथ्वी और सूर्य एक सीध में होते हैं। इस दौरान चंद्रमा रंग बदलते हुए पृथ्वी की छाया में चला जाता है। इसे ब्लड मून कहा जाता है।

कब और कहां दिखेगा पूर्ण चंद्रग्रहण?

नासा के अनुसार, पूर्ण चंद्रग्रहण को अमेरिका में 13 और 14 मार्च की दरमियानी रात को देखा जा सकेगा। अमेरिकी समयानुसार रात के 11:57 बजे ग्रहण की शुरुआत होगी, जब चंद्रमा छाया के बाहरी हिस्से में प्रवेश करेगा। 1:09 बजे आंशिक ग्रहण शुरू होगा, जब चंद्रमा पृथ्वी की छाया में प्रवेश करता है और अंधेरा होने लगता है। 2:26 बजे यह पूर्ण चंद्रग्रहण में बदलेगा और ब्लड मून के लाल रंग में दिखाई देगा। 3:31 बजे जब यह छाया से बाहर निकलेगा, तब इसका लाल रंग फीका पड़ जाएगा।

क्या भारत में दिखाई देगा?

65 मिनट से ज्यादा समय तक चलने वाले पूर्ण चंद्रग्रहण को दुनिया के कुछ ही हिस्से के लोग अनुभव कर पाएंगे। उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका के लोग इसे पूरी पूर्णता के साथ देखेंगे। इसे अमेरिका, पश्चिमी यूरोप, पश्चिमी अफ्रीका और उत्तरी व दक्षिणी अटलांटिक महासागर में दिखाई देगा। चूंकि, जब यह खगोलीय घटना होगी, उस समय भारत में दिन हो रहा होगा ऐसे में इसे नहीं देखा जा सकेगा।

क्यों होता है ब्लड मून?

जब हमारी पृथ्वी अपने परिक्रमा पथ पर बढ़ते हुए चंद्रमा और सूर्य के बीच में सीधी रेखा पर होती है, तो चंद्रमा पूरी तरह से पृथ्वी की छाया के सबसे भीतरी हिस्से में चला जाता है। यह इसे सूर्य से पूरी तरह ओझल कर देता है। चंद्रमा अपना प्रकाश नहीं पैदा करता है। हालांकि, यह चमकता है क्योंकि इसकी सतह सूर्य की किरणों को परावर्तित करती है। यद्यपि पृथ्वी सूर्यग्रहण के दौरान चंद्रमा तक पहुंचने वाली किसी भी रोशनी को रोकती है, फिर सूर्य चंद्रमा की सतह पर पृथ्वी की छाया डालता है। चूंकि, सूर्य की रोशनी अवरुद्ध होती है, इसलिए चंद्रमा आम रातों की अपेक्षा मद्धम होता है। इसका यह प्रभाव कुछ घंटों के लिए इसकी सतह को एक लाल-नारंगी रंग से रंग देता है। इससे रात के दौरान आकाश में अनोखा नजारा दिखाई देता है। रंग बदलने की वजह से इसे अक्सर ब्लड मून कहा जाता है।

हांगकांग में जिस इंजेक्शन से 3 महीने में ठीक हो रहे कैंसर मरीज उसकी भारत में क्या है स्थिति?

बीजिंग। हांगकांग ने कैंसर बीमारी को खत्म करने वाली सीएआर-टी इंजेक्शन को लेकर बड़ा दावा किया हैं। हांगकांग के वैज्ञानिकों का कहना है कि नवंबर 2024 में जिन 5 मरीजों का इलाज सीएआर-टी इंजेक्शन से किया गया, वो सभी धीरे-धीरे ठीक हो रहे हैं। वैज्ञानिकों ने उन लोगों का रिएक्शन भी शेयर किया हैं। कहा जा रहा है कि इस असर के बाद दुनियाभर में हांगकांग के इस सीएआर-टी इंजेक्शन की डिमांड बढ़ सकती हैं।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक अक्टूबर-2024 में चाइनीज यूनिवर्सिटी ऑफ हांगकांग में 5 मरीजों को यह इंजेक्शन दिया गया। जिन मरीजों को यह इंजेक्शन लगाया गया, उनमें से एक की उम्र 73 साल, दूसरे की 71 साल, तीसरे की 67 साल, चौथे की 15 साल और पांचवें की 5 साल हैं।

वैज्ञानिकों का कहना है कि फरवरी तक इन मरीजों को काफी राहत महसूस हुई। ये मरीज पहले की तुलना में ठीक थे। वैज्ञानिकों ने इन मरीजों का बयान भी रिकॉर्ड किया है, जिसमें मरीज अपना अनुभव बता रहे हैं।

जागरूक जनता
फार्म-4 (नियम 8 देखिए)

1.	प्रकाशन स्थान	जे.पी. कॉलोनी, विद्याधर नगर, जयपुर
2.	प्रकाशन अवधि	साप्ताहिक
3.	मुदक का नाम	**ज्ञानेन्द्र मिश्रा**
	क्या भारत का नागरिक है	हाँ
	पता	बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)
4.	प्रकाशक का नाम	**ज्ञानेन्द्र मिश्रा**
	क्या भारत का नागरिक है	हाँ
	पता	बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)
5.	संपादक का नाम	**ज्ञानेन्द्र मिश्रा**
	क्या भारत का नागरिक है	हाँ
	पता	बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)
6.	उन व्यतियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	उपरोक्त

मैं, ज्ञानेन्द्र मिश्रा एतद्द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य है।

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
प्रकाशक के हस्ताक्षर

12 ज्योतिर्लिंगों में भी सबसे खास है सोमनाथ

महमूद गजनवी ने सोमनाथ के जिस पवित्र शिवलिंग के टुकड़े-टुकड़े कर दिए थे, उसके कुछ मूल अंश मुझे एक हज़ार वर्षों बाद सौंपे गए हैं। इस शिवलिंग की प्रतिष्ठा से पहले इसे देश के सभी ज्योतिर्लिंगों में ले जाया जाएगा, ताकि भक्तजन इसे नमन कर सकें। शैव आगम परंपराओं के अनुसार 40-दिवसीय विशेष 'कलाकर्षण' अनुष्ठान संपन्न किया जाएगा।

श्री श्री रविशंकर

> सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की वापसी यह दर्शाती है कि सत्य और दिव्यता कभी भी नष्ट नहीं होती।

■ श्री श्री रविशंकर

शिव को चैतन्य (शुद्ध चेतना) के रूप में देखा जाता है, क्योंकि प्रत्यक्ष अनुभव में शिव निराकार, सर्वव्यापी, अनंत चेतना के रूप में प्रकट होते हैं, जो स्वयं अस्तित्व के आधार हैं। वे चेतना के अनंत आकाश चिदाकाश हैं। वे सगुण और निर्गुण दोनों स्वरूपों को धारण करते हैं, जिससे वे रूप और अरूप दोनों से परे हो जाते हैं।

एक प्रसिद्ध पौराणिक कथा के अनुसार, शिव एक अनंत प्रकाश पुंज के रूप में प्रकट हुए, जिसकी सीमा कोई भी नहीं पा सका। ब्रह्मा जी उनके शीर्ष तक पहुंचने का प्रयास करते रहे, लेकिन असफल रहे, और विष्णु जी ने उनके चरणों को खोजने की कोशिश की, पर इस कृत्य में वे भी असफल रहे। यह कथा इस बात का प्रतीक है कि शिव का न आदि है, न अंत। वे काल और स्थान से परे हैं।

कुछ कथाएं शिव के क्रोध को दर्शाती हैं, जैसे दक्ष के साथ उनका टकराव या कामदेव के संहार के लिए उनका तीसरा नेत्र खोलना। ये कथाएं प्रतीकात्मक हैं और जीवन और अस्तित्व के गहरे सत्य को व्यक्त करती हैं। कोई भी बुद्धिमान साधक इन्हें मात्र ऐतिहासिक घटनाओं के रूप में नहीं लेगा, बल्कि इनके भीतर छिपे शाश्वत ज्ञान को समझने का प्रयास करेगा।

हर पौराणिक कथा अपने भीतर छिपे गूढ़ रहस्यों को उजागर करती है। शिव अजन्मा, अनादि, और अनंत हैं—वे शाश्वत और नित नूतन हैं। शिव का एक अन्य नाम 'सद्योजात' है, जो अस्तित्व की सहजता और नवीनता को दर्शाता है।

> **12 ज्योतिर्लिंगों में से प्रथम और सबसे रहस्यमय सोमनाथ है। यह पृथ्वी को स्पर्श नहीं करता था, बल्कि गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देते हुए हवा में रहता था।**

शिवलिंग केवल शिव की पूजा का एक साधन नहीं, बल्कि आत्मज्ञान के द्वार को खोलने का प्रतीक है। यह चार आध्यात्मिक अवस्थाओं का प्रतिनिधित्व करता है– सान्निध्य (शिव की उपस्थिति का अनुभव), सामीप्य (दिव्यता के निकटता का अनुभव), सारूप्य (दिव्य स्वरूप को आत्मसात करना), और सायुज्य (परम एकत्व की प्राप्ति)।

भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में से प्रथम और सबसे रहस्यमय सोमनाथ ज्योतिर्लिंग है, जो सौराष्ट्र में स्थित है। प्राचीन शास्त्रों में सोमनाथ शिवलिंग को अद्वितीय बताया गया है। ऐसा कहा जाता है कि यह पृथ्वी को स्पर्श नहीं करता था, बल्कि गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देते हुए हवा में रहता था। इस अद्भुत रहस्य ने सदियों से साधकों को आकर्षित किया है।

दर्शन: आर्ट ऑफ लिविंग के बेंगलुरु आश्रम में महाशिवरात्रि पर यह शिवलिंग 'प्रकट' हुआ।

1026 ईस्वी में, जब महमूद गजनवी भारत आया, तो वह सोमनाथ मंदिर में स्थित इस अद्भुत ज्योतिर्लिंग को देखकर दंग रह गया। उसने मंदिर को लूटने के दौरान इस पवित्र शिवलिंग के टुकड़े-टुकड़े कर दिए। एक हजार वर्षों तक यह माना जाता रहा कि मूल शिवलिंग हमेशा के लिए विलुप्त हो गया।

कुछ अग्निहोत्री ब्राह्मण गुप्त रूप से ज्योतिर्लिंग के कुछ अंशों को सौराष्ट्र से तमिलनाडु ले गए, शिवलिंग के रूप में गुप्त रूप से पूजा-अर्चना करते रहे। पीढ़ी दर पीढ़ी अग्निहोत्री ब्राह्मण परिवार इस आस को लगाए रहे कि समय आने पर इनको इनके स्थान पर फिर से स्थापित करेंगे। आज से सौ वर्ष पूर्व, इस परिवार ने कांची पीठ के शंकराचार्य से संपर्क किया, तब उन्होंने निर्देश दिया, 'इसे अभी और कुछ समय तक गुप्त रखो। सौ वर्षों के बाद इसे बेंगलुरु के एक संत शंकर को सौंप देना।' अब, उन निर्देशों का पालन करते हुए, सोमनाथ शिवलिंग के मूल अंश मुझे सौंपे गए हैं।

यह शिवलिंग अत्यंत चुंबकीय है और वैज्ञानिकों को आश्चर्य में डालने वाला है। आमतौर पर पाए जाने वाले चुंबकीय पत्थरों से अलग, इनका चुंबकीय क्षेत्र केंद्र में केंद्रित है और इनमें लौह तत्व न्यूनतम मात्रा में पाया जाता है। उनकी संरचना अब तक ज्ञात किसी भी पदार्थ से मेल नहीं खाती है, जैसे एक वैज्ञानिक ने कहा- 'यह पदार्थ पृथ्वी का नहीं लगता है।'

अब समय आ गया है कि मूल सोमनाथ ज्योतिर्लिंग एक हजार वर्षों बाद अपने स्थान पर पुनर्स्थापित हो। यह हमारे राष्ट्र के लिए गहन आध्यात्मिक जागरण का क्षण है। प्रतिष्ठा से पहले इस शिवलिंग को भारतवर्ष के सभी ज्योतिर्लिंगों में ले जाया जाएगा। इसके उपरांत, शैव आगम परंपराओं के अनुसार 40-दिवसीय विशेष 'कलाकर्षण' अनुष्ठान संपन्न किया जाएगा।

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की वापसी यह दर्शाती है कि सत्य और दिव्यता कभी भी नष्ट नहीं होती। 26 फरवरी को बेंगलुरु आश्रम में होने वाले महाशिवरात्रि महोत्सव में भक्तों को इस पावन शिवलिंग का दर्शन और आशीर्वाद पाने का सौभाग्य मिला। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग का पुनः प्राकट्य एक महत्त्वपूर्ण घटना है जो सनातन संस्कृति की अमरता को दर्शाती है।

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

पंचांग का क्या महत्व है, कैसे तय होते हैं तिथि और मास?

हिंदू कैलेंडर यानी पंचांग में नया साल चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को सूर्य की पहली किरण के साथ प्रारम्भ होता है। ब्रह्म पुराण के अनुसार, इस दिन ही सृष्टि का निर्माण हुआ था और इसी दिन भगवान विष्णु ने पहला अवतार (जन्म) लिया था।

भारतवर्ष में काल गणना भी इसी दिन से शुरू हुई थी। इस दिन से रात की अपेक्षा दिन बड़े होने लगते हैं। इस दिन से ही मां शक्ति की आराधना के दिन चैत्र नवरात्र की शुरुआत होती है। इस दिन पेड़ों से पुराने पत्ते गिरने लगते हैं और प्रकृति अपने श्रृंगार को नए सिरे से प्रारम्भ करती है। हिन्दू विक्रम संवत कैलेंडर पूर्णतया भूगोलीय घटनाओं पर आधारित एक वैज्ञानिक कैलेंडर है, जिसका प्रारम्भ महाराजा विक्रमादित्य ने 57 BC (ईसा मसीह के जन्म से 57 साल पहले) में किया था। भारतीय कैलेंडर की गणना सूर्य और चंद्रमा के अनुसार होती है।

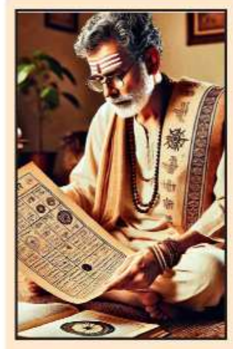

ज्योतिष जुड़ी किसी भी अन्य जानकारी के लिए हमें मेल करें jagrukjantanews@gmail.com

हिन्दू कैलेंडर वेदों के काल में बनना प्रारम्भ हो गया था, जिसको बाद में आर्यभट्ट, वराहमिहिर, भास्कर आदि जैसे खगोल ऋषियों द्वारा विकसित किया गया। 12 मास का 1 वर्ष और 7 दिन का 1 सप्ताह का पंचांग विक्रम संवत से शुरू हुआ। पंचांग की तिथि दिन या रात में कभी भी शुरू हो सकती है, क्योंकि इसका सीधा संबंध चन्द्र के नक्षत्र में भ्रमण से होता है। महीने के 30 दिन को चन्द्र कला के आधार पर 15-15 दिन के 2 पक्षों में बांटा गया है- शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष। शुक्ल पक्ष के अंतिम दिन को पूर्णिमा कहते हैं, जो माह की पन्द्रवीं तिथि होती है और इस दिन पूर्ण चंद्र दिखाई देता है, वहीं कृष्ण पक्ष के अंतिम दिन को अमावस्या कहते हैं, जो माह की 30वीं और कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि होती है, जिस दिन चन्द्रमा नहीं दिखता है।

एक मास में चार सप्ताह होते हैं, जिनके दिनों को वार कहते हैं- 1. रविवार, 2. सोमवार, 3. मंगलवार, 4. बुधवार, 5. गुरुवार, 6. शुक्रवार और 7. शनिवार। भारतीय महीनों के नाम चंद्रमा की गति पर निर्भर हैं। पूर्णिमा के दिन चन्द्रमा जिस नक्षत्र में होता है, उसी आधार पर महीनों का नामकरण हुआ है। उदाहरणार्थ, अगर कृतिका पर है तो कार्तिक, ज्येष्ठा पर है तो ज्येष्ठ आदि। 12 चन्द्रमास हैं- 1. चैत्र, 2. वैशाख, 3. ज्येष्ठ, 4. आषाढ़, 5. श्रावण, 6. भाद्रपद, 7. आश्विन, 8. कार्तिक, 9. अगहन, 10. पौष, 11. माघ और 12. फाल्गुन। वर्ष में भी तिथियां घटती-बढ़ती रहती हैं। सौर वर्ष से 11 दिन 3 घटी 48 पल छोटा है चन्द्र वर्ष, इसीलिए हर 3 वर्ष में इसमें 1 महीना जोड़ दिया जाता है।

---

9 मार्च को 151 कुंडीय महायज्ञ में शामिल होंगे पाक से निर्वासित 11 परिवार

जयपुर @ जागरूक जनता। आदर्श नगर के दशहरा मैदान में 9 मार्च को आयोजित होने वाले 151 कुंडीय महायज्ञ में पाकिस्तान से आए 11 निर्वासित परिवार सहित सनातन धर्म में लौटे 51 आदिवासी परिवार इस धार्मिक कार्यक्रम में यजमान बनेंगे। कार्यक्रम के प्रमुख संयोजक और समाजसेवी रवि नैय्यर ने बताया कि इस आयोजन में विभिन्न संगठनों से जुड़े 12 सौ यजमान हवन में आहुति देंगे और करीब 20 हजार लोग संकीर्तन समारोह, गौ -पूजन और गोवृत्ति में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं गे। उन्होंने बताया कि महर्षि दयानंद की 200वीं जयंती और आर्य समाज की स्थापना के 150 वर्ष पूर्ण होने पर यह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर महर्षि दयानंद स्मृति भवन जोधपुर के तत्वावधान में गोकरुणानिधी पुस्तकों का वितरण होगा।

सप्ताह के व्रत और त्योहार

होलाष्टक के आठ दिनों में वर्जित हैं गृह प्रवेश, विवाह समेत 16 संस्कार

(4-10 मार्च 2025 तक)

वर्तमान सप्ताह का आरंभ फाल्गुन शुक्लपक्ष की पंचमी तिथि और भरणी नक्षत्र के साथ हो रहा है। इस सप्ताह 6 मार्च से होलाष्टक लग जायेंगे, जो आठ दिन बाद होली के दिन यानी 13 मार्च को समाप्त हो जायेंगे। होलाष्टक के आठ दिनों में विवाह आदि शुभ कार्य निषिद्ध बताये गये हैं। इस सप्ताह होलाष्टक, दुर्गाष्टमी और आमलकी एकादशी व्रत का आयोजन किया जायेगा।

होलाष्टक (6 मार्च, गुरुवार)

शास्त्रों में बताया गया है कि होलिका दहन से आठ दिन पहले होलाष्टक लग जाते हैं। होलाष्टक के इन आठ दिनों में 16 संस्कारों का आयोजन वर्जित बताया गया है। ऐसा माना जाता है कि फाल्गुन मास की अष्टमी से लेकर अगले आठ दिनों तक हिरण्यकशिपु राजा ने विष्णु भक्त प्रह्लाद को बहुत यातनाएं दी थीं। इसी कारण इन आठ दिनों को अशुभ मानते हुए होलाष्टक मानने की परम्परा है।

पूजन की विधि: *होली से आठ दिन पूर्व होलिका दहन वाली जगह पर गंगा जल छिड़क वहां पर सूखी लकड़ी, उपले और होली का डंडा स्थापित कर दिया जाता है। डंडा गाड़ने से लेकर होलिका दहन के दिन तक सभी मांगलिक कार्य वर्जित बताये गये हैं।*

दुर्गाष्टमी (7 मार्च, शुक्रवार)

हर महीने शुक्ल पक्ष की अष्टमी को दुर्गाष्टमी व्रत का विधान शास्त्रों में बताया गया है। इस दिन मां दुर्गा का विशेष पूजन और अर्चन किया जाता है। इस दिन मां दुर्गा की पूजा के बाद उन्हें उबले हुए चने और हलवा पूड़ी का भोग लगाया जाता है। माना जाता है कि मां दुर्गा के पूजन से उपासकों को विशेष शक्ति मिलती है और उनकी समस्त मनोकामनायें पूरी होती हैं। इस दिन छोटी बालिकाओं का पूजन कर उन्हें मां के प्रसाद के रूप में हलवा पूड़ी खिलाया जाता है।

आमलकी एकादशी (10 मार्च, सोमवार)

फाल्गुन मास के चंद्र महीने के दौरान शुक्ल पक्ष की एकादशी, यानी ग्यारहवें दिन आमलकी एकादशी मनाने का विधान शास्त्रों में बताया गया है। आमलकी एकादशी फाल्गुन मास में मनाई जाती है इसलिए इसे फाल्गुन शुक्ल एकादशी भी कहा जाता है। आमलकी एकादशी के दिन, भक्त आंवले के पेड़ का पूजन करते हैं। ऐसा माना जाता है कि एकादशी के दिन इस पेड़ में भगवान विष्णु का वास होता है।

नृसिंह परिचर्या में आमलकी के वृक्ष की महिमा का वर्णन करते हुए कहा गया है कि फाल्गुन की एकादशी वाले दिन स्वयं भगवान् विष्णु मां लक्ष्मी के साथ आमलकी के वृक्ष पर निवास करते हैं, इसलिये ऐसा माना जाता है कि इस दिन आमलकी के वृक्ष का पूजन, अर्चन और परिक्रमा करने से भगवान् विष्णु प्रसन्न होते हैं और अपने उपासक की सभी मनोकामनायें पूरी करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस एकादशी को करने से उपासक भगवान विष्णु के पास वैकुंठ में पहुंच जाता है। ऐसी मान्यता भी है कि भगवान कृष्ण अपनी पत्नी और देवी राधा के साथ आंवले के पेड़ के पास निवास करते हैं। आमलकी एकादशी का पर्व लगभग पूरे भारत में मनाया जाता है।

शिक्षक ने की विद्यालय में स्टेशनरी वितरित

सायरा @ जागरूक जनता। सायरा ब्लॉक में स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मग्घा के शिक्षक आचार्य नरेन्द्र शास्त्री ने अपनी पत्नी ज्योति यादव का जन्मदिन विद्यालय परिसर में बच्चो को स्टेशनरी वितरित करके मनाया। इस अवसर पर तकरीबन 100 विद्यार्थियों को स्टेशनरी वितरित की गई। इस दौरान अन्नाराम हिंगड़ ने बताया की निश्चित रूप से इस प्रकार की पहल करने से वंचित विद्यार्थियों को लाभ पहुंचेगा। संसाधन के अभाव में कोई बच्चा पढ़ाई से वंचित न रह जाए। इस अवसर पर नरेन्द्र शास्त्री, भंवरलाल घोघरा, सुनील कुमारी, अन्नाराम हिंगड़, विष्णु सामरिया, गेहरीलाल मेघवाल, नरपत सिंह समेत स्टाफ व विधार्थी मौजूद रहे।

रमेश जाणी बनें अनादि सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष

गुडामालानी @ जागरूक जनता। क्षेत्र के एक छोटे से गांव भीमथल के निवासी रमेश जाणी को अनादि सेवा समिति की राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई । अनादि सेवा समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष नीलम श्रीवास्तव की अनुशंसा पर राष्ट्रीय सचिव दिनेश श्रीवास्तव की सहमति से रमेश जाणी भीमथल को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है।जाणी ने बताया कि वरिष्ठ गौ सेवकों ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका वो कर्तव्य निष्ठा के साथ पालन करेंगे। उन्होंने बताया कि वो अपनी टीम के सहयोग से केंद्र और राज्य सरकार की गौ माता के लिए चलाई जा रही योजनाओं माध्यम से और गौशालाओं की मदद से एवं आमजन के सहयोग से राजस्थान में गौ मुक्त सड़क अभियान सेवा को आगे बढ़ाने का पूर्ण रूप से प्रयास करेंगे और प्रदेश में बिना मालिक सड़कों पर घुम रही गौ माता को इससे मुक्त करवाने के कार्यों को प्राथमिकता से करवाएंगे। उन्होंने बताया कि वो शीघ्र ही राजस्थान प्रदेश की अनादि सेवा समिति की कार्यकारिणी का विस्तार करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर प्रदेश के गौ भक्तों ने रमेश जाणी को सोशल मीडिया व रूबरू मिलकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी ।

विज्ञान क्लब के तहत शैक्षिक भ्रमण

बीकानेर @ जागरूक जनता। राउमा वि शिवबाड़ी बीकानेर के विज्ञान क्लब के कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों को कृषि विज्ञान केंद्र बिच्छवाल बीकानेर में शैक्षिक भ्रमण करवाया गया। प्रधानाचार्य उर्वशी शर्मा और नीतू निर्वाण ने हरी झण्डी दिखाकर बस को रवाना किया ।विद्यार्थियों के साथ प्रभारी व्याख्याता संतोष,मुकेश मोदी, त्रिमूर्ति भाटी, कौशल्या नाई,नम्रता भट्ट आदि उपस्थित थे। जहाँ विद्यार्थियों को सबसे पहले मेट्रोलॉजी विभाग (मौसम विभाग) में भ्रमण करवाया वाहन नेमी जी द्वारा मौसम भविष्यवाणी में उपयोग लिए जाने वाले भिन्न तरह के वैज्ञानिक उपकरणों की वर्किंग के बारे में जानकारी दी गई । विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासा से बहुत से प्रश्नोतर किए गए। इसके बाद विद्यार्थियों को आई एफ एस विभाग में भ्रमण करवाया गया जहाँ बकरी पालन ,मछली पालन ,मुर्गी पालन और केंचुआ खाद के निर्माण की विस्तृत जानकारी दी गई । अंत में व्याख्याता मुकेश मोदी ने कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारियों मदन और दुर्गा सिंह को विद्यालय परिवार की तरफ़ से धन्यवाद और आभार व्यक्त किया ।सभी विद्यार्थियों को अल्पाहार दिया गया ।

न्युवोको विस्टास ने शिक्षित भारत प्रोग्राम के तहत जीरो ड्रॉपआउट अभियान शुरू किया

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, क्षमता के मामले में भारत के पांचवें सबसे बड़े सीमेंट समूह ने अपनी सीएसआर पहल, शिक्षित भारत प्रोग्राम के तहत निम्बोल राजस्थान में जीरो ड्रॉपआउट अभियान शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य आवश्यक लर्निंग संसाधन प्रदान करके ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों के बीच 100 फीसदी नामांकन और ज़ीरो ड्रॉपआउट दर सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण डेस्किट का वितरण है, जो एक स्कूल बैग है जो एक स्टडी टेबल में बदल जाता है, जिससे छात्र कहीं भी आराम से पढ़ाई कर सकते हैं। इसने पहले ही निम्बोल सीमेंट प्लांट के आसपास के गांवों के 16 सरकारी स्कूलों के 421 छात्रों की मदद की है। डेस्किट वितरित करने के लिए कई स्कूलों में एक औपचारिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था और इसमें निम्बोल सीमेंट प्लांट के प्लांट हेड लोकेश बहेटी, सुरक्षा प्रमुख, सरपंच, स्कूल अधिकारी और नव्या क्लब के सदस्य शामिल हुए थे। प्लांट हेड बहेटी ने कहा कि "न्युवोको का जीरो ड्रॉपआउट अभियान हर बच्चे को नया सीखने और आगे बढ़ने का मौका देता है। डेस्किट जैसी स्टडी किट के साथ, हम लर्निंग को सरल एवं और अधिक आसान बनाते हैं। आज युवा प्रतिभाओं का समर्थन करना भविष्य के लिए एक मजबूत, स्वतंत्र समुदाय बनाता है। जीरो ड्रॉपआउट अभियान एक स्थायी, शिक्षा-केंद्रित इकोसिस्टम के निर्माण के लिए न्युवोको की चल रही प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जो सामुदायिक उत्थान और लंबी अवधि के सामाजिक विकास में अपनी भूमिका को और मजबूत करता है।

यूईएम बॉयज क्रिकेट टीम का फिजियोथेरेपी क्रिकेट लीग के 10वें संस्करण में परचम

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम) जयपुर ने एक बार फिर खेल के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है, क्योंकि यूईएम बॉयज रि केट टीम ने प्रतिष्ठित फिजियोथेरेपी रि केट लीग के 10वें संस्करण में जीत हासिल की है। 14 मजबूत टीमों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हुए, यूईएम टीम ने चैंपियनशिप का खिताब जीतने के लिए असाधारण कौशल, टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। यह उल्लेखनीय उपलब्धि खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, समर्पण और रणनीतिक खेल का प्रमाण है। यूईएम जयपुर के निरंतर समर्थन से उनकी सफलता की यात्रा को बल मिला, जिसने छात्रों के बीच एक मजबूत खेल संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डॉ. इमरान खान का विशेष उल्लेख किया जाना चाहिए, जिनके विशेषज्ञ मार्गदर्शन और सलाह ने टीम के प्रदर्शन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में, खिलाड़ियों ने लचीलापन और अटूट भावना का प्रदर्शन किया, जिससे यह जीत हासिल हुई। यह जीत न केवल यूईएम जयपुर की खेलों में उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है, बल्कि भविष्य के एथलीटों को महानता के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित भी करती है। विश्वविद्यालय पूरी टीम को बधाई देता है और भविष्य में और भी कई उपलब्धियों की उम्मीद करता है।

ग्रामीण आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों के साथ न्याय करें सरकार

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभानसिंह आक्या ने विधानसभा के बजट सत्र में राजस्थान विधानसभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन के नियमों के नियम 295 के अंतर्गत विशेष उल्लेख प्रस्ताव के माध्यम से सदन में आयुर्वेद ग्रामीण सेवा नियम 2008 में चयनीत चिकित्सा अधिकारियों की पदोन्नति तथा प्रसाशनिक पदों के संशोधन एवं केडर रि-स्ट्रक्चर की मांग रखी। विधानसभा में बोलते हुए विधायक आक्या ने कहा कि आयुर्वेद विभाग में संचालित दोनों कैडर (आयुर्वेद सेवा नियम 1973 एवं आयुर्वेद ग्रामीण सेवा नियम 2008) के पदों को मिलाकर विभाग में पदोन्नति हेतु निदेशालय आयुर्वेद विभाग द्वारा राज्य सरकार को केडर रिव्यू का प्रस्ताव भिजवाया गया था, परंतु विभाग में कार्यरत (आयुर्वेद सेवा नियम) 1973 के अधिकारियों द्वारा आयुर्वेद ग्रामीण सेवा नियम 2008 से चयनित चिकित्सा अधिकारियों के साथ सौतेला व्यवहार करते हुए पदोन्नति में भेजे गए कैडर रिव्यू एवं पद्धति की प्रस्ताव में विधिक (नियम विरुद्ध) कर्मियों के कारण कैबिनेट में अनुमोदन के पश्चात भी कैडर मर्जर ड्रॉप कर दिया गया। इससे आयुर्वेदिक विभाग में कार्यरत ग्रामीण आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों को (संविधान के आर्टिकल 14 में दिए गए समानता का अधिकार) विभाग में पदोन्नति का लाभ नहीं मिल पा रहा है जबकि विभाग में जूनियर आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों को पदोन्नत कर दिया गया है। विभाग द्वारा किए गए इस अन्याय के विरुद्ध ग्रामीण आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों ने याचिका दाखिल कराई जिस पर उच्च न्यायालय जोधपुर ने दिनांक 22 सितंबर 2022, को 6 महीने में पदोन्नति सुनिश्चित करने के आदेश दिए। परन्तु माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के पश्चात भी अभी तक आयुर्वेद ग्रामीण सेवा नियम में संशोधन और कैडर रि स्ट्रक्चर का आदेश नहीं हुआ है।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड ☐☐☐☐☐☐

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक ☐☐☐☐☐☐ (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

● सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड ने मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड ने मंगलवार को यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। बेल्जियम आर्थिक मिशन के साथ भारत की यात्रा पर आयीं राजकुमारी एस्ट्रिड ने सात लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री निवास पर मोदी से भेंट की। मोदी ने एक्स पर इस मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए कहा, "मुझे राजकुमारी एस्ट्रिड से मिलकर खुशी हुई। भारत में 300 सदस्यीय आर्थिक मिशन का नेतृत्व करने की उनकी पहल की हम हृदय से सराहना करते हैं। व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा, कृषि, जीवन विज्ञान, नवाचार, कौशल और अकादमिक आदान-प्रदान में नई साझेदारी के माध्यम से हमारे लोगों के लिए असीम अवसरों को खोलने के लिए तत्पर हैं।"

विज्ञान दिवस पर लगाई क्राफ्ट प्रदर्शनी

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

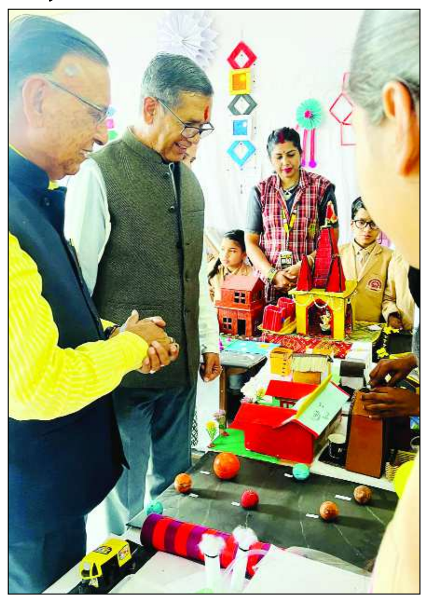

जयपुर। विद्याधर नगर स्थित सरस्वती शिक्षा सदन एवं सरस्वती चिल्ड्रन्स एकेडमी के संयुक्त तत्वावधान में विज्ञान दिवस के अवसर पर क्राफ्ट प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्‌घाटन पीडब्ल्यूडी के अवकाश प्राप्त एडीशनल चीफ इंजीनियर एम.एम. सिंघल ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को रचनात्मक कार्य की सराहना कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। प्रदर्शनी में अभिभावकों के साथ स्थानीय गणमान्य नागरिकों में प्रमुख अवकाश प्राप्त डिप्टी फाईनेंस सेक्रेटरी सुभाष शर्मा, चीफ इंजीनियर (एमईएस), कैलाश सरन ताम्बी, उद्योगपति दामोदर अजमेरा तथा गिरधारी लाल बड़गोली ने बच्चों के क्रिएटिविटी की प्रशंसा करते हुए सभी बच्चों को फल-वितरण किया गया। अंत में संस्था प्रधान संतोष शर्मा ने सभी बच्चों के कार्यों की सराहना करते हुए अतिथियों के स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

अयोध्या से जनकपुर तक ट्रेन चलाने का रास्ता साफ

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। भारत और नेपाल ने अयोध्या से जनकपुर के बीच सीधी यात्री ट्रेन चलाने और रक्सौल से काठमांडू तक रेल लाइन बिछाने की कार्य योजना तैयार कर ली है।

गत सप्ताह 27-28 फरवरी को यहां भारत और नेपाल ने नौं वीं परियोजना संचालन समिति (पीएससी) और सातवीं संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की बैठकें आयोजित कीं और सीमा पार रेलवे लिंक की परियोजनाओं के कार्यान्वयन की तैयारी और रेलवे क्षेत्र में समग्र द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की। विदेश मंत्रालय ने आज यहां बताया कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (डीपीए-3) रोहित रतीश और रेल मंत्रालय के कार्यकारी निदेशक (यातायात परिवहन-फ्रेट) प्रदीप ओझा ने किया। नेपाली पक्ष का नेतृत्व दोनों बैठकों के लिए भौतिक बुनियादी ढांचा और परिवहन मंत्रालय के संयुक्त सचिव सुशील बाबू ढकाल ने किया।

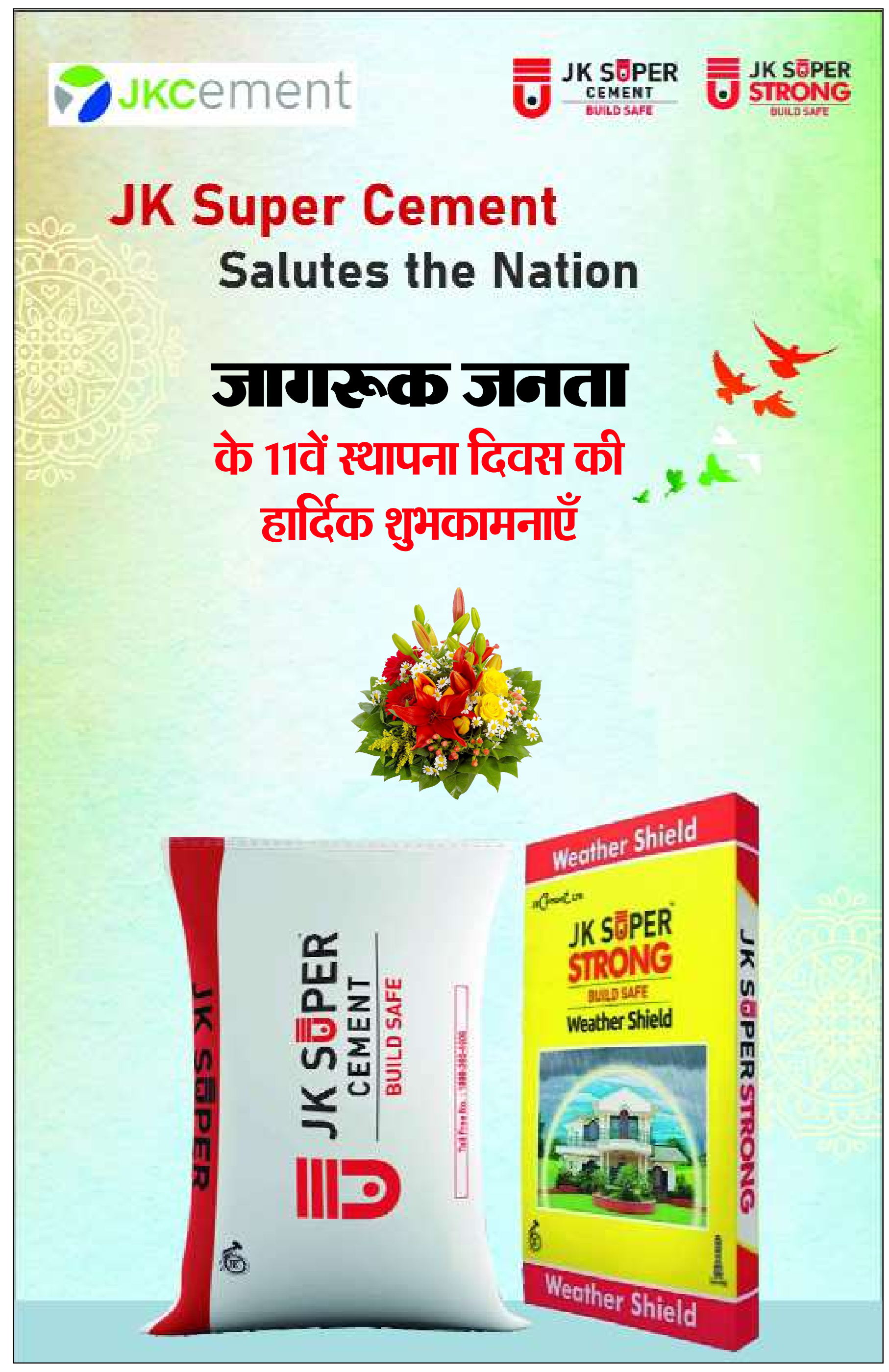

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के निर्देशन में राजस्थान पर्यटन की निर्मित हो रही फेवरेट टूरिस्ट डेस्टिनेशन की पहचान

राजस्थान पर्यटन ने आईटीबी बर्लिन-2025 में शानदार शोकेस का किया अनावरण

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के निर्देशन में राजस्थान पर्यटन की फेवरेट टूरिस्ट डेस्टिनेशन की पहचान निर्मित हो रही है। आईटीबी बर्लिन– 2025 में भी इसी की बानगी दिख रही है। राज्य पर्यटन विभाग ने 4 से 6 मार्च तक आयोजित होने वाले आईटीबी बर्लिन– 2025 में एक बार फिर अपने पर्यटन उत्पादों और अनुभवों का शानदार प्रदर्शन आज प्रारंभ किया। आईटीबी बर्लिन– 2025 में राजस्थान पर्यटन मंडप का आधिकारिक उद्घाटन जर्मनी में भारतीय राजदूत अजीत गुप्ते ने किया। इस वर्ष बर्लिन में राजस्थान पर्यटन प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व आनंद त्रिपाठी, अतिरिक्त निदेशक और उपेन्द्र शेखावत, उप निदेशक, पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार ने किया। उक्त पर्यटन अधिकारियों के साथ-साथ पैलेस ऑन व्हील ट्रेन के प्रतिनिधि, एफएचटीआर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह शाहपुरा, राजस्थान के ट्रैवल ट्रेड से 8 कॉ–एक्ज़िबिटर भी इस वर्ष आईटीबी में भाग ले रहे हैं। तीन दिनों के दौरान राज्य के पर्यटन अधिकारी राजस्थान में पर्यटन को और बढ़ावा देने के लिए टूर ऑपरेटरों, ट्रैवल एजेंटों, मीडिया और अन्य पर्यटन हितधारकों के साथ 40 से अधिक निर्धारित बैठकें करेंगे। राजस्थान पर्यटन कई वर्षों से आईटीबी में नियमित भागीदार रहा है। विश्व स्तर पर सबसे बड़े यात्रा व्यापार शो में से एक के रूप में, आईटीबी बर्लिन राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, राजसी किलों, जीवंत त्योहारों और वैश्विक दर्शकों के लिए आतिथ्य की समृद्ध परंपरा को प्रदर्शित करने के लिए एक आदर्श और दुनिया का सबसे बड़ा यात्रा मंच प्रदान करता है। यूरोप के ट्रैवल एजेंटों, मीडियाकर्मियों, प्रभावशाली लोगों और ब्लॉगर्स के अलावा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी राजस्थान मंडप का दौरा कर रहे हैं। आयन्नीम्मा के मेयर और डिप्टी मेयर ने भी राजस्थान मंडप का दौरा किया।

राजस्थान गौरव रत्न अवार्ड से 51 प्रतिभाएं सम्मानित

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर के गोपालपुरा बाईपास स्थित होटल सफारी में एसआर प्रोडक्शन ओर आईबीसीसी हेल्पिंग हैंड संस्था के बैनर तले राजस्थान गौरव रत्न अवार्ड समारोह का कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हवा महल विधायक बालमुकुंद आचार्य, करणी सेना के राष्टीय अध्यक्ष शिव सिंह शेखावत समाजसेवी पवन गोयल और विशिष्ट अतिथि अनूप सिंह शेखावत रहे। इस कार्यक्रम में आयोजकों द्वारा अतिथियों का माला व स्मृति चिन्ह देकर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में देश- प्रदेश की 51 प्रतिभाओं को अतिथियों द्वारा माला मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की आयोजक सिंपी रंधावा और डॉ सुनीता ग्रेवाल ने बताया कि देश प्रदेश की ऐसी होनहार प्रतिभाएं जिन्होंने देश प्रदेश का नाम रोशन किया है और देश की सेवा करने के साथ अपने कार्य को लेकर लोगों को जागरूक किया है ऐसी प्रदेश की 51 प्रतिभाओं को राजस्थान गौरव रत्न अवॉर्ड देकर सम्मानित किया है। साथ ही कार्यक्रम का मैनेजमेंट आईबीसीसी हेल्पिंग हैंड के कुलवंत सिंह हुडिल द्वारा किया गया। इस मौक पर सैकड़ो की संख्या में महिलाएं और पुरुष मौजूद रहे।

4 माह का एक्शन प्लान बनाने और अकृषि क्षेत्र के बकाया ऋणों की करें वसूली

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने कहा कि प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक पुरजोर प्रयास कर बकाया अकृषि ऋणों एवं राज्य सरकार की ब्याज अनुदान योजनाओं में वितरित ऋणों की वसूली सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि वसूली की प्रगति की नियमित रूप से समीक्षा होगी और ढिलाई बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राजपाल मंगलवार को नेहरू सहकार भवन में वीसी के माध्यम से प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहीं थीं। उन्होंने अकृषि ऋणों की वसूली की प्रगति अपेक्षानुरूप नहीं होने पर कड़ी नाराजगी जाहिर की और अधिकारियों को कार्यशैली में सुधार तथा तत्परता लाने की सख्त हिदायत दी। श्रीमती राजपाल ने कहा कि अकृषि क्षेत्र में वितरित किये गए ऋणों की वसूली हेतु आवश्यक प्रयास करें। उन्होंने कम प्रकरणों में नोटिस जारी किए जाने पर अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए।

ग्राम विकास गतिविधि की एक दिवसीय कृषि प्रबोधन कार्यशाला आयोजित

भूमि पूजनः स्वहित, परहित एवं राष्ट्रहित में पुनर्स्थापना की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

जयपुर @ जागरूक जनता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ग्राम विकास गतिविधि के अंतर्गत जयपुर प्रांत में एक दिवसीय कृषि प्रबोधन कार्यशाला का आयोजन मंगलवार को सेवा सदन सभागार में किया गया। अक्षय कृषि परिवार द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में "भूमि सुपोषण एवं संरक्षण–एक जन अभियान" विषय पर गहन चर्चा हुई। कार्यशाला में जयपुर प्रांत के संबंधित कार्यकर्ताओं ने अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर वर्ष 2018 में हैदराबाद में भूमि विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की संस्तुतियों से भी कार्यकर्ताओं को अवगत कराया गया। अक्षय परिवार के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष डॉ. गजानन डांगे ने अक्षय तृतीया से एक माह चलने वाले "भूमि पूजन कार्यक्रम" की जानकारी देते हुए कहा कि भूमि माता को जहर मुक्त बनाने के लिए प्रत्येक गांव में भूमि सुपोषण कार्य आवश्यक है। उन्होंने देसी बीजों के संरक्षण और तेल उत्पादन में आत्मनिर्भरता पर बल देते हुए कहा कि भारत को पुनः तेल का निर्यातक देश बनाने के लिए गांवों में लघु इकाइयां स्थापित करनी होंगी।

शुद्ध आहार - मिलावट पर वार" अभियान : कालंद्री जिला सिरोही में खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्यवाही

170 किलो मावा एवं मावे से निर्मित मिठाइयों को किया नष्ट

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

पिण्डवाड़ा। राज्य सरकार द्वारा आमजन को शुद्ध एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से होली के त्योहार पर सघन निरीक्षण एवं नमूनीकरण का विशेष अभियान चलाया जा रहा है मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सिरोही डॉक्टर दिनेश खराड़ी ने बताया कि होली के त्योहार पर राज्य सरकार द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुसार विशेष अभियान चलाया जा रहा है इसी के अंतर्गत आज दिनांक 4 मार्च 2025 को सिरोही जिले में खाद्य सुरक्षा अधिकारि मुकेश प्रजापत के नेतृत्व में जिले में निरीक्षण एवं नमुनीकरण की कारवाई की गई । जिसमे मैसर्स मां करणी बीकानेर स्वीट्स एंड नमकीन, कलंद्री मिल्क केक के नमूने लिए गए ,मां तनोट राय मिष्ठान भंडार कालंद्री से मावा एवं कलाकंद के नमूने लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश प्रजापत ने बताया कि मां तनोट राय मिष्ठान भंडार पर निरीक्षण के समय लगभग 80 किलो मात्रा में खराब मावा डीप फ्रीजर में रखा हुआ था एवं लगभग 90 किलो मात्रा में मावा मिठाइयां विभिन्न प्रकार की फंगस एवं बदबूदार इकट्ठा की गई थी। जिन्हें मौके पर ही टीम द्वारा नष्ट कराया गया एवं जांच हेतु नमूने लिए गए जिन्हें खाद्य प्रयोगशाला में जांच हेतु भिजवाया जाएगा एवं रिपोर्ट प्राप्त होने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग की करवाई से मिठाई एवं किराना व्यापारी में हड़कंप मच गया एवं काफी दुकानदार अपनी दुकान बंद कर चले गए। सभी खाद्य व्यापारियों को अनिवार्य रूप से खाद लाइसेंस अथवा रजिस्ट्रेशन हेतु निर्देश दिए गए। खाद पदार्थों, मिठाइयों को खुले में नही रखने हेतु पाबंद किया। सभी व्यापारियों को खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के नियमों की पालना हेतु निर्देशित किया गया।

आगामी त्यौहारों को शांतिपूर्ण ढ़ंग से मनाने के लिए कानून व्यवस्था और भाईचारे के लिए सीएस, एसीएस और डीजीपी ने अधिकारियों की बैठक ली

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य में आगामी त्यौहारों को शांतिपूर्वक ढ़ंग से मनाना सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को मुख्य सचिव सुधांश पंत, एसीएस, होम आनंद कुमार और डीजीपी यू. आर. साहू ने सचिवालय से वीसी के माध्यम से सभी सम्भागीय आयुक्त, पुलिस आयुक्त, रेंज आईजी, कलेक्टर और एसपी की बैठक ली, उनके क्षेत्र में कानून व्यवस्था की वर्तमान स्थिति और इसे और मजबूत बनाने के लिए किए जा रहे उपायों का फीडबैक लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि 13 एवं 14 मार्च को होली एवं धूलण्डी, 28 मार्च को जुमातुलविदा, 30 मार्च को चेटीचण्ड एवं हिन्दू नववर्ष एवं 31 मार्च को ईदुलफितर का पर्व मनाया जायेगा। 6 अप्रेल को रामनवमी, 10 अप्रेल को महावीर जयन्ती, 11 अप्रेल को ज्योतिबा फूले जयन्ती, 12 अप्रेल को हनुमान जयन्ती, 13 अप्रेल को वैशाखी, 18 अप्रेल को गुड फाईडे और 29 अप्रेल को परशुराम जयन्ती आदि त्यौहार एवं पर्व आयोजित किये जायेंगे।मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि इन त्यौहारों के दौरान राज्य में साम्प्रदायिक सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए शांति समिति के सदस्यों के साथ बैठकें की जाए। कलक्टर एवं एसपी एक टीम के रूप में अभियान चलाकर जिले में कानून व्यवस्था सुनिश्चित करें। असामाजिक तत्वों की गतिविधियों और सौहार्द बिगाडने की कोशिश करने वालों पर पटवारी, ग्राम सेवक, बीट कांस्टेबल व कम्युनिटी पुलिसिंग के माध्यम से विशेष नजर रखें।

जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) की उदयपुर जिला इकाई

राजदीप पुनः जिलाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

उदयपुर। जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) की उदयपुर जिला इकाई के अध्यक्ष पद पर वरिष्ठ पत्रकार राकेश शर्मा 'राजदीप' पुनः निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

चुनाव अधिकारी व जार के प्रदेश सह संयोजक सुभाष शर्मा ने बताया कि उदयपुर जिला अध्यक्ष पद के चुनाव के तहत 28 फरवरी को नामांकन की तारीख तय की गई थी। दो प्रस्तावक व दो अनुमोदकों के साथ एकमात्र राकेश शर्मा 'राजदीप' का नामांकन प्राप्त हुआ। नामांकन की जांच के बाद सोमवार को उनके निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा की गई। राजदीप के पुनः जिलाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित होने पर जार उदयपुर के संरक्षक नरेश कुमार शर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष कौशल मूंदड़ा, प्रदेश सचिव राजेश वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष नानालाल आचार्य सहित जार सदस्यों ने पगड़ी व उपरणा ओढ़ाकर अभिनंदन किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने होली से पहले तक नवीन कार्यकारिणी के गठन के लिए सदस्यों से स्वेच्छा से आगे आकर दायित्व लेने का आह्वान किया, साथ ही आगामी वर्ष के लिए उन्होंने अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

राजदीप ने कहा कि नवोदित पत्रकारों के साथ अनुभवी पत्रकारों को भी नियमित रूप से अपने क्षेत्र में अध्ययन की आवश्यकता को समझना चाहिए। इसी के तहत जार उदयपुर साल में चार वर्कशॉप का आयोजन करेगा जिसमें पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों सहित नित नए हो रहे नवाचारों की जानकारी से सभी पत्रकार साथी लाभान्वित हो सकेंगे। उन्होंने इसके अतिरिक्त भी जार उदयपुर के बैनर तले पत्रकार परिवार प्रतिभा सम्मान पर भी बात रखी। उन्होंने कहा कि पत्रकार के साथ पूरा परिवार भी उसका सहयोगी होता है, इसलिए जार संगठन में सदैव पत्रकारों के परिवारों का भी जुड़ाव रहे, इसका सशक्त प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सदस्यता अभियान का पहला चरण गत 10 दिसम्बर को पूरा हुआ था, अब शीघ्र ही प्रदेश स्तर से अनुमति प्राप्त करके दूसरा चरण शुरू किया जाएगा जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के पत्रकारों को भी अधिक से अधिक जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर गोपाल लोहार, ओमपाल सीलन, योवंतराज माहेश्वरी, नरेन्द्र कहार, बाबूलाल ओड़, दीपक माली, लक्ष्मण गोरान, दिनेश औदिच्य, पुनीत भटनागर, सतीश मेघवाल आदि ने भी नए जिलाध्यक्ष का अभिनंदन किया।

कृषि में संकट और तनाव विषयक कार्यशाला का समापन

मेवाड़-मारवाड़ का किसान हर हाल से करता है मुकाबलाः डॉ. उमाशंकर

टीवी-रेडियो पर अब प्रसारित होंगे मेवाड़ मॉडल आधारित कृषि कार्यक्रम

उदयपुर। प्रसार भारती कृषि से जुड़े लोगों और खासकर किसानों के लिए 'मेवाड़ मॉडल' को रेखांकित करते हुए ऐसे कार्यक्रम तैयार कर प्रसारण करेगा ताकि कृषक आत्महत्या के लिए मजबूर न हो। उसका जीवन और आजीविका दोनों सुरक्षित रहे। यही नहीं झाबुआ (मध्यप्रदेश) में कड़कनाथ और एमपीयूएटी द्वारा विकसित प्रतापधन मुर्गीपालन को भी देश भर में परिचित कराने संबंधी कार्यक्रम तैयार किए जाएंगे। इसके अलावा संरक्षित खेती, जैविक खेती, प्रकृतिक खेती को भी देश भर में प्रचारित किए जाने की जरूरत हैं। कुल मिलाकर प्रसार भारती से सबद्ध आकाशवाणी और दूरदर्शन एक सशक्त विस्तार कार्यकर्ता की भूमिका निभाते हुए देश के किसानों का कल्याण करने का कार्य करेंगे।

प्रसार शिक्षा निदेशालय में 'कृषि में संकट और तनाव' विषयक पांच दिवसीय कार्यशाला में शिरकत करने वाले बारह राज्यों से रेडियो-दूरदर्शन अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा किए और इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि कृषि क्षेत्र में हो रहे शोध और शिक्षण पर भरपुर काम हो रहा है लेकिन विस्तार कार्यकर्ताओं के अभाव में तकनीक सही मायने में किसानों तक नहीं पहुंच रही है।

कार्यशाला में यह बात भी उभर कर आई कि प्रतिवर्ष सरकार 500 करोड़ रूपए विस्तार पर खर्च कर रही हैं। 180 करोड़ रूपए कृषि दर्शन और कृषि वाणी जबकि करोड़ों रूपए कृषि संबंधी लघु कार्यक्रमों व मासमीडिया पर खर्च कर रही है लेकिन फील्ड में किसानों तक सीधी पहुंच रखने वाले विस्तार कार्यकर्ताओं का सख्त अभाव है। ऐसे में प्रसार भारती की जिम्मेदारी और बढ़ जाती हैं। कार्यशाला में इस बात पर भी सर्वसम्मति बनी कि राजस्थान खासकर मेवाड़ संभाग में जलवायु परिवर्तन या बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद यहां का किसान आत्महत्या नहीं करता, क्योंकि वह खेती के साथ-साथ पशुपालन और एकाधिक फसलों की खेती करता है।

रेडियो- टेलीविजन के लिए 'कृषि में संकट और तनाव' विषयक कार्यक्रमों की अवधारणा और डिजाइन तैयार करने तथा प्रसारण के लिए पांच दिवसीय कार्यशाला सोमवार को सपन्न हो गई। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली (आईसीएआर) के अधीन कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी) जोन द्वितीय, जोधपुर तथा राष्ट्रीय प्रसारण एवं मल्टीमीडिया प्रसार भारती, नई दिल्ली (एनएबीएम) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला की मेजबानी प्रसार शिक्षा निदेशालय, एमपीयूएटी ने की।

कार्यशाला के समापन समारोह के मुख्य अतिथि एमपीयूएटी के पूर्व कुलपति डॉ. उमाशंकर शर्मा ने कहा कि कृषि में संकट और तनाव को राजस्थान खासकर मेवाड़ और मारवाड़ का किसान बखूबी जानता है। मारवाड़ में अत्यल्प वर्षा के बावजूद किसान हार नहीं मानता। यही नहीं सीमावर्ती जिलों के युवा सेना में बड़ी संख्या में भर्ती होते हैं। ऐसे युवा देश के लिए जान तक न्योछावर कर देता है लेकिन यहां का किसान ऐसे संकट और तनाव को भी सहन कर जाता है। जलवायु परिवर्तन की बात करें तो बांसवाड़ा में माही डेम बनने के बाद पाला कम पड़ने लगा। ऐसे में बांसवाड़ा में किसान रबी मक्का की फसल भी लेने लगे जो एक हैक्टर में 80 क्विंटल तक उत्पादन देती हैं। इसके अलावा प्रतापधन मुर्गी पालन भी किसानों को खूब संबल देती है। महज दो माह में ही इसमें छह किलों मांस हो जाता हैं। इसका अंडा भी 25 रूपए प्रतिनग बिकता हैं। प्रसार भारती की अतिरिक्त महानिदेशक अनुराधा अग्रवाल ने कहा कि आकाशवाणी-दूरदर्शन केन्द्र रेतीली फसल एपीसोड तैयार करेंगे। कार्यशाला में कृषि उत्पादों में क्या कुछ नया हो रहा है, विस्तृत सीखने को मिला। देश के अन्यत्र राज्यों में भी इस तरह के कार्यक्रमों के प्रसारण से किसानों के मार्गदर्शन का काम प्रसार भारती करेगा।

अटारी जोधपुर के निदेशक डॉ. जे.पी. मिश्रा ने कहा कि संकट को संकट ही बना रहने देंगे तो समाधान संभव नहीं हैं। बदलाव एकाएक किसी को रास नहीं आता है लेकिन बदलाव जरूरी है तभी संकट का समाधान हो पाएगा। आरंभ में प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एल. सोनी ने स्वागत भाषण दिया तथा संचालन प्रोफेसर डॉ. लतिका व्यास ने किया।

शर्मा, गुप्ता का किया अभिनंदन

विश्व आयुर्वेद परिषद के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष डॉ. राकेश शर्मा और आरोग्य भारती के जोधपुर प्रांत के नवनियुक्त अध्यक्ष प्रो. गोविंद गुप्ता का साफा पहनाकर किया अभिनन्दन

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जोधपुर। विश्व आयुर्वेद परिषद के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष डॉ. राकेश शर्मा और आरोग्य भारती के जोधपुर प्रांत के नवनियुक्त अध्यक्ष प्रो. गोविंद गुप्ता का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्व आयुर्वेद परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला की उपस्थिति में अभिनंदन कार्यक्रम हुआ, जिसमें दोनों नवनियुक्त अध्यक्षों का साफा पहनाकर स्वागत किया गया।विश्व आयुर्वेद परिषद की राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक में डॉ. राकेश कुमार शर्मा को राजस्थान का नया प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया गया। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. किशोरीलाल शर्मा को अब राष्ट्रीय कार्यकारिणी में विद्यार्थी प्रकोष्ठ प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रो. गोविंद गुप्ता वर्तमान में जोधपुर आयुर्वेद विवि में रोग निदान विभागाध्यक्ष और छात्र कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

डॉ. राकेश शर्मा वर्तमान में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर में स्नातकोत्तर विभाग, शरीर रचना विज्ञान में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। इसके अलावा, वे विश्वविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर, "नेक-आईक्यूएसी" के चेयरमैन, मानव संसाधन विकास केंद्र के डायरेक्टर, अब्दुल कलाम केंद्रीय पुस्तकालय के डायरेक्टर है ।

इस अवसर पर प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला (राष्ट्रीय अध्यक्ष, विश्व आयुर्वेद परिषद)" ने कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीन विरासत है, जिसे वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए हमें संगठित होकर कार्य करना होगा। डॉ. राकेश शर्मा और प्रो. गोविंद गुप्ता जैसे समर्पित विद्वानों का नेतृत्व परिषद के उद्देश्यों को सशक्त बनाएगा। हमें आधुनिक विज्ञान के साथ तालमेल रखते हुए आयुर्वेद को और अधिक प्रभावी बनाना है। साथ ही प्रो. गोविंद गुप्ता (अध्यक्ष, आरोग्य भारती, जोधपुर प्रांत) ने कहा कि "स्वस्थ समाज का निर्माण हमारा मुख्य उद्देश्य है। आयुर्वेद के माध्यम से हम न केवल रोगों का उपचार कर सकते हैं, बल्कि संपूर्ण आरोग्य को भी सुनिश्चित कर सकते हैं। हमें जनता को आयुर्वेद अपनाने के लिए प्रेरित करना होगा और इसके वैज्ञानिक पक्ष को भी उजागर करना होगा।"

अंत में डॉ. राकेश शर्मा (प्रदेशाध्यक्ष, विश्व आयुर्वेद परिषद, राजस्थान) परिषद का आभार व्यक्त करते हुए कहा की मेरा संकल्प रहेगा कि आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार, शोध एवं चिकित्सा सेवाओं को और अधिक प्रभावशाली बनाया जाए। राजस्थान को आयुर्वेदिक चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए मैं पूरी निष्ठा से कार्य करूंगा।

इस अवसर पर डॉ देवेन्द्र सिंह चहार, डॉ राजाराम अग्रवाल, डॉ नीलिमा रेड्डी ,डॉ दिनेश चंद शर्मा, डॉ मनीष गोयल उपस्थित रहे और कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने नव-नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

माटी कला कामगारों को विद्युत चालित चाक व मिट्टी गूंथने की मशीन का किया निः शुल्क वितरण

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। हनुमानगढ जिले के रावतसर में मंगलवार को माटी कला कामगारों के लिए श्रीयादे माटी कला बोर्ड द्वारा विद्युत चालित चाक व मिट्टी गूंथने की मशीन का वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बोर्ड के चैयरमैन प्रहलाद राय टाक ने कहा कि राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार ने कुटीर एवं ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा देने की दिशा में मिट्टी कामगारों को स्वालंबी बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसके तहत हनुमानगढ जिले में लॉटरी द्वारा चयनित 20 कामगारों को 11 फरवरी से 20 फरवरी तक हनुमानगढ में आयोजित 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण दिया गया तथा स्वरोजगार को बढावा देने हेतु पात्र लाभार्थियों को मशीनों का निःशुल्क वितरण किया गया। कार्यक्रम में हनुमानगढ से भाजपा जिला अध्यक्ष प्रमोद डेलू, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष बलवीर बिश्नोई, पीलीबंगा के पूर्व विधायक धर्मेन्द्र मोची, बीजेपी ओबीसी मोर्चा हनुमानगढ़ के जिला अध्यक्ष पवन बागोरिया, हनुमानगढ भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सुशील जोशी, नगर पालिका अध्यक्ष सोना देवी उपस्थित रहे।

कृषि में जल उत्पादकता बढ़ाने पर प्रशिक्षण

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के अनुसंधान निदेशालय द्वारा संचालित अखिल भारतीय समन्वित सिंचाई जल प्रबंधन अनुसंधान परियोजना के अर्न्तगत कृषि अनुसंधान उप केन्द्र, वल्लभनगर पर कृषि में जल उत्पादकता बढाने के लिए दो दिवसीय किसान प्रशिक्षण का शुभारम्भ केन्द्र के प्रभारी अधिकारी एवं परियोजना अधिकारी प्रोफेसर के.के. यादव ने किया । प्रोफेसर यादव ने फव्वारा पद्वति से सिंचाई विषय पर किसानों को सिंचाई जल की बचत करते हुए फसलों की पैदावर बढाने के तरीकों पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। कृषि महाविद्यालय उदयपुर के उद्यानिकी प्रोफेसर श्रीधर सिंह लखावत ने फलदार पौधों में ड्रिप पद्वति से सिंचाई विषय पर किसानों को जानकारी दी एवं गर्मी के मौसम में फलदार पौधो में सिंचाई जल की आवश्यकता एवं उनके रखरखाव पर प्रकाश डाला। प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी महाविद्यालय उदयपुर के तकनिकी सहायक दामिनी आर्य ने सिचाई जल की प्रयोगशाला जांच करवाने पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के अन्त में केन्द्र के फार्म मेनेजर धनपाल कोठारी, मनीश उज्जवल, सेवानिवृत्त कृषि अधिकारी नाथुलाल कुम्हार ने भी सिंचाई जल प्रबंधन पर अपने विचार व्यक्त किये।

'एक राष्ट्र एक चुनाव' विषय पर जन जागरूकता के लिए भार्गव के नेतृत्व में 29 सदस्यों की टीम गठित

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' विषय पर जन जागरूकता के लिए एक प्रदेश स्तरीय टीम की घोषणा की गई है। टीम में प्रदेश संयोजक सुनील भार्गव को तथा सह संयोजक प्रो. महेंद्र सिंह राठौड़ को बनाया गया है। टीम के प्रदेश संयोजक सुनील भार्गव ने बताया कि प्रदेश स्तरीय टीम में संयोजक, सह संयोजक के अलावा 27 सदस्य भी शामिल किए गए है। इनमें भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल,लाडपुरा कोटा विधायक कल्पना कुमारी, भाजपा प्रदेश मीडिया विभाग संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, सोशल मीडिया संयोजक हीरेंद्र कौशिक, आईटी विभाग संयोजक अविनाश जोशी, आई टी सह संयोजक विकास शर्मा, संभाग मीडिया प्रभारी आकाश शर्मा, पूर्व प्रदेश मंत्री जगबीर छाबा,अजमेर उप महापौर नीरज जैन, सिरोही भाजपा जिलाध्यक्ष रक्षा भंडारी, भाजपा प्रदेश युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची सहित विभिन्न जिलों के लोगों को शामिल किया गया है। टीम के प्रदेश संयोजक सुनील भार्गव ने बताया कि "एक राष्ट, एक चुनाव" के विचार को एक साथ चुनाव के रूप में भी जाना जाता है, जो लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक ही साथ कराने का प्रस्ताव प्रस्तुत करता है। इससे मतदाता अपने निर्वाचन क्षेत्रों में एक ही दिन सरकार के दोनों स्तरों के लिए अपने मत डाल सकेंगे। इसका मुख्य उद्देश्य चुनावों के लिए किए जाने वाले प्रबंध से जुड़ी चुनौतियों का समाधान करना, इसमें लगने वाले खर्च को घटाना और लगातार चुनावों के कारण कामकाज में होने वाले व्यवधानों को कम करना है। प्रदेश सह संयोजक प्रो महेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि एक राष्ट एक चुनाव के जन जागरूकता के लिए पहले प्रदेश स्तरीय टीम का गठन किया गया है, इसके बाद संभाग और फिर जिला स्तरीय टीम का भी गठन किया जाएगा। टीम के सदस्य प्रदेशभर में एक राष्ट एक चुनाव के लिए आमजन में जन जागरूकता लाने का कार्य करेंगे। इसके लिए संगोष्ठियां, मैराथन, सभाएं, बुद्धिजीवी वर्ग के साथ चर्चा जैसे कार्यक्रम किए जाएंगे।

खाटू श्याम जी में 12 जून को आयोजित होगा अंतर्राष्ट्रीय द्वितीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह

देश विदेश में निवासरत अग्रवाल समाज की 36 विभूतियां होंगी अग्र विभूति अलंकरण से सम्मानित -मित्तल

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

कोलकाता। अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के बीते वर्ष 8 जून को कोलकाता में संपन्न प्रथम अंतर्राष्ट्रीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह की अपार सफलता को देखते हुए द्वितीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन केंद्रीय मुख्यालय के तत्वाधान एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राज कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला इकाई मथुरा एवं मथुरा महानगर जिला इकाई के आतिथ्य में 12 जून 2025 को राजस्थान की पावन धरा बाबा श्याम की नगरी खाटू धाम, राजस्थान में श्याम अर्पण छत्तीसगढ़ भवन, कोतवाली रोड, खाटूश्याम जी के सभागार में आयोजित किया जाएगा। इस अग्र विभूति अलंकरण समारोह में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अग्रवाल समाज के 36 अलग-अलग क्षेत्र में कार्य करने वाली अग्र कुल की ख्याति नाम प्रतिभावान हस्तियों को अग्र अलंकरण से सम्मानित किया जाएगा। यह अलंकरण सम्मान अग्रवाल समाज के सम्माननीय प्रायोजक परिवारों के सहयोग से किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा अलंकरण हेतु जो 36 क्षेत्र निर्धारित किए गए हैं, उसमें भी आप सम्माननीय बंधुवर या की अग्रवाल समाज का ऐसा कोई भी व्यक्ति,संस्था जिन्होंने उस निर्धारित क्षेत्र में अग्रणी स्थान रखते हुए सर्वश्रेष्ठ कार्य किया है,वे भी प्रतिभागी के रूप में अपना आवेदन राष्ट्रीय संयोजक, अग्र विभूति अलंकरण 2025 उमा बंसल, कोरबा (छत्तीसगढ़) व केंद्रीय मुख्यालय कोलकाताः 9775791111 पर भी कर सकते हैं, हमें आशा और विश्वास है कि इस द्वितीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह को सफल बनाने में आप सभी का सक्रिय योगदान मिलेगा।

कार्यक्रम में **बहुमुखी प्रतिभा पुरस्कार**-बहुमुखी व्यक्तित्व के धनी को उत्कृष्ट कार्यो के लिए समाजिक राजनैतिक, धार्मिक, व्यापार एवं उद्योगद्ध में सक्रिय योगदान के लिए . स्मृतिशेष बाबूराम अग्रवाल एवं शिव चरणदास अग्रवाल की पुण्य स्मृति में ट्रस्टी राजेश अग्रवाल, हांसी पेड़े वाले-हिसार हरियाणा की ओर से

उद्यमी पुरस्कार . उद्योग एवं व्यापार के क्षेत्र में परचम लहराने पर . स्मृतिशेष नरमा देवी मित्तल एवं रामकुमार मित्तल की पुण्य स्मृति में ट्रस्टी राजकुमार मित्तल आरकेएम ग्रुप आसनसोल पश्चिम बंगाल की ओर से

अग्रमहिला उद्यमी पुरस्कार . राष्ट्रीय स्तर पर उद्योग व व्यापार के क्षेत्र में महिला उद्यमी द्वारा परचम लहराने पर . मनोज अग्रवाल, राजू सुपारी, हैदराबाद तेलंगाना की ओर से

युवा उद्यमी पुरस्कार . राष्ट्रीय स्तर पर उद्योग के क्षेत्र में परचम लहराने वाले 45 वर्ष तक के अग्रवंशी युवाओं को प्रोत्साहन स्वरूप . लीलाधर सुल्तानिया हरि केसरी राइस ब्रान ऑयल बनारी, जांजगीर छत्तीसगढ़ की ओर से

गौरव पुरस्कार . यूपीएससी में चयन पर अग्रकुल के उत्कृष्ट को . स्मृतिशेष स्वर्णलता अग्रवाल एवं रामकुमार अग्रवाल की पुण्य स्मृति में सुपुत्र भूषण जीए महेश एवं बुद्धिश अग्रवाल फर्म .जगदीप फाउंड्री ग्रुप बटाला, पंजाब की ओर से

महिला रत्न पुरस्कार . विधि एवं न्याय के क्षेत्र में न्यायिक सेवाए एवं अधिवक्ता के रूप में सर्वश्रेष्ठ सामाजिक सेवाएं देने वाली महिलाओं को .स्मृतिशेष माता बिमलेश सिंघल पिता राम अवतार सिंघल खदर वाले की पुण्य स्मृति में कर्मठ समाज सेवी धर्मानुरागी इन्दु गुप्ता अवध किशोर गुप्ता मेरठ उत्तर प्रदेश की ओर से

खाटू श्याम भक्ति सम्मान पुरस्कार - 1000 किलोमीटर या अधिक की पदयात्रा कर बाबा खाटूश्याम के चरणों में निशान अर्पित करने वाले पैदल यात्री को -जय प्रकाश अग्रवाल सुमित अग्रवाल एवं सचिन अग्रवाल फर्म रेडॉन लिथियम इंडस्ट्रीज बंगलोर कर्नाटक की ओर से

शिरोमणि पुरस्कार. समाज सेवा के क्षेत्र में जीवन पर्यंत काम करने पर. स्मृतिशेष दादा राधे लाल अग्रवाल ;सूत वालेद्धए स्मृतिशेष पिता जगदीश प्रसाद गुप्ता साइकिल वाले, एवं माता बिशनो देवी की पुण्य स्मृति में ट्रस्टी अवध किशोर गुप्ताए इन्दु गुप्ता, गौरव गुप्ता, डिम्पी गुप्ता, उत्कर्ष गुप्ताए अतीन अग्रवाल सुशालिनी अग्रवाल, रेयांश अग्रवाल मेरठ उत्तरप्रदेश की ओर से इस पुरस्कार के लिए अवधि सीमा का बंधन नहीं है।

अलंकरण पुरस्कार . सर्वश्रेष्ठ सामाजिक प्रकाशन, पत्रिका, खोजपत्रकारिता या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए . स्मृतिशेष बाबूलाल अग्रवाल की पुण्य स्मृति में सुपुत्र 1008 महामंडलेश्वर डॉ राजनंद योगी, डॉ. राजकुमार अग्रवाल, ज्योतिषाचार्य, इंदौर मध्यप्रदेश की ओर से

श्याम सेवक पुरस्कार . श्याम बाबा के अनन्य भक्त शिरोमणि को. स्वर्गीय मनी देवी बंसल एवं रामेश्वर दास बंसल, दादाजी-दादी की पुण्य स्मृति में सुपौत्र कृष्ण कुमार बंसलए श्याम बाला बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड दिल्ली की ओर से

भामाशाह पुरस्कार . अस्पताल, धर्मशाला एवं शिक्षण संस्थान सेवा भाव के उदेश से निर्माण एवं पूर्ण होने पर . स्मृतिशेष सावित्री देवी एवं सेढूराम अग्रवाल की पुण्य स्मृति मे सुपुत्र पवन कुमार अग्रवाल हिंद ग्रुप बिलासपुर, छत्तीसगढ़ की ओर से

गौ सेवा पुरस्कार . गौ सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर. स्मृतिशेष लखनलाल अग्रवाल की स्मृति में फर्म डी. मनोहरलाल द्वारा . सुरेश अग्रवाल 'भाई शक्ति' छत्तीसगढ़ की ओर से

पर्यावरणविद पुरस्कार . पर्यावरण एवं स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर. स्मृतिशेष रामदास अग्रवाल की पुण्य स्मृति में सुपुत्र ट्रस्टी सुनील रामदास अग्रवालए रायपुर छत्तीसगढ़ की ओर से

जीनियस पुरस्कार . शिक्षा या समकक्ष क्षेत्र गोल्ड मेडलिस्ट. प्रहलाद राय एंड संस चंद्रपुर जिला. शक्ति छत्तीसगढ़ की ओर से

शिक्षा भूषण पुरस्कार-CBSE/ISC में श्रेष्ठ को पवन कुमार सुल्तानिया, झारसुगुड़ा उड़ीसा की ओर से

अग्र रत्न पुरस्कार . राजनैतिक क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलता अर्जित करने पर. बड़े बहनोई, स्मृतिशेष किशन चंद ऐरन पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री, अखिल भारतीय हिंदू महासभा दिल्ली, निवासी, ग्वालियर म.प्र. एवं पूज्य माता स्मृतिशेष नर्मदा देवी सिंघल की पुण्य स्मृति में रामेश्वर दयाल सिंघल रम्मी भारती जी ग्वालियर मध्यप्रदेश की ओर से

दूत पुरस्कार . भगवान अग्रसेन के मंदिर निर्माण एवं मूर्ति स्थपना हेतु संस्थाए परिवार या व्यक्तिगत . स्मृतिशेष सीता देवी मोदी एवं किशन लाल मोदी की पुण्य स्मृति अशोक कुमार मोदी, संजय मोदी एवं राजा मोदी कोरबा छत्तीसगढ़, की ओर से

अग्रसेन माधवी पुरस्कार . महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर. स्मृतिशेष पिताप्रभुराम अग्रवाल 'फर्म : ऑटो सेंटर ग्रुप, महिंद्रा शोरूम, कोरबा छत्तीसगढ़ और वी पी हुंडईए बिलासपुर, छत्तीसगढ़, की पुण्य स्मृति में सुपुत्र ट्रस्टी पवन अग्रवाल, संजय अग्रवाल, कोरबा 'छत्तीसगढ़' की ओर से

सेवा दूत पुरस्कार- समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों पर. मेसर्स रुक्मणि पावर एंड स्टील प्राइवेट लिमिटेड, खरसिया छत्तीसगढ़ की ओर से

प्रयागराज महाकुम्भ उत्कृष्ट सेवा पुरस्कार . वर्ष 2025 के प्रयागराज महा कुम्भ में अग्रवाल समाज की संस्था या व्यक्तियों द्वारा आगुंतक श्रद्धालुओं के लिए किये जाने वाले उत्कृष्ट सेवा के कार्य हेतु, स्मृतिशेष ओमप्रकाश गोयल खरकिया की पुण्य स्मृति में सुभाष स्वप्निल गोयल ड्रग डील गोयल परिवार अम्बिकापुर, सरगुजा छत्तीसगढ़, की ओर से

अप्रवासी भारतीय गौरव पुरस्कार. भारत से बाहर विदेशों में रहकर या बिदेशो में रचनात्मक शिक्षा, धार्मिक एवं अन्य समाज के कामों को सक्रियता से गति देने वाले लोगों के लिए. हर्षवर्धन गोयल, सिंगापुर की ओर से

बाल गौरव पुरस्कार . अग्रकुल के बच्चों में छुपी हुई प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने हेतु स्वर्ण खेमचंद निंगानिया की पुण्य स्मृति में फर्म. सेढूराम खेमचंद निंगानिया, पैलेस रोड, सक्ति छत्तीसगढ़ की ओर से

संस्था पुरस्कार . उत्कृष्ट कार्यो एवं सक्रियता से अग्रवाल संस्था के रूप में समाजिक कार्यो को कर अपनी पहचान बनाने पर -स्मृतिशेष पूज्य माता.पिता सरवती देवी एवं मामचंद अग्रवाल के पुण्य स्मृति में श्रवण कुमार अग्रवाल मित्तल धरमगढ़ कालाहांडी उड़ीसा की ओर से

धनवंतरी पुरस्कार . स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में अमूल्य सेवाओं के लिए . स्मृतिशेष पुरषोत्तम टीबडेवाल दादा एवं स्मृतिशेष प्रवीण केजरीवाल जीजा की पुण्य स्मृति में शिवनंदन प्रसाद टीबड़ेवाल के प्रेरना से सुपुत्र ट्रस्टी हिमांशु गोयलए महागमा झारखण्ड की ओर से

खेल रत्न पुरस्कार . खेलकूद के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच सफलता अर्जित करने पर . स्मृतिशेष गीता देवी अग्रवाल एवं बासुदेव अग्रवाल की पुण्य स्मृति में सुनीता अग्रवाल ZIVASS, G.B.ENTERPRISES रायगढ़ छत्तीसगढ़ की ओर से

विलक्षण प्रतिभा पुरस्कार . अग्रकुल के बच्चों में अद्वितीय प्रतिभा प्रदर्शन या राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त को ; माताकी पुण्य स्मृति में कमला हरि फाउंडेशन की ओर से अरुणा दिनेश अग्रवाल बिलासपुर 'छत्तीसगढ़' की ओर से

दिव्यांग सेवा पुरस्कार . सर्व वर्ग के दिव्यांगों के कल्याण हेतु उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को . इंद्रचंद बंसल एवं स्मृतिशेष सुशीला बंसल की प्रेरणा से सुपुत्र ट्रस्टी प्रवीण बंसलए हिसार हरियाणा की ओर से

रक्त वीर पुरस्कार . रक्तदान के क्षेत्र में सर्वाधिक रक्तदान करने वाले रक्तबीर एवं समाजिक संस्थाओ को . सुनील कुमार गुप्ताए दिल्ली की ओर से

लाला लाजपत राय पुरस्कार . सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर अपनी पहचान स्थापित करने वाले सदस्य एवं संस्था को . राम प्रसाद सराफ, कोलकाता पश्चिम बंगाल की ओर से

अग्र शिक्षा अलंकरण पुरस्कार JEE/ NEET/ CAT या समकक्ष में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले अग्रकुल के प्रतिभावान बच्चो के लिए . ट्रस्टी उपमा अग्रवाल बिलासपुर छत्तीसगढ़ की ओर से

श्रेष्ठ पुरस्कार . राष्ट्रीय स्तर पर विगत 10 वर्षो से वैवाहिक परिचय सम्मेलनों का सफल आयोजन कर अग्रणी भूमिका निभाने वाली सामाजिक संस्थाओ को . मेसर्स सुभाष अग्रवाल स्वर्णभूमि रायपुर छत्तीसगढ़ की ओर से

विज्ञान रत्न पुरस्कार . विज्ञान एवं अनुसंधान के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ सफ़लता अर्जित करने वाले समाज के सदस्य को . स्मृतिशेष धनपत राय अग्रवाल की स्मृति में पुत्रवधु एवं पुत्र सुषमा वासुदेव अग्रवाल, नागपुर महाराष्ट्र की ओर से

सेठ जमना लाल बजाज पुरस्कार . राजस्थानी भाषा को आठवीं सूची में शामिल करवाने एवं राजस्थानी धरोहर के उत्थान हेतु सतत प्रयासरत राष्ट्रीय स्तर की सर्वश्रेष्ठ सामाजिक संस्था या व्यक्तियों को . विनय सीमा डालमिया, चांचल पश्चिम बंगाल की ओर से

अंतर्राष्ट्रीय खेल रत्न पुरस्कार . अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अग्र कुल के प्रतिभावान बच्चो द्वारा खेल कूद में पुरस्कार अर्जित करने पर. अनुराग गर्ग भरतपुर राजस्थान की ओर से

साहित्य पुरस्कार . साहित्य, कविता, लेखनी की उल्लेखनीय उपलब्धि पर उत्कृष्ट समाज सेवी को- संजीव खेमका, औरंगाबाद बिहार की ओर से

संस्कृति दूत पुरस्कार . संगीत, कला, नृत्य एवं संस्कृति में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया जायेगा।

डेलीगेट्स ने जयपुर की हेरिटेज साइट्स का किया अवलोकन, शहरी अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सीएसआईआर और आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के बीच हुआ एमओयू

2050 तक भारत की सर्कुलर अर्थव्यवस्था 2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का बाजार और लगभग 10 मिलियन नौकरियां पैदा कर सकती है- यादव

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा की वर्ष 2050 तक भारत की सर्कुलर अर्थव्यवस्था 2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का बाजार और लगभग 10 मिलियन नौकरियां पैदा कर सकती है। वहीं वैश्विक स्तर की बात करें तो यह सर्कुलर अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 4.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का अतिरिक्त आर्थिक उत्पादन कर सकती है।

भूपेंद्र यादव मंगलवार को जयपुर में चल रहे भारत और प्रशांत क्षेत्र के 12वें क्षेत्रीय 3आर और सर्कुलर इकोनॉमी फोरम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सर्कुलर अर्थव्यवस्था 250 साल पहले हुई औद्योगिक क्रांति के बाद व्यापार में सबसे बड़े परिवर्तनों को सामने लाएगी और उत्पादन तथा उपभोग के अब तक चले आ रहे पारंपरिक मॉडल 'टेक, मेक, वेस्ट' में क्रांतिकारी परिवर्तन करेगी।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत वर्ष 2026 में विश्व सर्कुलर इकोनॉमी फोरम के आयोजन के लिए उम्मीदवार है। उन्होंने कहा कि हर साल, विश्व सर्कुलर इकोनॉमी फोरम का आयोजन किया जाता है और इस वर्ष, 2025 में इसका आयोजन ब्राजील के साओ पाउलो में किया जा रहा है। भारत ने विश्व सर्कुलर इकोनॉमी फोरम 2026 की मेजबानी करने की इच्छा व्यक्त की है। 2030 और उससे आगे की ओर देखते हुए, इस फोरम को वास्तविक परिवर्तन लाना चाहिए।

यादव ने कहा कि भारत प्लास्टिक अपशिष्ट चुनौतियों और उनके संबंधित पारिस्थितिक प्रभावों को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम (2016) के जरिए नगरपालिका, औद्योगिक, आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्रों को लक्षित करते हुए महत्वपूर्ण उपाय किए गए हैं। भारत ने 2022 में अधिसूचना के माध्यम से एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक की कुछ श्रेणियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके साथ ही मिशन 'लाइफ' पहल के साथ जुड़ते हुए MoEFCC ने ऊर्जा दक्षता और सर्कुलर अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों को बढ़ावा देते हुए पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों की मांग बढ़ाने के लिए इको-मार्क नियम लागू किए है।

केंद्रीय मंत्री यादव ने बताया कि 10 अपशिष्ट श्रेणियों के लिए सर्कुलर इकोनॉमी एक्शन प्लान को अंतिम रूप दिया गया है, जिसके लिए विनियामक और कार्यान्वयन रूपरेखा पर काम चल रहा है। श्री यादव ने कहा कि देश में एक मजबूत रीसाइक्लिंग उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है जो अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान देगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण, सामाजिक और आर्थिक आयामों में सतत विकास के लिए, हमें राष्ट्रीय आवश्यकताओं, प्राथमिकताओं और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सभी क्षेत्रों में 3आर और सर्कुलर अर्थव्यवस्था सिद्धांतों को एकीकृत करना चाहिए सर्कुलर अर्थव्यवस्था के सिद्धांत भारत की सांस्कृतिक विरासत के साथ गहराई से जुड़े हुए हैं। यह 'वसुधैव कुटुम्बकम' के प्राचीन ज्ञान में परिलक्षित भी होता है।

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव श्रीनिवास कथीकला और राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने आज संयुक्त रूप से एक महत्वपूर्ण सत्र की अध्यक्षता की, जिसमें अपशिष्ट प्रबंधन और सर्कुलर इकोनॉमी पहलों को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस सत्र में भारत के अपशिष्ट प्रबंधन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से कई प्रमुख रिपोर्टों, बेस्ट प्रैक्टिसेज और महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

एसबीएम वेस्ट टू वेल्थ पीएमएस पोर्टल का शुभारंभ

सत्र का एक प्रमुख आकर्षण एसबीएम वेस्ट टू वेल्थ पीएमएस पोर्टल का शुभारंभ था, जो स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) के तहत विकसित एक अभिनव ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है। पोर्टल को परियोजना निगरानी को बढ़ाने, डेटा प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने और संसाधन साझा करने की सुविधा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे वेस्ट टू वेल्थ के मिशन के व्यापक उद्देश्य का समर्थन किया जा सके। यह पहल सतत शहरी विकास और प्रभावी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

आईएफसी डॉक्यूमेंट रेफरेंस गाइड का विमोचन

सत्र में आईएफसी डॉक्यूमेंट रेफरेंस गाइडः बिजनेस मॉडल्स एंड इकोनॉमिक असिस्टेंस फॉर म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट (एमएसडब्ल्यू) प्रोजेक्ट्स का विमोचन भी किया गया। यह गाइड अपशिष्ट से बिजली बनाने, बायोमेथेनेशन और बायोरेमेडिएशन सहित एमएसडब्ल्यू प्रसंस्करण के लिए व्यावसायिक मॉडलों में व्यापक जानकारी प्रदान करती है। यह दस्तावेज़ नगरपालिकाओं और निजी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में कार्य करेगा।

सीएसआईआर और आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के बीच एमओयू

कचरा प्रबंधन में वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, काउन्सिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च और आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। यह साझेदारी भारत भर में शहरी कचरा प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ाने के लिए अनुसंधान-संचालित समाधान और नवीन तकनीकों की सुविधा प्रदान करेगी।

'इंडियाज सर्कुलर सूत्र' का विमोचन

कार्यक्रम में 'इंडियाज सर्कुलर सूत्रः अ कम्पेनडियम ऑफ बेस्ट प्रैक्टिसेज इन 3आर एंड सर्कुलर इकोनॉमी' का विमोचन किया गया। यह संग्रह रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकिल (3आर) ढांचे में सफल केस स्टडी और अभिनव प्रयोगों को प्रस्तुत करता है, जो सर्कुलर इकोनॉमी समाधानों को लागू करने के इच्छुक शहरी निकायों और हितधारकों के लिए रिसोर्स प्रदान करता है। ये पहल टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देने, नवाचार को प्रोत्साहित करने और सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देने के भारत के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दस लाख से ज़्यादा आबादी वाले शहरों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर सीईईडब्ल्यू रिपोर्ट

इस सत्र में ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद (सीईईडब्ल्यू) ने अपना नवीनतम अध्ययन प्रस्तुत किया, जो दस लाख से ज़्यादा आबादी वाले शहरों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम) प्रथाओं पर विस्तृत दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। रिपोर्ट में टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन रणनीतियों, सर्कुलर इकोनॉमी सिद्धांतों और विकेंद्रीकृत समाधानों पर प्रकाश डाला गया है जिससे भारत के तेज़ी से शहरीकृत हो रहे क्षेत्रों को उनकी अनूठी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया जा सकता है।

डेलीगेट्स का तकनीकी और हेरिटेज साइट्स का दौरा

डेलीगेट्स ने जयपुर में प्रमुख अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छता सुविधाओं का तकनीकी दौरा किया, जिसमें लांगरियावास में अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र और सैनिटरी लैंडफिल साइट और देहलावास सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट शामिल हैं। इन यात्राओं से अभिनव अपशिष्ट प्रसंस्करण तकनीकों, अपशिष्ट से ऊर्जा पुनर्प्राप्ति और कुशल सीवेज उपचार तंत्रों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी मिली। तकनीकी यात्राओं के अलावा, प्रतिनिधियों ने जयपुर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का भी लुत्फ उठाया, जिसमें हवा महल, सिटी पैलेस, अल्बर्ट हॉल और पत्रिका गेट जैसे प्रतिष्ठित स्थल शामिल थे। इन विरासत यात्राओं ने शहर की स्थापत्य भव्यता और ऐतिहासिक महत्व की झलक पेश की, जो एक समग्र अनुभव प्रदान करता है जो शहरी बुनियादी ढांचे की प्रगति को राजस्थान की जीवंत सांस्कृतिक विरासत के साथ जोड़ता है।

प्रधानमंत्री की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बजट पश्चात वेबिनार

एमएसएमई भारत के औद्योगिक विकास का आधारः मोदी

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को भारत के विनिर्माण और औद्योगिक विकास का आधार बताते हुये आज कहा कि वर्ष 2020 में सरकार ने 14 वर्षों के बाद एमएसएमई की परिभाषा को संशोधित करने का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया, जिससे एमएसएमई का यह भय समाप्त हो गया कि यदि वे अपने क्षेत्र का विस्तार करेंगे तो सरकारी लाभ खो देंगे।

प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बजट पश्चात वेबिनार को संबोधित किया। ये वेबिनार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को विकास का इंजन बनाने, विनिर्माण, निर्यात और परमाणु ऊर्जा मिशन, विनियामक, निवेश और व्यापार करने में आसानी जैसे विषयों पर आयोजित किए गए। प्रधानमंत्री ने कहा कि विनिर्माण और निर्यात पर बजट पश्चात वेबिनार बहुत महत्वपूर्ण हैं। इस बजट को सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट बताते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस बजट का सबसे उल्लेखनीय पहलू इसके अपेक्षित परिणाम है। श्री मोदी ने कहा कि सरकार ने कई क्षेत्रों में विशेषज्ञों की अपेक्षा से कहीं बढ़कर कदम उठाए हैं और इस बजट में विनिर्माण और निर्यात के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि देश में एमएसएमई की संख्या बढ़कर 6 करोड़ से अधिक हो गई है, जिससे करोड़ों लोगों को रोजगार के अवसर मिले हैं। इस बजट में एमएसएमई की परिभाषा को और अधिक विस्तारित किया गया है ताकि उनके निरंतर विकास में विश्वास पैदा हो सके। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं के लिए रोजगार के अधिक अवसर पैदा होंगे, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि एमएसएमई के सामने सबसे बड़ी समस्या ऋण प्राप्त करने में कठिनाई थी। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले एमएसएमई को लगभग 12 लाख करोड़ का ऋण मिला था, जो अब बढ़कर लगभग 30 लाख करोड़ रुपये हो गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बजट में एमएसएमई ऋणों के लिए गारंटी कवर को दोगुना करके 20 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

'मियां-तियां' और पाकिस्तानी' बोलना नहीं है अपमानजनक

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि 'मियाँ-तियाँ' या 'पाकिस्तानी' कहना भले ही गलत हो, लेकिन यह धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने का अपराध नहीं है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने एक सरकारी कर्मचारी को 'पाकिस्तानी' कहने के आरोपी एक व्यक्ति के खिलाफ मामला बंद करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह अहम फैसला सुनाया।

उर्दू अनुवादक ने दर्ज करवाया था मामला

शिकायत झारखंड के एक उर्दू अनुवादक और एक कार्यकारी क्लर्क द्वारा दर्ज कराई गई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, जब वह सूचना के अधिकार (RTI) आवेदन के बारे में जानकारी देने के लिए आरोपी से मिलने गया, तो उसके धर्म का जिक्र कर उसे गालियां दी गईं और सरकारी कार्य करने से रोका गया। व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 298 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना), 504 (शांति भंग करने के इरादे से अपमान करना) और 353 (लोक सेवक को उसके कर्तव्य निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) के तहत अपराधों के लिए मामला दर्ज किया गया।

मुख्यमंत्री से आईफा आयोजन समिति के सदस्यों ने की मुलाकात, आईफा अवार्ड्स समारोह में शामिल होने का दिया निमंत्रण

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को आईफा अवार्ड्स आयोजन समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री निवास पर मुलाकात कर आईफा अवार्ड्स समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया। समिति सदस्यों ने 8 एवं 9 मार्च को जयपुर में आयोजित होने वाले समारोह सहित विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री से उनकी गरिमामयी उपस्थिति के लिए अनुरोध किया।

इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, शासन सचिव पर्यटन श्री रवि जैन, आईफा अवार्ड्स आयोजन समिति के सदस्य सब्बास जोसेफ, विराफ सरकारी, आन्द्रे टिमिन्स सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवार्ड्स (आईफा) अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त एक महत्वपूर्ण फिल्म पुरस्कार समारोह है जो कि मुख्य रूप से विदेश में ही आयोजित होता रहा है। मुम्बई के बाद भारत में दूसरी बार इसका आयोजन राजस्थान की राजधानी जयपुर में होने जा रहा है।

शिक्षा और उद्योग क्षेत्र के बीच मजबूत संबंध जरूरी-मुर्मु

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विकसित अर्थव्यवस्थाओं में शिक्षा और उद्योग क्षेत्र के बीच मजबूत संबंधों का उल्लेख करते हुए देश के उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रमुखों से औद्योगिक संस्थानों की प्रमुख हस्तियों के साथ निरंतर विचार विमर्श करने का सुझाव दिया है। मुर्मु ने मंगलवार को यहां राष्ट्रपति भवन में उच्च शिक्षण संस्थानों के दो दिन के विजिटर्स सम्मेलन में समापन संबोधन में कहा कि हमारा राष्ट्रीय लक्ष्य इस सदी के पूर्वार्ध के अंत से पहले भारत को विकसित देश बनाना है। इसके लिए शैक्षणिक संस्थानों और छात्रों सहित सभी हितधारकों को वैश्विक मानसिकता के साथ आगे बढ़ना होगा।

गोयल को दी शुभकामनाएँ

जयपुर @ जागरूक जनता। भाजपा के नवनियुक्त जयपुर शहर जिलाध्यक्ष भाई अमित गोयल से मिलकर वार्ड 24 के वार्ड अध्यक्ष मनोज शर्मा ने शुभकामनाएं दी। इस मौके पर रूप कंवर पार्षद, हर्षा सागर महिला मोर्चा अध्यक्ष, सतीश जागा युवा मोर्चा अध्यक्ष, समस्त वार्ड- 24 कार्यकर्ताओ ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का स्वागत किया।

मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ करेंगे मेगा रोजगार मेले का उद्घाटन

मुण्डियारामसर में मेगा रोजगार मेले का आयोजन 8 को

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर आगामी 8 मार्च को जयपुर के मुंडियारामसर में उपक्षेत्रीय रोजगार कार्यालय जयपुर द्वारा मेगा रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर का उद्घाटन उद्योग एवं वाणिज्य, युवा मामले एवं खेल विभाग, कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग राज्यवर्धन सिंह राठौड़ करेंगे। उपनिदेशक, उप प्रादेशिक रोजगार कार्यालय नवरेखा ने बताया कि मेगा रोजगार मेले में निर्माण, लॉजिस्टिक, होटल, बैंकिंग, मेडिकल, सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मा, सिक्योरिटी, कॉल सेन्टर, बीमा आदि क्षेत्रों से संबंधित लगभग 40 निजी नियोजक अपनी रिक्तियों के अनुसार मौके पर ही युवा आशार्थियों का प्राथमिक चयन कर लाभान्वित करेंगें। विभिन्न सरकारी विभाग मेले में भाग लेकर विभागीय योजनाओं की जानकारी से आशार्थियों को लाभांवित करेगें। मेगा रोजगार मेले का अधिक से अधिक युवा आशार्थी एवं नियोजक लाभ प्राप्त कर सकें, इस उद्देश्य से मंत्री एवं रोजगार विभाग के अधिकारियों द्वारा क्यूआर कोड जारी किया गया, जिसके माध्यम से आशार्थी एवं नियोजक मेले में पंजीकृत हो कर भाग ले सकतें है। बजट घोषणा में रोजगार मेलों के आयोजन कैंपस इंटरव्यू तथा नये निवेश के स्थानीय युवाओं के रोजगार को प्रोत्साहन देते हुए निजी क्षेत्र में भी आगामी वर्ष एक लाख 50 हजार युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाया जाना प्रस्तावित है। मंत्री राठौड़ ने युवाओं से आव्हान किया कि युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार से जोड़ने के लिए वर्तमान सरकार प्रतिबद्ध है। अधिक से अधिक संख्या में युवा आशार्थी इस मेगा रोजगार मेले में भाग ले कर उक्त मेले का लाभ उठायें। इस मेगा रोजगार मेले में माध्यमिक, उच्च माध्यमिक स्नातक, स्नातकोतर, डिप्लोमा, आईटीआई, नर्सिंग, पॉलिटेक्निक आदि सभी योग्यताधारी आशार्थियों के लिए रिक्तियां है, अतः सभी योग्यताधारी आशार्थी अपने शैक्षणिक प्रमाण पत्रों के साथ उक्त मेगा रोजगार मेले का लाभ उठायें।

बानसूर विस क्षेत्र में 11 पशु चिकित्सा संस्थान केन्द्रों के भवन निर्माण की स्वीकृति जारी

जयपुर @ जागरूक जनता। पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि बानसूर विधानसभा क्षेत्र में 57 पशु चिकित्सा संस्थान केंद्र कार्यरत है। इनमें 41 पशु चिकित्सा संस्थाए अन्य विभागों के भवनों अथवा किराये के भवनों में संचालित है। कुल 11 भवनों के निर्माण की स्वीकृति जारी की जा चुकी हैं। पशुपालन मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि बानसूर विधानसभा क्षेत्र में एक ब्लॉक वेटरीनरी हेल्थ ऑफिस, दो प्रथम श्रेणी के पशु चिकित्सालय, 10 पशु चिकित्सालय एवं 44 पशु चिकित्सा उपकेन्द्र स्वीकृत हैं। क्षेत्र में पर्याप्त पशु चिकित्सा संस्थान केंद्र स्थापित है। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि बानसूर विधानसभा क्षेत्र में पोलीक्लिनिक खोलने के सम्बन्ध में प्रस्ताव प्राप्त होने पर परीक्षण करवाकर उचित निर्णय लिया जायेगा। कुमावत ने कहा कि उक्त क्षेत्र में 4 चिकित्सकों एवं 5 पशुधन निरीक्षकों के पद रिक्त है जिन्हें आवश्यकतानुसार भरने की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि पशु चिकित्सा उपकेन्द्र ज्ञानपुरा व तुराणा में स्वीकृत भवन का निर्माण भूमि उपलब्धता के बाद होगा। इससे पहले विधायक देवी सिंह शेखावत के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में पशुपालन मंत्री ने बताया कि शेष रहे पशु चिकित्सा संस्थाओं के भवन निर्माण कार्य विभाग के नाम भू-स्वामित्व के दस्तावेज उपलब्ध होने पर वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता अनुसार करवाये जायेगे।